2
नये साझेदार का प्रवेश
(Admission of a New Partner)

अध्ययन के उद्देश्य

इस अध्याय का अध्ययन करने पश्चात् आप यह समझने योग्य हो जाते है –

- साझेदारी फर्म के पुनर्गठन की अवधारणा और विधियों का ज्ञान
- नये साझेदार के प्रवेश के प्रभाव
- नये लाभ विभाजन अनुपात व त्याग का अनुपात की गणना
- ख्याति – अर्थ, विशेषताएं, प्रभावित करने वाले कारण, स्वभाव, प्रकार, मूल्यांकन की विधियाँ व लेखांकन व्यवहार
- सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निधारण, पुनर्मूल्यांकन खाता व स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता
- अवितरित लाभों/हानियों व संचयों का बँटवारा
- पूँजी का समायोजन, नये के आधार पर पुराने साझेदारों की पूँजी का समायोजन, पुराने के आधार पर नये साझेदार की पूँजी का निर्धारण
- विद्यमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन का आशय व लेखा

साझेदारी फर्म का पुनर्गठन (Reconstruction of Partnership firm)

साझेदारों के मध्य विद्यमान समझौते में किसी प्रकार का परिवर्तन साझेदारी फर्म का पुनर्गठन कहलाता हैं। साझेदारी फर्म का पुनर्गठन निम्न परिस्थितियों में हो सकता हैं।

(i) नये साझेदार के प्रवेश पर
(ii) वर्तमान साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर
(iii) वर्तमान साझेदार के अवकाश ग्रहण करने पर
(iv) साझेदार की मृत्यु पर
(v) दो साझेदारी फर्मों का एकीकरण होने पर

नये साझेदार का प्रवेश (Admission of a new partner)

नये साझेदार के प्रवेश का अर्थ है साझेदारी के व्यवसाय में नये सदस्य का स्वामी के रुप में प्रवेश करना और साझेदारों की संख्या में वृद्धि होना। **भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 31** के अनुसार वर्तमान साझेदारों की सहमति से ही एक नये व्यक्ति को फर्म में साझेदार बनाया जा सकता हैं। एक नया साझेदार, साझेदार बनने के बाद फर्म द्वारा किये गये समस्त कार्यों के लिए उत्तरदायी हो जाता है, परन्तु वह साझेदार बनने से पूर्व फर्म द्वारा किये गये किसी कार्य के लिए उत्तरदायी नहीं होता।

नये साझेदार के अधिकार : एक नये साझेदार को निम्न दो अधिकार प्राप्त होते हैं।

1. फर्म की संपत्तियों में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार।
2. फर्म के भावी लाभों में हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार।

सम्पत्तियों में हिस्सा प्राप्त करने के लिए नया साझेदार जो धनराशि लाता है, उसे पूँजी कहते हैं तथा भावी लाभों में हिस्सा प्राप्त करने के लिए, जो धनराशि लाता हैं। उसे ख्याति (प्रीमियम) कहते हैं।

नये साझेदार के प्रवेश पर मुख्य समायोजन (Main Adjustments at the time of Admission of a New Partner)

1. नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना **2.** त्याग अनुपात की गणना **3.** ख्याति का मूल्यांकन व लेखांकन **4.** संपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनर्निर्धारण **5.** संचय, अवितरित लाभों व हानियों का समायोजन **6.** पूँजी का समायोजन

नये लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात की गणना

(Calculation of new profit sharing ratio & sacrificing ratio)

नया लाभ विभाजन अनुपात New Profit Sharing Ratio (NPSR):- नये साझेदार सहित सभी साझेदार जिस अनुपात में फर्म के भावी लाभों को आपस में बांटते है, उसे नया लाभ विभाजन अनुपात कहा जाता हैं। नया साझेदार अपना लाभ का हिस्सा पुराने साझेदारों से प्राप्त करता है, इस कारण उनका लाभ विभाजन अनुपात परिवर्तित हो जाता हैं। अतः नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना की जाती है ।

त्याग अनुपात(Sacrificing Ratio):-नये साझेदार के प्रवेश पर पुराने साझेदार अपने लाभ के हिस्से का जिस अनुपात में त्याग करते है उसे त्याग अनुपात कहते हैं। नये साझेदार के प्रवेश पर ख्याति का बँटवारा त्याग अनुपात में ही करना होता हैं।

त्याग अनुपात =पुराना लाभ विभाजन अनुपात –नया लाभ विभाजन अनुपात

Sacrificing Ratio(S.R.)= Old Profit Sharing Ratio(OPSR)–New Profit Sharing Ratio (NPSR)

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

New Profit Sharing Ratio = Old Profit sharing Ratio – Sacrificing Ratio

नये लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात की गणना विभिन्न परिस्थितियों में निम्न प्रकार की जाती है–

1 जब प्रश्न मे केवल नये साझेदार का अनुपात दिया गया हो –

i) Aव Bएक फर्म में साझेदार है जो 3 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है । C लाभ में 1/4 हिस्से के लिए फर्म में प्रवेश करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

माना कि फर्म का कुल लाभ 1 हैं। Cका हिस्सा 1/4 शेष लाभ $1 - 1/4 = 3/4$

Aका हिस्सा $= \frac{3}{4} X \frac{3}{4} = \frac{9}{16}$ Bका हिस्सा $= \frac{3}{4} X \frac{1}{4} = \frac{3}{16}$

नया लाभ विभाजन अनुपात $= \frac{9}{16} : \frac{3}{16} : \frac{1}{4} = \frac{9:3:4}{16}$ $= 9 : 3 : 4$

त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

A $\frac{3}{4} - \frac{9}{16} = \frac{3}{16}$; B $\frac{1}{4} - \frac{3}{16} = \frac{1}{6}$ = त्याग अनुपात 3 : 1

नोट – जब नये साझेदार का हिस्सा दिया गया हो व पुराने साझेदारों के त्याग का विवरण न हो तो पुराना अनुपात ही त्याग अनुपात कहलाता है ।

ii) जब नया साझेदार पुराने साझेदारों से समान अनुपात में अपना हिस्सा प्राप्त कर रहा हैं तो इस दशा में पुराने साझेदारों ने जितना त्याग किया है उसे उनके पुराने अनुपात में से घटाकर नया अनुपात ज्ञात करेगें।

जैसे A व B एक फर्म में साझेदार है जो 7 : 5 के अनुपात में लाभ बांटतें है । C को लाभों में 1/6 हिस्सा देकर साझेदार बनाया । C अपना हिस्सा A व B से बराबर –बराबर प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करों।

Cका हिस्सा 1/6 ; Aका त्याग $= \frac{1}{6} X \frac{1}{2} = \frac{1}{12}$; B का त्याग $= \frac{1}{6} X \frac{1}{2} = \frac{1}{12}$

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

Aका नया लाभ विभाजन अनुपात $= \frac{7}{12} - \frac{1}{12} = \frac{6}{12}$

Bका नया लाभ विभाजन अनुपात $= \frac{5}{12} - \frac{1}{12} = \frac{4}{12}$

तीनों का नया लाभ विभाजन अनुपात $= \frac{6}{12} : \frac{4}{12} : \frac{1}{6} = \frac{6:4:2}{12} = 3:2:1$; त्याग का अनुपात $= \frac{1}{12} : \frac{1}{12} = 1:1$

iii).जब नया साझेदार लाभों में अपना हिस्सा असमान अनुपात में प्राप्त करता है :

जैसे: A व B एक फर्म में साझेदार है, जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है । वे C को लाभों में 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश देते है जिसे वह A व B से 1 : 2 के अनुपात में प्राप्त करता है । नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करों।

Aका त्याग $= \frac{1}{5} X \frac{1}{3} = \frac{1}{15}$ Bका त्याग $= \frac{1}{5} X \frac{2}{3} = \frac{2}{15}$; त्याग का अनुपात = 1: 2

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

A $= \frac{3}{5} - \frac{1}{15} = \frac{8}{15}$; B $= \frac{2}{5} - \frac{2}{15} = \frac{4}{15}$

नया लाभ विभाजन अनुपात $= \frac{8}{15} : \frac{4}{15} : \frac{1}{5} = \frac{8:4:3}{15}$ $= 8 : 4 : 3$

iv). जब नया साझेदार अपना हिस्सा पूर्णतया किसी एक साझेदार से प्राप्त करता है :

1. Aव B एक फर्म में साझेदार है जो 7 : 3 में लाभ विभाजन करते हैं।C को प्रवेश दिया जाता है, Cअपना 1/10 हिस्सा पूर्णतः A से प्राप्त करता है । नये लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात की गणना करो ।

   Aका त्याग $=\frac{1}{10}$ Aका नया लाभ विभाजन अनुपात $=\frac{7}{10}-\frac{1}{10}=\frac{6}{10}$

   तीनों का नया लाभ विभाजन अनुपात= $\frac{6}{10}:\frac{3}{10}:\frac{1}{10}=\frac{6:3:1}{10}=6:3:1$; त्याग का अनुपात= $\frac{1}{10}:0=1:0$

2. Aव B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते है, उन्होने C व Dको क्रमशः 1/5, 1/5 हिस्से के लिऐ प्रवेश दिया । C अपना पूरा हिस्सा Aसे व D अपना पूरा हिस्सा Bसे प्राप्त करता है, तो नया लाभ विभाजन अनुपात होगा।

   Aका त्याग = $\frac{1}{5}$Bका त्याग = $\frac{1}{5}$; Aका नया अनुपात= $\frac{3}{5}-\frac{1}{5}=\frac{2}{5}$;Bका नया अनुपात= $\frac{2}{5}-\frac{1}{5}=\frac{1}{5}$

   सभी का नया लाभ विभाजन अनुपात= $\frac{2}{5}:\frac{1}{5}:\frac{1}{5}:\frac{1}{5}=\frac{2:1:1:1}{5}=2:1:1:1$

v). जब नया साझेदार अपना हिस्सा पुराने साझेदारों से एक निश्चित अनुपात में प्राप्त करता है :

जैसे:A व B 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।वेC को 1/4 हिस्सा देकर प्रवेश देते है, जिसे वह 4/24 A से व 2/24 B से प्राप्त करता है । नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग का अनुपात होगा ।

Aका त्याग $=\frac{4}{24}$ Bका त्याग $=\frac{2}{24}$ त्याग का अनुपात = 4 : 2 = 2 : 1

नया लाभ विभाजन अनुपात= पुराना लाभ विभाजन अनुपात − त्याग अनुपात

A = $\frac{3}{5}-\frac{4}{24}=\frac{52}{120}$ B = $\frac{2}{5}-\frac{2}{24}=\frac{38}{120}$

नया लाभ विभाजन अनुपात= $\frac{52}{120}:\frac{38}{120}:\frac{1}{4}=\frac{52:38:30}{120}$ = 26 : 19 : 15

vi).जब पुराने साझेदार अपने हिस्से का एक निश्चित भाग नये साझेदार के पक्ष में त्याग(समर्पण) करते है :

1. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हैं। C को प्रवेश देते हैं। अपने हिस्से का 1/5 व B अपने हिस्से का 2/5 C के पक्ष में त्याग करते है । नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात होगा ।

   A का त्याग $\frac{3}{5}X\frac{1}{5}=\frac{3}{25}$; B का त्याग $\frac{2}{5}X\frac{2}{5}=\frac{4}{25}$; त्याग अनुपात = 3 : 4

   नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात − त्याग अनुपात

   A $\frac{3}{5}-\frac{3}{25}=\frac{15-3}{25}=\frac{12}{25}$; B $\frac{2}{5}-\frac{4}{25}=\frac{10-4}{25}=\frac{6}{25}$; C का हिस्सा $\frac{3}{25}+\frac{4}{25}=\frac{7}{25}$

   नया लाभ विभाजन अनुपात= $\frac{12}{25}:\frac{6}{25}:\frac{7}{25}=\frac{12:6:7}{25}$= 12 : 6 : 7

2. AवBसाझेदार है जो 3 : 2 में लाभ विभाजन करते है । वे Cको प्रवेश देते है,Aअपने हिस्से का 1/3 व Bअपने हिस्से में से 1/10 C को देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग का अनुपात होगा।

   Aका त्याग $\frac{3}{5}X\frac{1}{3}=\frac{3}{15}=\frac{1}{5}$; Bका त्याग $\frac{1}{10}$; त्याग अनुपात 2 : 1

   नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात − त्याग अनुपात

   A $\frac{3}{5}-\frac{1}{5}=\frac{2}{5}$; B $\frac{2}{5}-\frac{1}{10}=\frac{3}{10}$; Cका हिस्सा $\frac{1}{5}+\frac{1}{10}=\frac{3}{10}$

   = $\frac{2}{5}:\frac{3}{10}:\frac{3}{10}$ नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 : 3

विविध उदाहरण

1. **अ, ब** व **स** एक फर्म में साझेदार है, जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।**द** लाभ में 1/6 हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं।**स** का हिस्सा पहले जितना ही रहेगा । नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

   CवD का हिस्सा $\frac{1}{6}+\frac{1}{6}=\frac{2}{6}$;$1-\frac{2}{6}=\frac{4}{6}$(AवBका हिस्सा)

   Aका हिस्सा= $\frac{4}{6}X\frac{3}{5}=\frac{12}{30}$; B का हिस्सा= $\frac{4}{6}X\frac{2}{5}=\frac{8}{30}$

   नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{12}{30}:\frac{8}{30}:\frac{1}{6}:\frac{1}{6}$; $\frac{12:8:5:5}{30}$; = 12:8:5:5

2. अ व ब एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 के लाभ विभाजन करते हैं। स लाभों में 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। अ व ब भविष्य में लाभ बराबर बांटते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग का अनुपात होगा।

$1-\frac{1}{4}=\frac{3}{4}$; Aका नया अनुपात= $\frac{3}{4}X\frac{1}{2}=\frac{3}{8}$; Bका नया अनुपात = $\frac{3}{4}X\frac{1}{2}=\frac{3}{8}$

नया लाभ विभाजन अनुपात = $\frac{3}{8}:\frac{3}{8}:\frac{1}{4}$ = 3 : 3 : 2

त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात –नया लाभ विभाजन अनुपात

त्याग का अनुपात A= $\frac{3}{5}-\frac{3}{8}=\frac{24-15}{40}=\frac{9}{40}$; B= $\frac{2}{5}-\frac{3}{8}=\frac{16-15}{40}=\frac{1}{40}$; त्याग अनुपात= 9 : 1

3. अ व ब एक फर्म में 3 : 2 में लाभ विभाजित करते हुए साझेदार है, स को प्रवेश देते है । ब व स के मध्य वही अनुपात होगा जो अ व ब के मध्य है ।

A : B	B : C	
3 : 2	3 : 2	
x 3	x 2	
9 : 6	6 : 4	= नया लाभ विभाजन अनुपात 9 : 6 : 4

4. अ व ब एक फर्म में 3 : 2 में लाभ विभाजित करते हुए साझेदार है स को लाभों में 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश देते है स अपना 1/2 हिस्सा अ से व शेष हिस्सा अ व ब से बराबर–बराबर प्राप्त करता है, नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग का अनुपात होगा।

A का त्याग $\frac{1}{5}X\frac{1}{2}=\frac{1}{10}$; C का शेष हिस्सा $\frac{1}{5}-\frac{1}{10}=\frac{1}{10}$; शेष हिस्से में A का त्याग $\frac{1}{10}X\frac{1}{2}=\frac{1}{20}$

A का कुल त्याग $\frac{1}{10}+\frac{1}{20}=\frac{3}{20}$; B का त्याग $\frac{1}{10}X\frac{1}{2}=\frac{1}{20}$; त्याग अनुपात $\frac{3}{20}:\frac{1}{20}$ = 3 : 1

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

A= $\frac{3}{5}-\frac{3}{20}=\frac{12-3}{20}=\frac{9}{20}$; B= $\frac{2}{5}-\frac{1}{20}=\frac{8-1}{20}=\frac{7}{20}$

नया लाभ विभाजन अनुपात होगा = $\frac{9}{20}:\frac{7}{20}:\frac{1}{5}$; $\frac{9:7:4}{20}$; नया लाभ विभाजन अनुपात 9 : 7 : 4

5. अ, ब व स एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 : 1 में लाभ विभाजन करते है । वे द को प्रवेश देते है । द अपने हिस्से का 1/4 भाग अ से प्राप्त करता हैं। ब अपने हिस्से का 1/4 व स अपने हिस्से का 1/5 द के पक्ष में समर्पण करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात होगा ।

B का त्याग $\frac{2}{6}X\frac{1}{4}=\frac{2}{24}$; Cका त्याग $\frac{1}{6}X\frac{1}{5}=\frac{1}{30}$; B व Cका कुल त्याग $\frac{2}{24}+\frac{1}{30}$; $\frac{10+4}{120}=\frac{14}{120}$

चूंकि Aने Dके हिस्से का $\frac{1}{4}$ त्याग किया अर्थात् Bव Cने Dके हिस्से का $\frac{3}{4}$ भाग त्याग किया।

अतः Aका त्याग होगा $\frac{14}{120}X\frac{4}{3}X\frac{1}{4}=\frac{14}{360}$

त्याग का अनुपात A B C

$\frac{14}{360}:\frac{2}{24}:\frac{1}{30}$; $\frac{14:30:12}{360}$ = त्याग का अनुपात 7 : 15 : 6

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

A= $\frac{3}{6}-\frac{14}{360}=\frac{180-14}{360}=\frac{166}{360}$; B= $\frac{2}{6}-\frac{2}{24}=\frac{8-2}{24}=\frac{6}{24}$

C= $\frac{1}{6}-\frac{1}{30}=\frac{5-1}{30}=\frac{4}{30}$; Dका हिस्सा $\frac{14}{360}+\frac{2}{24}+\frac{1}{30}=\frac{56}{360}$

= $\frac{166}{360}:\frac{6}{24}:\frac{4}{30}:\frac{56}{360}$ = $\frac{166:90:48:56}{360}$ नया लाभ विभाजन अनुपात 83 : 45 : 24 : 28

6. अ व ब 3 :2 में लाभ विभाजित करते हुये साझेदार है, वे स को प्रवेश देते है । नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 है तो त्याग अनुपात होगा

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

A= $\frac{3}{5}-\frac{5}{10}=\frac{1}{10}$; B= $\frac{2}{5}-\frac{3}{10}=\frac{1}{10}$; त्याग का अनुपात= 1 : 1

ख्याति (Goodwill)

ख्याति एक अदृश्य संपत्ति है, जिसका वर्णन करना सरल है लेकिन परिभाषा देना कठिन हैं। यह व्यवसाय के अच्छे नाम, प्रतिष्ठा एवं संबंधों से मिलने वाला लाभ है, यह वह आकर्षण शक्ति है जो ग्राहकों को लाती हैं। व्यवसाय की प्रतिष्ठा का मौद्रिक मूल्यांकन ही ख्याति हैं।

लार्ड एल्डनः "ख्याति इस संभावना के अतिरिक्त और कुछ नहीं है कि पुराने ग्राहक पुराने स्थान को ही चुनते हैं।"

लार्ड लिण्डलेः "ख्याति संबंधों तथा प्रसिद्धि से होने वाला लाभ हैं।"

ख्याति की विशेषताएं (Characteristics of Goodwill)

1. ख्याति व्यवसाय की अदृश्य (अमूर्त) सम्पत्ति है
2. यह एक मूल्यवान संपत्ति है
3. यह अधिक लाभार्जन में सहायक होती हैं।
4. यह एक ऐसी आकर्षण शक्ति है जो कि ग्राहकों को उनके पुराने स्थान पर लाती हैं।
5. इसका मूल्य परिवर्तित होता रहता हैं।

ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्त्व (Factors affecting the value of Goodwill)

1. व्यवसाय का सुविधाजनक स्थान,
2. प्रबंध की कुशलता
3. व्यवसाय की दीर्घकालीन अवधि,
4. वस्तु की प्रकृति
5. लाइसेंस का होना,
6. एकाधिकार
7. जोखिम की मात्रा
8. लाभों की प्रवृति,
9. भावी प्रतिस्पर्धा
10. पूँजी की मात्रा
11. उत्पाद की किस्म

ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता(need for the valuation of Goodwill)

एक साझेदारी फर्म में निम्न दशाओं में ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता होती हैं।

1. जब एक नया साझेदार प्रवेश करता हैं।
2. जब वर्तमान साझेदारों के मध्य लाभ–विभाजन अनुपात में परिवर्तन होता हैं।
3. जब कोई साझेदार अवकाश ग्रहण करता है अथवा साझेदार की मृत्यु हो जाती हैं।
4. जब फर्म का व्यवसाय बेचा जाता हैं।
5. जब दो फर्मों का एकीकरण हो जाता हैं।

ख्याति के प्रकार (Types of Goodwill)

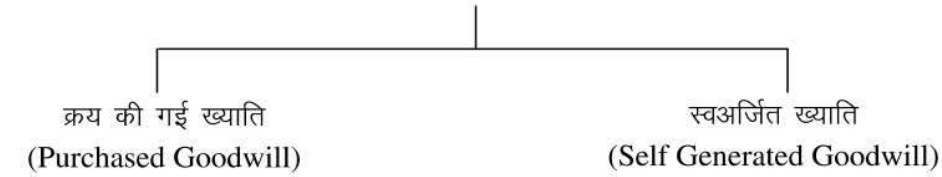

1. **क्रय की गई ख्याति–** किसी व्यवसाय को क्रय करते समय यदि क्रय प्रतिफल व्यवसाय की शुद्ध सम्पत्तियों के मूल्य से अधिक है तो यह आधिक्य ही क्रय की गई ख्याति कहलाती हैं।Goodwill=Purchase consideration - Net Assets
   - **(a)** यह किसी व्यवसाय के क्रय करने पर उत्पन्न होती हैं।
   - **(b)** पुस्तकों में इसका लेखा किया जाता है, क्योंकि इसके लिये प्रतिफल का भुगतान किया गया हैं।
   - **(c)** इसे चिट्ठे में संपत्ति के रूप में दिखाया जाता हैं।
2. **स्वअर्जित ख्याति–**
   - **(a)** यह एक व्यवसायिक संस्था के अच्छे सम्बंधों और यश का मूल्य है जो व्यवसाय में सृजित किया जाता हैं।
   - **(b)** लेखा मानक 26 व Indian A.S.38 के अनुसार इसका लेखा पुस्तकों में नहीं किया जाता हैं।
   - **(c)** इस प्रकार की ख्याति के मूल्यांकन का प्रश्न फर्म के पुनर्गठन के समय उत्पन्न होता है।

ख्याति की प्रकृति (Nature of Goodwill)

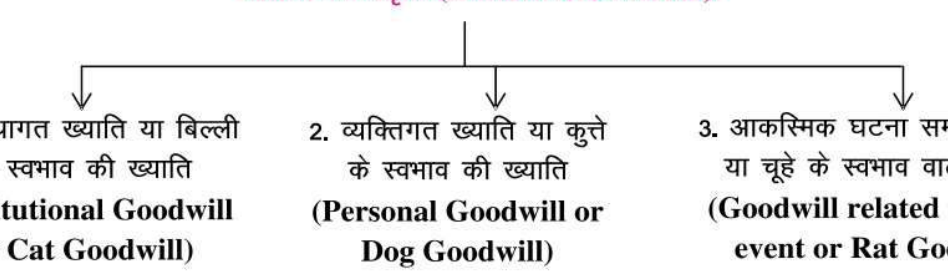

1.संस्थागत ख्यातिः– ऐसी ख्याति संस्था की प्रतिष्ठा अच्छे नाम, उसके माल की प्रसिद्धि के कारण बनती हैं। संस्था के स्वामी के परिवर्तन का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता हैं। इस प्रकार की ख्याति का मूल्य सबसे अधिक होता हैं। इसे बिल्ली के स्वभाव की ख्याति भी कहा जाता है, क्योंकि बिल्ली अपना स्थान (घर) नहीं छोड़ती, चाहे उसका स्वामी बदल जाये।

2.व्यक्तिगत ख्यातिः– जब किसी व्यवसाय की ख्याति उसके स्वामी के व्यक्तित्व, कुशलता व व्यवहार आदि के कारण होती है, तो उसे व्यक्तिगत ख्याति कहते हैं। व्यवसाय के मालिक बदल जाने पर ख्याति भी उनके साथ चली जाती हैं। ग्राहक उस संस्था से संबंध बना लेते है, जहां पुराना स्वामी चला जाता हैं। ऐसी ख्याति को कुत्ते के स्वभाव वाली ख्याति कहा जाता है, क्योंकि कुत्ता स्वामीभक्त होता है, जहां स्वामी जाता है, कुत्ता भी वहां चला जाता हैं। इस तरह की ख्याति का मूल्य संस्थागत ख्याति से कम होता हैं। ऐसी ख्याति पेशे (Profession) वाले व्यवसाय में होती हैं। जैसे डॉक्टर, सी.ए., एडवोकेट इत्यादि।

3.आकस्मिक घटना सम्बंधी ख्यातिः– ऐसे व्यवसाय जिनकी ख्याति स्थिर नहीं होती हैं। अर्थात् छोटी–बड़ी घटना के साथ ख्याति का मूल्य बढ़ जाता है अथवा कम हो जाता है, आकस्मिक घटना संबंधी ख्याति कहलाती हैं। इसे चूहे के स्वभाव वाली ख्याति भी कहते हैं। चूहा न तो स्वामी का भक्त होता है और न ही किसी स्थान का। वह एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमता रहता हैं। चूहे के स्वभाव के ग्राहक किसी विशेष दुकान अथवा किसी विशेष व्यक्ति से लगाव नहीं रखते हैं। इस तरह की ख्याति का मूल्य बहुत कम होता हैं।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियां :–

(1) वर्षों की क्रय विधि (Year's Purchase Method) :– ख्याति का मूल्यांकन व्यवसाय के लाभों के कुछ वर्षों के गुणा के आधार पर किया जाता हैं, जिसे वर्षों की क्रय विधि कहते हैं। इसके लिए व्यवसाय के लाभों की गणना दो आधारों पर की जाती है :–

1. औसत लाभ आधार (Average Profit Base): -

अ. सरल औसत लाभ (Simple Average Profit):– इस विधि के अन्तर्गत ख्याति का मूल्याकंन पिछले कुछ वर्षों के औसत लाभों (हानियों सहित) के आधार पर किया जाता हैं। औसत लाभों की गणना करते समय पिछले वर्षों के लाभों में निम्न समायोजन किये जाने चाहिए–

i. **असामान्य आय/लाभ :–** संबंधित वर्ष की आय में से कम कर देना चाहिए।
ii. **असामान्य व्यय/हानियां :–** संबंधित वर्ष की आय में जोड़ देना चाहिए।
iii. **गैर व्यापारिक विनियोगों पर आय :–** संबंधित वर्ष की आय में से कम कर देना चाहिए।

Average Profit (AP) = $\frac{\text{Total Adjusted Profits}}{\text{No. of years}}$ औसत लाभ = $\frac{\text{कुल समायोजित लाभ}}{\text{वर्षों की संख्या}}$

वास्तविक औसत लाभ Actual Average Profit (AAP)= औसत लाभ – साझेदारों का पारिश्रमिक (वेतन)

Goodwill = Actual Average Profit x No. of year's purchase
ख्याति = वास्तविक औसत लाभ xवर्षों के क्रय की संख्या

इसे निम्नांकित उदाहरणों से समझ सकते हैं–

(1) एक फर्म की ख्याति गत 5 वर्षों के औसत लाभ के दो वर्षीय क्रय (दोगुने) के आधार पर मूल्यांकित की जाती हैं।

Years	2012	2013	2014	2015	2016
Profits (₹)	15,000	18,000	7,000 (Loss)	10,000	14,000

ख्याति की गणना कीजिए।

औसत लाभ = $\frac{15000 + 18000 - 7000 + 10000 + 14000}{5} = \frac{50000}{5} = 10000$

Goodwill = A.P. X No. of years purchased = ₹ 10000 X 2 = ₹ 20,000

(2) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन पिछले 3 वर्षों के औसत लाभ के दो वर्षों के क्रय के आधार पर करना है।

Years	Profits ₹	
2014	40000	(इसमें ₹10000 असामान्य लाभ शामिल हैं।)
2015	30000	(इसमें ₹ 5000 असामान्य हानि चार्ज की गई हैं।)
2016	33000	(इसमें ₹ 8000 विनियोगों पर ब्याज शामिल हैं।)

औसत लाभ=$\frac{30000 + 35000 + 25000}{3}=\frac{90000}{3}$ = 30,000

Goodwill = A.P. X No. of years purchase = 30000 X 2 = ₹ 60,000

(3)

Years	Profits ₹

2012	25000	(₹ 5000 सट्टे के लाभ शामिल)
2013	(–)5000	(₹40000 स्टॉक हानि चार्ज की गई)
2014	22000	(₹ 2000 सम्पत्ति के विक्रय के लाभ शामिल)

साझेदारों का वेतन₹5000 वार्षिक हैं। औसत लाभों के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना कीजिए।

$$\text{औसत लाभ} = \frac{20000 + 35000 + 20000}{3} = \frac{75000}{3} = ₹\ 25000$$

वास्तविक औसत लाभ=₹25,000–₹5,000=₹20,000; ख्याति=₹20,000x3=60,000

(ब) भारित औसत लाभ (Weighted Average Profit):- जब पिछले वर्षों के लाभों में निरन्तर घटने या बढ़ने की प्रवृत्ति हो तो साधारण औसत के बजाय भारित औसत के आधार पर ख्याति की गणना की जाती है। इस विधि में प्रत्येक वर्ष के लाभों का भार क्रमशः 1, 2, 3,4..... देकर गुणनफल ज्ञात किया जाता हैं। इसे निम्नांकित उदाहरणों से समझ सकते हैं :–

(i)

Years	Profits₹		Weight		Product (P X W)
2012	10000	X	1	=	10000
2013	12000	X	2	=	24000
2014	15000	X	3	=	45000
2015	20000	X	4	=	80000
2016	30000	X	5	=	150000
	Total of Weights →		15	Total Product of profits →	309000

$$\text{Weighted Average Profit (W.A.P.)} = \frac{\text{Total Product of profits}}{\text{Total of Weights}} = \frac{309000}{15} = ₹\ 20600$$

Goodwill = 20600 X 2 = ₹ 41200

(ii)एक फर्म के पिछले चार वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं।भारित औसत लाभों के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना करें।

Years	Profits₹		Weight		Product (P X W)
2013	5000	X	1	=	5000
2014	7000	X	2	=	14000
2015	10000	X	3	=	30000
2016	15000	X	4	=	60000
			∑W 10		∑P 1,09,000

$$\text{Weighted Average Profit (W.A.P.)} = \frac{\text{Total Product of profits}}{\text{Total of Weights}} = \frac{109000}{10} = ₹10900$$

Goodwill = 10900 X 3 = ₹32700

(iii)एक फर्म की ख्याति का मूल्याकंन पिछले चार वर्षों के भारित औसत लाभ के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर करें।

Years	Profits₹	Weight
2012-13	20200	1
2013-14	24800	2
2014-15	20000	3
2015-16	30000	4

लेखों के जांच से निम्नलिखित बातें प्रकट हुई– **(a)** 01 दिसम्बर, 2014 को प्लाट के संबंध में एक बड़ा मरम्मत का काम किया गया था जिस पर ₹ 6000 खर्च हुए थे। इस राशि को लाभ हानि खाते से चार्ज कर लिया गया था। यह तय हुआ कि ख्याति का मूल्यांकन करने के लिए इस राशि का पूँजीकरण किया जाए। लेकिन इस पर क्रमागत ह्रास विधि से 10 प्रतिशत वार्षिक दर से ह्रास का समायोजन करना हैं। **(b)** वर्ष 2013–14 में अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन ₹2400 से अधिक किया गया। **(c)** ख्याति के मूल्यांकन के लिए प्रबंधकीय लागत के संबंध में ₹4800 वार्षिक चार्ज लगाना हैं।

हल :

Years	2012-13₹	2013-14₹	2014-15₹	2015-16₹
Profits	20200	24800	20000	30000
(-) Managerial Cost	4800	4800	4800	4800
(+) Capital Expenditure Charge to revenue	-	-	6000	-
(-) Dep. (Not Provided)	-	-	200	580

(-) Over Valuation of closing Stock	-	2400	-	-
(+) Over Valuation of Opening stock	-	-	2400	-
Adjusted Profits	**15400**	**17600**	**23400**	**24620**

Years	Profits₹	Weight		Product (P X W)
2012-13	15400 X	1	=	15400
2013-14	17600 X	2	=	35200
2014-15	23400 X	3	=	70200
2015-16	24620 X	4	=	98480
	Total of Weights→	10	Total Product of profits→	219280

भारित औसत लाभ (W.A.P.) = Total Product of profits / Total of Weights = 219280 / 10 = ₹ 21928;

Goodwill = 21928 x 3 = ₹ 65,784

2. अधिलाभ आधार (Super profit base):—यदि फर्म सामान्य लाभ से अधिक लाभ कमाती है, तो उसे फर्म का अधिलाभ कहते हैं। व्यापार के वास्तविक औसत लाभ और सामान्य लाभ का अंतर अधिलाभ कहलाता हैं।

Super profit = Actual average profit - Normal Profit ; S.P. = A.A.P. - N.P.

अधिलाभ = वास्तविक औसत लाभ — सामान्य लाभ

सामान्य लाभ = विनियोजित पूँजी **x** सामान्य प्रत्याय दर Normal Profit = Capital Employed x NRR

Capital Employed Assets Employed – Outside Liabilities ; विनियोजित पूँजी= प्रयुक्त सम्पत्तियां — बाह्य दायित्व

प्रत्याय की सामान्य दर से आशय, उद्योग में लगी अन्य फर्मों द्वारा अर्जित लाभ की सामान्य दर जो प्रायः प्रश्न में दी गई होगी। प्रश्न विशेष में :

Normal Rate of return (NRR) = Rate of Interest + Risk Factor

सामान्य प्रत्याय दर = ब्याज की दर + जोखिम का तत्व

नोटः—यदि अधिलाभ **(S.P.)** शून्य हो या ऋणात्मक हो तो ख्याति का मूल्य शून्य होगा।

Goodwill = super profit x no. of year's purchase; ख्याति = अधिलाभ x वर्षों के क्रय की संख्या

विविध उदाहरण :

(1) एक फर्म की पूँजी ₹ 50000 हैं तथा सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत हैं। फर्म के वास्तविक औसत लाभ ₹ 9000 हैं। अधिलाभों के चार गुने के बराबर ख्याति की गणना कीजिए।

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. = 50000 X 10 /100 = ₹ 5000

S.P. = AAP - NP ; अधिलाभ = 9000 - 5000 = ₹ 4000

ख्याति = SP X 4 = 4000 X 4 = ₹ 16000

(2) ए व बी फर्म की पूँजी ₹2,00,000 और सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत हैं। प्रत्येक साझेदार का वार्षिक वेतन ₹ 6000 है। फर्म के पिछले तीन वर्षों के लाभ इस प्रकार है—₹ 40000, ₹35000,₹45000 अधिलाभ के दो वर्ष के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना करें —

वास्तविक औसत लाभ= (40000 + 35000 + 45000) / 3 = 120000 / 3 = 40000-12000 (Salary to partners) = ₹ 28000

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. → = 2,00,000 x 10 /100 = ₹ 20000

अधिलाभ = 28000 - 20000 = ₹ 8000 ; ख्याति = SP X 2 = 8000 X 2 = ₹16000

(3) 1 अप्रैल 2017 को एक फर्म की सम्पत्तियां ₹2,00,000 थी, जिसमें ₹ 10000 रोकड़ भी शामिल थी। इस तिथि को लेनदार ₹ 10,000 के थे। साझेदारों के पूँजी खातों में ₹1,60,000 का शेष व संचय कोष ₹30000 का था। ब्याज की दर 8 प्रतिशत व जोखिम तत्व दो प्रतिशत था। अधिलाभों के तीन वर्षीय क्रय पर फर्म की ख्याति का मूल्य₹ 33000 हो तो वास्तविक औसत लाभ की राशि होगी।

Capital Employed = Assets - Liabilities =200000 - 10000 = ₹ 190000

Normal rate of return = rate of interest + Risk factor = 8% + 2% = 10%

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. = 190000 X 10 /100 = ₹19000

अधिलाभ = वास्तविक औसत लाभ — सामान्य लाभ

11000 =वास्तविक औसत लाभ + ₹ 19000

19000 + 11000 = ₹ 30000 (वास्तविक औसत लाभ)

कार्यशील टिप्पणी

ख्याति = SP X 3 = 33000 ; 33000 = SP X 3 ; S.P. = 33000/3 = ₹ 11000

(4) एक फर्म के पिछले तीन वर्षों के लाभ इस प्रकार है–₹ 20000, ₹ 17000, ₹23000 विनियोजित पूँजी, ₹1,00,000 व सामान्य प्रत्याय दर 12 प्रतिशत हैं। अधिलाभों के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ख्याति की गणना कीजिए।

औसत लाभ $= \frac{20000 + 17000 + 23000}{3} = \frac{60000}{3} =$ ₹ 20000

सामान्य लाभ = Capital Employed x N.R.R. = 100000 x 12 /100 = ₹ 12000

अधिलाभ = AAP - NP = 20000 - 12000 = ₹ 8000; ख्याति = SP x 2 = 8000 x 3 = ₹ 24000

नोट : उपरोक्त दोनों आधार (औसत लाभ एवं अधिलाभ) अन्य विधियों में भी प्रयोग किये जाते हैं।

(2) पूँजीकरण विधि (Capitalisation method):– इस विधि के अन्तर्गत व्यवसाय द्वारा अर्जित लाभों का पूँजीकरण करके ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता हैं। इस विधि की अन्तर्गत ख्याति का मूल्यांकन दो आधारों पर किया जा सकता हैं।

(अ) औसत लाभों की पूँजीकरण विधि

औसत लाभों का पूँजीकरण मूल्य $= \frac{\text{औसत लाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय की दर}}$

ख्याति=लाभों का पूँजीकृत मूल्य – विनियोजित पूँजी Goodwill = capitalised value of profits - Capitalemployed

नोटः– यदि औसत लाभों का पूँजीकृत मूल्य व विनियोजित पूँजी का अन्तर शून्य या ऋणात्मक है तो ख्याति का मूल्य शून्य होगा।

(i) एक फर्म का औसत लाभ ₹15000 है और फर्म की पूँजी ₹1,00,000 हैं। सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत हैं। औसत लाभों की पूँजीकरण विधि से ख्याति की गणना कीजिए।

ख्याति $= \frac{\text{औसत लाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय की दर}}$ -विनियोजित पूँजी

Goodwill $= \frac{\{15000 \times 100\}}{10} - 100000 = 150000 - 100000 =$ ₹ 50000

(ii) वास्तविक औसत लाभ ₹46000; सामान्य प्रत्याय की दर =10%; सम्पत्तियां = ₹500000; दायित्व= ₹ 100000 औसत लाभों की पूँजीकरण विधि से ख्याति की गणना कीजिए।

ख्याति $= \left(\frac{46000 \times 100}{10}\right) - 400000 =$ ₹ 60000

(ब) अधिलाभों की पूँजीकरण विधि :– ख्याति $= \frac{\text{औसत लाभ} \times 100}{\text{सामान्य प्रत्याय की दर}}$ Goodwill $= \frac{\text{S.P.} \times 100}{\text{N.R.R}}$

(i) औसत लाभ = ₹100000, सामान्य प्रत्याय की दर 10%; विनियोजित पूँजी ₹ 800000

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. = 800000 x 10 /100 = ₹ 80,000

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ

S.P.=100000 - 80000 = ₹20000 ; ख्याति $= \frac{\text{S.P.} \times 100}{\text{NRR}} = \frac{20000 \times 100}{10} =$ ₹ 2,00,000

(ii) Assets ₹ 300000, Liabilities ₹ 50000, NRR 10%, AAP ₹30000

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. = 250000 X 10 /100 = ₹25,000

Capital Employed = Assets - Liabilities = 300000- 50000 = ₹ 2,50,000

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ = 30000 . 25000 = ₹ 5000

ख्याति $= \frac{\text{S.P.} \times 100}{\text{NRR}} = \frac{5000 \times 100}{10} =$ ₹ 50000

(iii) औसत लाभ ₹50,000, NRR 10%, Capital Employed ₹ 3,00,000

औसत लाभों की पूँजीकरण विधि व अधिलाभों की पूँजीकरण विधि से ख्याति की गणना करो।

(a) on the basis of Average Profit

ख्याति $= \left(\frac{\text{AP X 100}}{\text{NRR}}\right) - \text{Capital Employed} = \left(\frac{50000 \text{ X } 100}{10}\right) - 300000 =$ ₹ 2,00,000

(b) on the basis of Super Profit

सामान्य लाभ = Capital Employed x N.R.R. = 300000 x 10 /100 = ₹ 30000

अधिलाभ = AP - NP = 50000 - 30000 = ₹ 20000

ख्याति = $\frac{\text{S.P. x 100}}{\text{NRR}}$ = $\frac{20000 \text{ x } 100}{10}$ = ₹ 200000

(3) गुप्त (छिपी हुई) या अनुमानित ख्याति विधि (Hidden Goodwill Method):–

नये साझेदार के लाभ के हिस्से व उसके द्वारा लाई गई पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी ज्ञात करते हैं।

फर्म की ख्याति = कुल पूँजी– पुराने साझेदारों की समायोजित पूँजी– नये साझेदार की पूँजी

समायोजित पूँजी का आशय : पूँजी शेष + संचय + लाभ – हानि

(i) ए, बी एक फर्म में साझेदार है जिनकी पूँजी क्रमशः₹20,000 व ₹30,000 हैं। सी को लाभों में 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश दिया, जो पूंजी के रूप में ₹ 15,000 लाता हैं। उक्त सूचनाओं से ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

सी की पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी $15000 \text{ X} \frac{5}{1}$ = ₹75000

फर्म की ख्याति = फर्म की कुल पूँजी – ए व बी की समायोजित पूँजी – सी की पूँजी

75000 - 50000 – 15000 = ₹ 10000

(ii) ए व बी साझेदार है जिनकी पूँजी खातों के शेष ₹ 10,000 व ₹ 20,000 हैं। चिट्ठे में अवतरित संचय ₹10,000 का हैं। सी को 1/4 हिस्से के लिए फर्म में प्रवेश देते हैं। जो ₹ 20,000 पूँजी लाता हैं। उक्त सूचनाओं से ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिए।

सी की पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी ₹

$20000 \times \frac{4}{1}$ = 80000

(–) ए व बी की समायोजित पूंजी

(10000 + 5000) + (20000 + 5000) = 40000

(–) सी की पूंजी = 20000

फर्म की ख्याति = 20000

(4) क्रय प्रतिफल विधि (Purchased Consideraton Method): -

ख्याति = क्रय प्रतिफल – शुद्ध सम्पत्तियां

उदाहरण : एक व्यवसाय की सम्पत्तियां ₹2,00,000 व दायित्व ₹ 50,000 के हैं। व्यवसाय का क्रय प्रतिफल ₹1,70,000 तय हुआ। तो ख्याति का मूल्य कितना होगा।

Net Assest = Assets - Liabilities = 200000 - 50000 = ₹ 1,50,000

ख्याति = Purchase Consideration - Net Assets = 170000 - 150000 = ₹ 20000

(5) वार्षिकी विधि (Annuity Method):–

ख्याति = Super Profit X Present value of Annuity

यदि वार्षिकी का वर्तमान मूल्य नहीं दिया गया है, तो उसकी गणना निम्न सूत्र से की जाती हैं।

$$\text{Present Value of Annuity} = \frac{1 - \left(\frac{100}{100+r}\right)^n}{\frac{r}{100}}$$

n = वर्षों की संख्या r = सामान्य प्रत्याय दर

जैसे n = 3, r = 10% तो

$$\text{Present Value of Annuity} = \frac{1 - \left(\frac{100}{100+10}\right)^3}{\frac{10}{100}} = 2.487$$

(i) औसत लाभ = ₹20,000, विनियोजित पूँजी = ₹1,50,000, सामान्य प्रत्याय की दर=10%, वर्तमान मूल्य=2.487वार्षिकी विधि से ख्याति का मूल्य ज्ञात करों।

Normal profit = Capital Employed x N.R.R. = 150000 X 10 /10 = ₹15000

S.P. = AP - NP = 20000 - 15000 = ₹ 5000

ख्याति = S.P. x P.V. = 5000 x 2.487 = ₹ 12435

ख्याति (प्रीमियम) का लेखांकन व्यवहार (Accounting Treatment of Goodwill)

नये साझेदार के प्रवेश के समय ख्याति के व्यवहार से सम्बन्धित निम्नलिखित परिस्थितियाँ हो सकती है –

1. जब ख्याति की राशि का भुगतान निजी रूप से किया जाये।
2. जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद लेकर आता हैं।
3. जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आता हैं।
4. जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति आंशिक रूप से नकद में लाता हैं।
5. जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति सम्पत्ति (In Kind)के रूप में लाता हैं।
6. छिपी हुई ख्याति का लेखा।
7. लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर ख्याति का लेखा।

टिप्पणी: उपर्युक्त सभी परिस्थितियों में यदि पुस्तकों में ख्याति खाता खुला हुआ (विद्यमान) है तो उसे अपलिखित (बन्द) किया जायेगा।

Old Partner's Capital A/c Dr. (OPSR)
To Goodwill A/c
(Being Existing Goodwill A/c is written off in old profit sharing ratio)

(1) जब ख्याति की राशि का भुगतान निजी रूप से किया जाये (When amount of Goodwill is paid privately)– यदि नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति की राशि का भुगतान पुराने साझेदारों को निजी रूप से कर देता है तो फर्म की पुस्तकों में कोई प्रविष्टि नहीं की जायेगी, क्योंकि ख्याति की राशि फर्म में नहीं लिखी जाती हैं।

(2) जब नया साझेदार अपने हिस्से की राशि नकद लेकर आता हैं। इस स्थिति में निम्न प्रविष्टियां की जाती है –

(i) ख्याति की राशि नकद लाने पर

Cash A/c Dr.
To Goodwill A/c
(Being amount of goodwill brought in cash)

(ii) ख्याति की राशि त्याग करने वाले साझेदारों के खातों में त्याग अनुपात में हस्तांतरित करने पर

Goodwill A/c Dr.
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being amount of goodwill transferred to sacrificing partner's capital A/c)

(iii) ख्याति की राशि व्यापार से निकालने पर

Sacrificing partner's capital A/c Dr.
To Cash A/c
(Being amount of goodwill withdrawn by sacrificing partners)

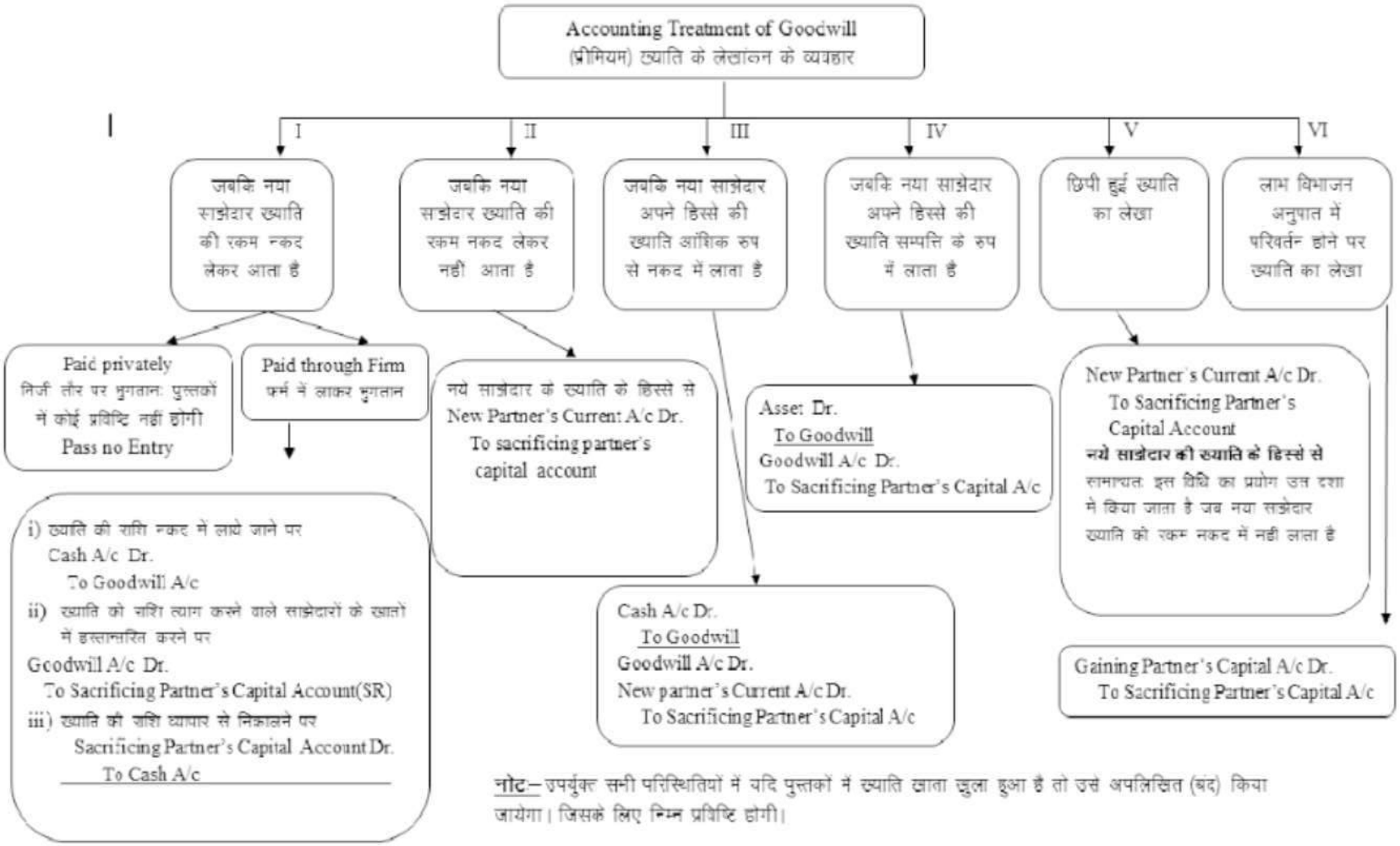

नोट– उपर्युक्त सभी परिस्थितियों में यदि पुस्तकों में ख्याति खाता चुला हुआ है तो उसे अपलिखित (बंद) किया जायेगा। जिसके लिए निम्न प्रविष्टि होगी।

Old Partner's Capital A/c Dr. (OPSR)
To Goodwill A/c

(3) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर नहीं आता है, इस दशा में त्याग अनुपात में निम्न प्रविष्टि होगी –

New partner's current A/c Dr.
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being share of goodwill of new partner is adjusted through capital A/c)

टिप्पणी – इस दशा में नये साझेदार के पूँजी खाते के स्थान पर उसके चालू खाते को डेबिट किया गया है, ताकि उसकी पूँजी कम न हो।

(4) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति आंशिक रूप से नकद में लाता है, इस दशा में निम्न प्रविष्टियां होगी –

(i) ख्याति का जो हिस्सा नकद लेकर आया है –

Cash A/c Dr.
To Goodwill A/c
(Being amount of goodwill brought in cash)

(ii) त्याग करने वाले साझेदारों के खातों में त्याग अनुपात में ख्याति का हस्तांतरण करने पर

Goodwill A/c Dr. (नकद लाया)
New partner's current A/c Dr. (नकद नहीं लाया)
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being amount of goodwill is transferred to sacrificing partner's capital A/c)

(5) जब नया साझेदार अपने हिस्से की ख्याति सम्पत्ति (kind) के रूप में लाता है, इस दशा में निम्न प्रविष्टियां होगी –

(i) ख्याति के लिये सम्पत्ति लाने पर –

Asset A/c Dr.
To Goodwill A/c
(Being asset contribute by new partner for his share of goodwill)

(ii) ख्याति को त्याग करने वाले साझेदारों के पूँजी खातों में त्याग अनुपात में हस्तांतरित करने पर –

Goodwill A/c Dr.
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being goodwill transfer to sacrificing partner's capital A/c)

(6) छिपी हुई ख्याति (Hidden Goodwill) का लेखा :–

सामान्यतः इस विधि का प्रयोग उस दशा में किया जाता है जब नया साझेदार ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आता हैं। नये साझेदार के ख्याति के हिस्से से :

New partner's current A/c Dr.
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being amount of goodwill adjusted through sacrificing partner's capital A/c)

(7) साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर ख्याति के लिए लेखांकन प्रविष्टि :

Gaining partner's current A/c Dr.
To Sacrificing partner's capital A/c
(Being adjustment goodwill due to change in profit sharing ratio)

नोटः– (1) ख्याति के लिए प्रीमियम शब्द का भी उपयोग किया जा सकता हैं।

(2) नये साझेदार द्वारा लाई गयी ख्याति की राशि त्याग करने वाले साझेदारों में उनके त्याग अनुपात में बांटी जाएगी।

(3) **लेखा मानक 10, 26 / Indian A.S. 38 के अनुसार ख्याति को पुस्तकों में तभी लिखा जाता हैं। जबकि इसको क्रय करने हेतु मुद्रा या मुद्रा तुल्य कोई प्रतिफल चुकाया गया हों। अतः केवल क्रय की गई ख्याति का लेखा पुस्तकों में होगा।**

स्वअर्जित ख्याति (Self Generated Goodwill) जो किसी साझेदार के प्रवेश अवकाश ग्रहण, मृत्यु अथवा वर्तमान साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर अर्जित होती है, का समायोजन साझेदारों के पूँजी खातों / चालू खातों के माध्यम से किया जाना चाहिए। इस आधार पर पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं खोला जा सकता हैं। क्योंकि इस दशा में कोई प्रतिफल नहीं चुकाया जाता हैं।

(i) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। सी को लाभ में 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। सी ख्याति के लिए ₹ 20,000 नकद लाता हैं। यह मानते हुए जर्नल प्रविष्टियां कीजिए कि

(a) ख्याति को व्यवसाय में रहने दिया जाता हैं।

(b) ख्याति को व्यवसाय से निकाल दिया जाता हैं।

a. (i) Cash A/c Dr. 20000

To Goodwill A/c 20000
(Being amount of goodwill brought in cash)

(ii) Goodwill A/c Dr. 20000
To A'S Capital A/c 12000
To B'S Capital A/c 8000
(Being amount G/W distributed between sacrificing partners)

b. उपर्युक्त (i) & (ii) के अतिरिक्त, एक प्रविष्टि और होगी।

A'S Capital A/c Dr. 12000
B'S Capital A/c Dr. 8000
To Cash A/c 20000
(Amount of goodwill withdrawn by the sacrificing partners)

(ii) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हैं। सी साझेदार के रूप में प्रवेश पाता हैं। ए व बी अपने लाभ के अंश का आधा भाग सी के पक्ष में समर्पित करते हैं। सी के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्य ₹40,000 हैं। सी अपना हिस्सा नकद लाता हैं।
ए व बी ख्याति की तीन–चौथाई राशि व्यापार से निकाल लेते हैं। जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।
सी का ख्याति में हिस्सा = 40000 X 1/2 = ₹ 20000

$A = \frac{3}{5} x \frac{1}{2} = \frac{3}{10}$ $B = \frac{2}{5} x \frac{1}{2} = \frac{2}{10}$ त्याग अनुपात 3 : 2 सी का लाभों में हिस्सा $\frac{3}{10} + \frac{2}{10} = \frac{5}{10} = \frac{1}{2}$

जर्नल प्रविष्टियां

Cash A/c Dr. 20000
To Goodwill A/C 20000
(Being amount of goodwill brought in cash)
Goodwill A/C Dr. 20000
To A'S Capital A/c 12000
To B'S Capital A/c 8000
(Being amount of goodwill distributed between sacrificing partners)
A'S Capital A/c Dr. 9000
B'S Capital A/c Dr. 6000
To Cash 15000
(Being goodwill withdrawn by sacrificing partners)

(iii) ए व बी लाभों को 2 : 3 के अनुपात में बांटते हुए साझेदार हैं। वे सी को लाभों में 3/7 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। सी 2/7 भाग ए से व 1/7 भाग बी से प्राप्त करता हैं। सी अपने हिस्से की ख्याति के लिए ₹30,000 नकद लाता हैं। सी के प्रवेश की तिथि को पुस्तकों में ख्याति खाता ₹ 20,000 पर प्रकट होता हैं। जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।
त्याग का अनुपात = 2/7 : 1/7 = 2 : 1

Cash A/c Dr. 30000
To Goodwill A/c 30000
(Being amount of Goodwill brought in cash)
Goodwill A/c Dr. 30000
To A'S Capital A/c 20000
To B'S Capital A/c 10000
(Being amount of Goodwill distributed in sacrifice ratio)
A'S Capital A/c Dr. 12000
B'S Capital A/c Dr. 8000
To Goodwill 20000
(Goodwill A/c written off.)

(IV) ए व बी साझेदार है जो 3:2 में लाभ विभाजन करते हैं। सी को नया साझेदार बनाया जाता हैं। सी ख्याति के लिए ₹ 20,000 नकद लाता हैं। निम्न दशाओं में ख्याति का लेखा कीजिए।

(a) सी को 1/5 भाग के लिए शामिल किया जाता हैं। जिसे वह पूर्ण रूप से ए से प्राप्त करता हैं।

(b) सी को 1/5 भाग के लिए शामिल किया जाता हैं। जिसे वह पूर्ण रूप से बी से प्राप्त करता हैं।
(c) सी को 1/5 भाग के लिए शामिल किया जाता हैं।
(d) सी को 1/5 भाग के लिए शामिल किया जाता हैं। जिसे वह ए व बी से समान रूप से प्राप्त करता हैं।
(e) ए, बी व सी का नया अनुपात 1 : 1 : 3 निर्धारित होता हैं।
(f) सी 3/20 भाग ए से व 1/20 भाग बी से प्राप्त करता हैं।

Following Entry is common in all case:

Cash A/c	Dr.	20000	
To Goodwill A/c			20000

(Being amount of goodwill brought in cash)

(a) सी अपना हिस्सा 1/5 पूर्ण रूप से ए से प्राप्त करता हैं।

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To A'S Capital A/c			20000

(Being amount of goodwill transferred to A's Capital A/c)

(b) सी अपना हिस्सा 1/5 पूर्ण रूप से बी से प्राप्त करता हैं।

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To B'S Capital			20000

(Being amount of goodwill transferred to B's Capital A/c)

(c) सी को 1/5 भाग के लिए शामिल किया जाता हैं। (इस दशा में OPSR व SR समान होता हैं।) अतः त्याग का अनुपात 3 : 2

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To A's Capital			12000
To B's Capital		8000	

(Being amount of goodwill distributed between A and B in their sacrificing ratio)

(d) सी अपना हिस्सा 1/5 ए व बी से बराबर–बराबर प्राप्त करता हैं। इस दशा में त्याग अनुपात 1 : 1 होगा

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To A's Capital			10000
To B's Capital			10000

(Being amount of goodwill distributed between A and B in their sacrificing ratio)

(e) इस दशा में ए और बी का त्याग 2 : 1 है

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To A's Capital			13333
To B's Capital			6667

(Being amount of goodwill distributed between A and B in their sacrificing ratio)

(f) सी 3/20 भाग ए से व 1/20 भाग बी से प्राप्त करता हैं। इस दशा में त्याग अनुपात 3 : 1 है

Goodwill A/c	Dr.	20000	
To A's Capital A/c			15000
To B's Capital A/c			5000

(Being amount of goodwill distributed between A and B in their sacrificing ratio)

(5) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो 4 : 3 में लाभ विभाजन करते हैं। सी को नया साझेदार बनाते हैं। नया अनुपात 3 : 2 : 2 हैं। सी अपने हिस्से की ख्याति नकद लाने में असमर्थ हैं। सी के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 28,000 पर किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$A = \frac{4}{7} - \frac{3}{7} = \frac{1}{7}$; $B = \frac{3}{7} - \frac{2}{7} = \frac{1}{7}$;ए बी का त्याग अनुपात 1:1 ; सी का ख्याति में हिस्सा $28000 \times \frac{2}{7} = ₹8000$

C's Current Account	Dr.	8000	
To A's Capital A/c			4000
To B's Capital A/c			4000

(Being C's share of goodwill adjusted)

(6) ए व बी एक फर्म में 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। सी को फर्म में प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 2 : 1 : 1 हैं। सी के प्रवेश की तिथि को ख्याति का मूल्यांकन ₹ 30,000 पर किया गया। सी अपना हिस्सा नकद लाने में असमर्थ हैं। सी के प्रवेश की तिथि को पुस्तकों में ख्याति खाता ₹15,000 पर दिखाया गया हैं। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात − नया लाभ विभाजन अनुपात

$A = \frac{2}{3} - \frac{2}{4} = \frac{2}{12}$; $B = \frac{1}{3} - \frac{1}{4} = \frac{1}{12}$ए, बी का त्याग अनुपात 2 : 1

A's Capital	Dr.	10000	
B's Capital	Dr.	5000	
To Goodwill A/c			15000
(Being goodwill account written off)			

सी का ख्याति में हिस्सा 30000 x 1 /4 = ₹ 7500

C's Current Account	Dr.	7500	
To A's Capital A/c			5000
To B's Capital A/c			2500
(Being goodwill adjusted between A & B)			

नोटः— जबकि नया साझेदार ख्याति की रकम नकद लाने में असमर्थ हैं तो उस दशा में नये साझेदार के पूँजी खाते के स्थान पर उसके चालू खाते को डेबिट किया गया हैं ताकि उसकी पूँजी कम न हो।

(7) ए व बी एक फर्म में साझेदार है जो 2 : 1 में लाभ विभाजन करते हैं। सी को लाभ में 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। सी अपने हिस्से की ख्याति के ₹ 4,200 में से ₹ 3000 नकद लाता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 हैं। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

1.

Cash A/c	Dr.	3000	
To Goodwill			3000
(Amount of goodwill brought in by C)			

2.

Goodwill	Dr.	3000	
C's Current A/c	Dr.	1200	
To A's Capital A/c			3500
To B's Capital A/c			700
(Being goodwill distributed between A & B)			

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात − नया लाभ विभाजन अनुपात

$A = \frac{2}{3} - \frac{5}{10} = \frac{5}{30}$;$B = \frac{1}{3} - \frac{3}{10} = \frac{1}{30}$; ए बी का त्याग अनुपात 5 : 1

(8) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। सी को लाभ में 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। सी अपने हिस्से की ख्याति के ₹1800 में से ₹1000 नकद लाता हैं। पुस्तकों में ख्याति खाता ₹ 6,000 से विद्यमान हैं। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

1.

Cash A/c	Dr.	1000	
To Goodwill			1000
(Being goodwill brought in cash)			

2.

Goodwill	Dr.	1000	
C's Current A/c	Dr.	800	
To A's Capital A/c			900
To B's Capital A/c			900
(Being goodwill distributed between A & B)			

3.

A's Capital A/c	Dr.	3000	
B's Capital A/c	Dr.	3000	
To Goodwill			6000
(Being goodwill account written off)			

(9) ए व बी 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। सी लाभ में 3/13 हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 5 : 3 हैं। सी ने अपनी पूँजी व ख्याति के लिए निम्न सम्पत्तियों का योगदान दिया।स्टॉक ₹ 20,000, फर्नीचर ₹ 30,000, मशीनरी ₹ 80,000, सी के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्याकंन ₹2,60,000 पर किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात − नया लाभ विभाजन अनुपात

$A = \frac{3}{5} - \frac{5}{13} = \frac{14}{65}$;$B = \frac{2}{5} - \frac{5}{13} = \frac{1}{65} = 14 : 1$

सी का ख्याति में हिस्सा 2,60,000 x 3 /13 = ₹ 60,000

Stock	Dr.	20,000	
Furniture	Dr.	30,000	
Machine	Dr.	80,000	
To C's Capital A/c			70,000
To Goodwill A/c			60,000

(Being sundry Assets Contributed by new partner, as his capital & his share of Goodwill)

Goodwill A/c	Dr.	60,000	
To A's Capital A/c			56,000
To B's Capital A/c			4,000

(Being goodwill transferred to sacrificing partner's capital A/c)

(10) ए : बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो 7 : 5 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। सी को लाभ में 1/6 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 13 : 7 : 4 हैं। सी अपनी पूँजी व ख्याति के हिस्से के लिए निम्न सम्पत्तियों का योगदान करता हैं।

Stock ₹ 60,000, Land & Building ₹ 2,80,000, Plant ₹ 1,20,000

सी के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹7,50,000 पर किया गया। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$$A = \frac{7}{12} - \frac{13}{24} = \frac{01}{24} \quad ; \; B = \frac{5}{12} - \frac{7}{24} = \frac{03}{24} = 1 : 3$$

सी का ख्याति में हिस्सा 7,50,000 x 1 /6 = ₹ 1,25,000

Stock	Dr.	60,000	
Land & Building	Dr.	2,80,000	
Plant A/c	Dr.	1,20,000	
To C's Capital A/c			3,35,000
To Goodwill A/c			1,25,000

(Being sundry assets contributed by new partner, as his capital & his share of Goodwill)

Goodwill A/c	Dr.	1,25,000	
To A's Capital A/c			31,250
To B's Capital A/c			93,750

(Being Goodwill transferred to sacrificing partner's capital A/c)

(11) ए व बी साझेदार हैं। जिनकी पूँजी क्रमशः ₹ 40,000 व ₹ 30,000 हैं। वे सी को लाभ में 1/5 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। जो पूँजी के लिए ₹ 20,000 लाता हैं। ख्याति की गणना कीजिए व ख्याति सम्बन्धी प्रविष्टियां कीजिए।

फर्म की ख्याति= सी की पूँजी के आधार पर नई फर्म की कुल पूँजी–(पुराने साझेदारों की समायोजित पूँजी+नये साझेदार की पूँजी)

$\left[20000 \text{ x } \frac{5}{1} - (70000 + 20000)\right] = ₹\ 10000$

सी का ख्याति में हिस्सा 10000 x 1 /5 = ₹ 2000

C's Current A/c	Dr.	2000	
To A's Capital A/c			1000
To B's Capital A/c			1000

(Being C's share of goodwill adjusted to sacrificing partner's capital)

(12) ए : बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। भविष्य में बराबर बराबर लाभ बांटने का निश्चय करते हैं। फर्म की ख्याति का मूल्याकंन ₹ 60,000 पर किया गया। ख्याति के व्यवहार की जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

त्याग का अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$$A = \frac{3}{5} - \frac{1}{2} = \frac{1}{10} \text{ (SR)}; B = \frac{2}{5} - \frac{1}{2} = \left(\frac{1}{10}\right)\text{(GR)} = 1 : 1$$

B's Capital A/c	Dr.	6000	
To A's Capital A/c			6000

(Being the goodwill adjusted on change in profit sharing ratio)

नये साझेदार द्वारा पूंजी लाना–

(a) नकद में लाना

Cash / Bank A/c Dr.
To New Partner's Capital A/c
(Being cash brought in by a new partner's capital)

(b) जब नया साझेदार अपना स्वयं का व्यापार लेकर फर्म में प्रवेश करता हैं।

Sundry Assets A/c Dr.
To Sundry Liabilities A/c
To New Partner's Capital A/c
(Being Assets & Liabilities brought in by new partner)

यदि पूंजी की राशि पूर्व निर्धारित हो तथा स्वयं का व्यापार मिलाकर प्रवेश करता है तो जितनी राशि पूंजी में कम पड़ती है, नकद लाई जाती हैं।

Sundry Assets A/c Dr.
Cash/Bank A/c Dr.
To Sundry Liabilities A/c
To New Partner's Capital A/c
(Being Assets & Liabilities brought in by new partner for his share of capital)

सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनः निर्धारण
(Revaluation of Assets and Reassessment of Liabilities)

नयेसाझेदार के प्रवेश के समय जब सम्पत्तियों व दायित्वों को नये मूल्य पर दिखलाने के लिए उनका पुनर्मूल्यांकन किया जाता हैं। क्योंकि सम्पत्तियों के मूल्यों में वृद्धि होने व दायित्त्वों के मूल्यों में कमी होने पर लाभ होता हैं। और सम्पत्तियों के मूल्य में कमी होने व दायित्वों के मूल्य में वृद्धि होने पर हानि होती हैं। लाभ होने पर पुराने साझेदार नये को नहीं देना चाहेंगे। ठीक उसी प्रकार हानि होने पर नया साझेदार वहन नहीं करना चाहेगा। इसलिए पुनर्मूल्यांकन के लाभ हानि को पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांट दिया जाता हैं। इस स्थिति में एक विशेष खाता खोला जाता हैं। जिसे पुनर्मूल्यांकन खाता (Revaluation Account) या लाभ हानि समायोजन खाता (P&L Adjustment A/c) कहते हैं। इस खाते की प्रकृति अवास्तविक खाते की होती हैं।

पुर्नमूल्यांकन खाते के लिए जर्नल प्रविष्टियां

(1) सम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि होने पर	**Assets A/c Dr.** **To Revaluation A/c** **(Being increase value of assets)**	वृद्धि की राशि से
(2) सम्पत्तियों के मूल्य में कमी होने पर	**Revaluation A/c Dr.** **To Assets A/c** **(Being decrease value of assets)**	कमी की राशि से
(3) सम्पत्तियां जिन्हे चिट्ठे में प्रदर्शित नहीं किया गया है **(Unrecorded Assets)**	**Unrecorded Assets Dr.** **To Revaluation A/c** **(Being unrecorded assets taken into account)**	सम्पत्तियों के मूल्य से
(4) दायित्वों के मूल्य में वृद्धि होने पर व आयोजन बढ़ने पर	**Revaluation A/c Dr.** **To Liabilities/Provision A/c** **(Being increase in value of liabilities/provision)**	वृद्धि की राशि से
(5) दायित्वों के मूल्यों में कमी व आयोजन के मूल्य में कमी होने पर	**Liabilities/Provision A/c Dr.** **To Revaluation A/c** **(Being decrease in value of liabilities/provision)**	कमी की राशि से
(6) दायित्व जिन्हे चिट्ठे में प्रदर्शित नहीं किया गया है **(Unrecorded Liabilities)**	**Revaluation A/c Dr.** **To Unrecorded Liabilities** **(Being unrecorded liabilities taken into account)**	दायित्व की राशि से
(7) पुनर्मूल्यांकन खाते का क्रेडिट शेष (लाभ) होने पर	**Revaluation A/c Dr.** **To Old Partner's Capital** **(Being profit on revaluation credited to Old Partner's Capital A/c in their OPSR)**	लाभ की राशि से पुराने लाभ विभाजन अनुपात में

(8) पुनर्मूल्यांकन खाते का डेबिट शेष (हानि) होने पर	**Old Partner's Capital A/c Dr.** **To Revaluation A/c** **(Being loss on revaluation debited to Old Partner's Capital A/c in their OPSR)**	हानि की राशि से पुराने लाभ विभाजन अनुपात में

पुनर्मूल्यांकन खाते का प्रारूप **(Format of Revaluation Account)**

Dr. Revaluation / P & L Adjustment Account Cr.

Particulars	Amount₹	Particulars	Amount₹
To Decrease in value of Assets		By Increase in value of Assets	
To Increase in the value of Liabilities/provision		By Decrease in the value of Liabilities/provision	
To Unrecorded Liabilities		By Unrecorded Assets	
To Profit on Revaluation		By Loss on Revaluation	
Transfer to old Partner's Capital A/c (In OPSR)		Transfer to old Partner's Capital A/c (In OPSR)	

Note:1. Assets Undervalued by --%सम्पत्तियां.....प्रतिशत से कम मूल्यांकित= $\frac{\text{Value as given x rate}}{100 - \text{Rate}}$

2. Assets Overvalued by --%सम्पत्तियां...प्रतिशत से अधिक मूल्यांकित= $\frac{\text{Value of assets as given x rate}}{100 + \text{Rate}}$

3. यदि प्रश्न में "से बढ़ाइये" (Increased by) दिया गया हो तो उतनी ही राशि से बढ़ायेंगे।

4. यदि प्रश्न में "तक " (To) दिया गया है, तो अंतर की राशि से लेखा करते हैं।

5. जैसे प्लांट के मूल्य में 5 प्रतिशत कमी करनी है, (Reduced by) तो चिट्ठे के मूल्य का 5 प्रतिशत ज्ञात कर पुनर्मूल्यांकन खाते में दिखायेंगे।

6. यदि ये लिखा हो कि प्लांट को ₹ 5000 तक रखना है तो चिट्ठे के मूल्य में से ₹5000 घटाकर शेष पुनर्मूल्यांकन खाते में ले जायेंगे।

अवितरित लाभ संचय व अवतरित हानियां व कृत्रिम सम्पत्तियां

(Undistributed Profits Reserves and Undistributed Loss and Fictitious Assets)

इनका बंटवारा पुराने साझेदारों में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में किया जाता हैं। अवितरित लाभ संचय कोषों को बांटने के लिए

P&L A/c (Credit Balance) Dr.
Reserve Fund / General Reserve A/c Dr.
Workman Compensation Reserve A/c Dr. (Excess of reserve over actual liability)
Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. (Excess of reserve over the difference between book value & market value)
To Old Partner's Capital A/c (In OPSR)

अवितरित हानियां एवं कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित करने पर

Old Partner's Capital A/c Dr. (in OPSR)
To P & L (Dr. Balance)
To Deferred Revenue Expenditure A/c

नोट : 1. Employees Provident Fund (E.P.F.) कर्मचारी भविष्य निधि फर्म का दायित्व होता है अतः उसका साझेदारों में बंटवारा नहीं होता है। 2. Deferred Revenue Expenditure जैसे– विज्ञापन व्यय

(1) नये साझेदार की पूँजी के आधार पर पुराने साझेदारों की पूँजी समायोजित करना

Step (i) नये साझेदार की पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी ज्ञात की जाएगी।
Step (ii) फर्म की कुल पूँजी का बंटवारा नये लाभ विभाजन में करना होगा।
Step (iii)पुराने साझदारों की समायोजित पूँजी की तुलना ज्ञात नयी पूँजी से की जाएगी। व अंतर की राशि का समायोजन नकद खाते (Cash A/c) या साझदारों के चालू खातों (Partner's Current A/c) के माध्यम से होगा।
नोटः सूचना के अभाव में समायोजन नकद खाते के माध्यम से होगा।

विविध उदाहरण :

(i) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। जो लाभ 3 : 1 के अनुपात में बांटते हैं। सी को लाभ में 1/4 हिस्सा देकर प्रवेश देते हैं। सी पूँजी के लिए ₹ 40,000 लाता हैं। ए व बी की समायोजित पूँजी क्रमशः ₹1,00,000 व ₹25,000 हैं। यह निश्चित हुआ कि पुराने साझेदारों की पूँजी सी की पूँजी के आधार पर समायोजित की जाएगी।

हलः– सी की पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी 40000 $x\frac{4}{1}$ = ₹ 1,60,000

ए का नया अनुपात $\frac{3}{4}X\frac{3}{4}=\frac{9}{16}$; बी का नया अनुपात $\frac{3}{4}X\frac{1}{4}=\frac{3}{16}$;

ए, बी व सी का नया अनुपात $\frac{9}{16}:\frac{3}{16}:\frac{1}{4}$= 9 : 3 : 4

तीनों साझेदारों की पूँजी = 160000 x 9/16 = ₹ 90,000 ; B = 160000 x 3/16 = ₹ 30,000;
C = 160000 x 4/16= ₹ 40,000 ; ए आधिक्य पूँजी ले जायेगा = 100000 - 90000 = ₹ 10000; बी कमी की राशि लायेगा = 25000 - 30000 = ₹ 5000

A's Capital A/c	Dr.	10000
To Cash		10000
(Being cash withdrawn by A)		
Cash A/c	Dr.	5000
To B's Capital		5000
(Being cash brought in by B)		

(2) पुराने साझेदारों की पूँजी के आधार पर नये साझेदार की पूँजी ज्ञात करना–
Step (i) पुराने साझेदारों की समायोजित पूँजी ज्ञात करेंगे।
Step (ii) समायोजित पूँजी के आधार पर फर्म की कुल पूँजी ज्ञात करेंगे।
Step (iii) फर्म की कुल पूँजी के आधार पर नये साझेदार की पूँजी ज्ञात करेंगे।

(I) ए व बी एक फर्म में साझेदार हैं। सी को लाभ में 1/6 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। ए व बी की समायोजित पूँजी क्रमशः ₹ 40000 व ₹ 20000 हैं। सी फर्म की कुल पूंजी का 1/6 हिस्सा पूँजी के रूप में लायेगा।

ए व बी की कुल समायोजित पूँजी 40000 + 20000= ₹ 60000

सी का लाभों का हिस्सा $\frac{1}{6}$; ए व बी का हिस्सा $1-\frac{1}{6}=\frac{5}{6}$

फर्म की कुल पूँजी 60000 $X\frac{6}{5}$ = ₹72000 ; सी का पूँजी में आनुपातिक हिस्सा 72000 $X\frac{1}{6}$ = ₹12000

(II) सी, ए व बी की संयुक्त पूँजी का 1/6 अंशदान करेगा। तो सी की पूँजी होगी 60000 $X\frac{1}{6}$ = ₹10000

(iii) नयी फर्म की पूँजी दी गयी हो।

Step I-पूँजी का बंटवारा नये अनुपात में होगा।
II- नया साझेदार अपने हिस्से की पूँजी लायेगा।
III-पुराने साझेदार अपनी नयी पूँजी व समायोजित पूँजी का अंतर नकद लायेंगे या ले जायेंगे। या चालू खातों के माध्यम से समायोजन होगा।

उदाहरण 1. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 1 के में लाभ विभाजन करते हैं। उनका चिट्ठा इस प्रकार हैः (A and B are partners sharing profits in ratio 3:1 Their Balance Sheet is as follows :)

Balance Sheet as on 31st March, 2017

Liabilities	Amount₹	Assets	Amount₹
Creditors	30,000	Cash at Bank	22,000
Bills Payable	6,000	Debtors	40,000

O/S Expenses		2,000	Stock	15,000
Employee's Provident Fund		6,000	Investment	12,000
General Reserve		12,000	Land & Building	50,000
Capitals			Plant & Machinery	30,000
A	80000		Furniture	16,000
B	70000	1,50,000	Trademark	5,000
			Patent	6,000
			Goodwill	10,000
		2,06,000		**2,06,000**

वे C को 1–4–2017 को प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात बराबर–बराबर होगा।

(i) C ₹ 50,000 पूँजी व ₹10,000 ख्याति के लिए लेकर आता है **(ii)** लेनदारो में शामिल ₹4,000 का भुगतान नहीं करना पडेगा। **(iii)** विनियोगों का मूल्यांकन ₹ 15,000 पर किया गया। **(iv)** संदिग्ध ऋणों के लिए 5 प्रतिशत आयोजन व देनदारों पर बट्टे के लिए आयोजन 2 प्रतिशत बनाये। **(v)** भूमि व भवन ₹5,000 से कम मूल्यांकित हैं। **(vi)** प्लांट मशीन ₹10,000 से अधिमूल्यांकित है **(vii)** फर्नीचर 10 प्रतिशत से ह्रासित किया जाये। **(viii)** ट्रेडमार्क का मूल्यांकन ₹ 3,000 पर किया गया। **(ix)** एकस्व का मूल्य ₹ 2,000 तक कम करना हैं। **(x)** बकाया वेतन ₹ 2,000 **(xi)** पूर्वदत बीमा ₹ 2,000 **(xii)** एक ग्राहक का दावा ₹ 2,000 स्वीकार किया **(xiii)** अज्ञात दायित्वों के लिए प्रावधान ₹ 5,000 **(xiv)** स्टोक मूल्यांकन ₹ 13,000 पर किया गया। **(xv)** सम्पति जो पुस्तकों में नहीं लिखी गयी ₹ 10,000 **(xvi)** एक देनदार जिसमें ₹ 500 बकाया थे, डूबत ऋण के रूप में अपलिखित कर दिये गये, उसनें पूर्ण भुगतान में ₹ 400 दिये। पुनर्मूल्यांकन खाता बनाइये।

They decided to admit C on April 1st 2017. New Profit Sharing Ratio will be equal :

(i) C Shall bring ₹10,000 share of premium (Goodwill) and ₹ 50,000 as his capital. **(ii)** A Liability of ₹ 4,000 included in creditors was not likely to arise **(iii)** investments valued at ₹15,000 **(iv)** Create P.B.D. 5% & Provision For Discount on Debtors 2%. **(v)** Land & Building undervalued by ₹5,000 **(vi)** Plant & Machinery overvalued by ₹10,000 **(vii)** Furniture is depreciated by 10% **(viii)** Trademark valued at ₹ 3000. **(ix)** Patent reduced to ₹2,000. **(x)** O/s salary ₹2,000 **(xi)** Prepaid Insurance ₹ 2,000. **(xii)** Claim for damages ₹2,000 is accepted **(xiii)** There is also a unforeseen liability for ₹ 5,000. **(xiv)** Stock is valued at ₹13,000 **(xv)** Unrecorded Assets ₹10,000 **(xvi)** A debtor whose dues of ₹500 was written off as bad debts, paid ₹400 in full settlement. Prepare Revaluation Account.

हल:

Dr. Revaluation Account Cr.

Particulars	Amount(₹)	Particulars	Amount (₹)
To P.B.D. A/c	2000	By Creditors A/c	4000
To P.D.D. A/c	760	By Investments A/c	3000
To Plant & Machine A/c	10000	By Land & Building A/c	5000
To Furniture A/c	1600	By Prepaid Insurance	2000
To Trade Mark A/c	2000	By Unrecorded Assets	10000
To Patent A/c	4000	By Bad-debts recovered	400
To Outstanding Salary	2000	By Loss transfered to	
To Claim For damages	2000	A's Capital A/c 5220	
To Unforseen liability	5000	B's Capital A/c 1740	6960
To Stock A/c	2000		
	31360		**31360**

स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता (Memorandum Revaluation Account)

कभी कभी साझेदारों में मध्य यह समझौता हो जाता है कि नये साझेदार के प्रवेश के समय सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनर्निधारण तो किया जायेगा लेकिन इसके प्रभाव को सम्पत्तियों एवं दायित्वों के खातों में दर्ज नही किया जायेगा। ऐसी स्थिति में पुनर्मूल्यांकन खाते के माध्यम से फर्म की सम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्यों में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा, परन्तु पुनर्मूल्यांकन के कारण लाभ या हानि की राशि का समायोजन साझेदारों के पूँजी खातो में स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन

खाता बनाकर निम्न प्रकार से किया जायेगा। स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता दो भागों में बनाया जायेगा। प्रथम में सम्पत्तियों एवम् दायित्वों पर हानि होने की दशा में डेबिट किया जाता है तथा लाभों की दशा में इसे क्रेडिट किया जाता हैं। इस खाते का शेष कुल लाभ अथवा हानि को प्रदर्शित करता हैं। द्वितीय भाग में प्रथम भाग की लाभ हानि को पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बाँट दिया जाता है व इसके पश्चात् इसी राशि से सभी साझेदारों के पूँजी खातों में नए लाभ विभाजन अनुपात में विपरीत प्रविष्टि कर दी जाती हैं।

पुनर्मूल्यांकन पर लाभ की स्थिति में

1. Memorandum Revaluation A/c Dr.
   To Old Partner's Capital A/c
   (Profit on revaluation transferred to old partner's capital A/c)
2. All Partner's Capital A/c Dr.
   To Memorandum Revaluation A/c
   (Memorandum Revaluation Account closed by transferring to capital A/c's in NPSR)

इस सम्बन्ध में उपरोक्त दो प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नांकित एक प्रविष्टि भी की जा सकती है –

3. All Partner's Capital A/c Dr.
   To Old Partners Capital A/c
   (Adjustment of revaluation made)

नोट – पुनर्मूल्यांकन पर हानि की स्थिति में उपरोक्त की विपरीत प्रविष्टि की जायेगी।

उदाहरण 2 : A व B एक फर्म में उनके पूँजी अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। 31 मार्च 2017 को उनका चिट्ठा इस प्रकार है: (A and B are partners in a firm sharing profits in their capital ratio. Their Balance Sheet is as on 31st March,2017 is as under:)

Balance Sheet as on 31st March,2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capital:		Building	25,000
A 30,000		Stock	12,500
B 20,000	50,000	Debtors	7,000
Creditors	7,000	Profit & Loss A/c	2,500
		Cash Balance	10,000
	57,000		**57,000**

1 अप्रैल, 2017 को उन्होंने C को 1/5 हिस्से के लिए निम्न शर्तो पर प्रवेश देने का निर्णय लिया :

(i) C अपना हिस्सा A व B से बराबर प्राप्त करेगा। वह पूँजी के लिए ₹ 20,000 नकद लाता हैं। **(ii)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 15,000 पर किया गया C अपना ख्याति का हिस्सा नकद लेकर आता हैं। **(iii)** देनदारों पर 10 प्रतिशत डूबत ऋण के लिए आयोजन बनाये। **(iv)** रहतिये का मूल्यांकन ₹ 12,000 पर किया गया तथा भवन का मूल्य ₹ 3,200 से बढ़ाया जाये। **(v)** सम्पतियों व दायित्वों के पुस्तक मूल्य में परिवर्तन नहीं करना हैं। (लाभ–हानि खाते को छोड़कर) स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा चिट्ठा बनाइये।

On 1st April,2017 they decide to admit C for 1/5th share on the following terms : **(i)** C will get his share equally from A and B. He brings cash ₹ 20,000 for capital. **(ii)** Firm's goodwill is valued at ₹ 15,000 and C brings his share in cash. **(iii)** Make a provision for Bad debts @ 10% on debtors. **(iv)** Stock is to be valued ₹ 12,000 and the value of building is to be increased by ₹ 3,200 **(v)** Book values of Assets and Liabilities are not to be changed (Excluding Profit and Loss Account)

Prepare Memorandum Revaluation Account, Partner's Capital Account & Balance Sheet.

Dr. Memorandum Revaluation A/c Cr.

Particulars	Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To P.B.D.		By Building A/c	3,200
To Stock A/c	700		
To Profit	500		
	2,000		3,200
To A's Capital A/c	3,200	By A's Capital A/c	1000
To B's Capital A/c	1,200	By B's Capital A/c	600

	800	By C's Capital A/c	400
	2,000		**2,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To Memorandum Revaluation A/c	1000	600	400	By Balance b/d	30,000	20,000	--
	1,500	1,000	--	By Memorandum Revaluation	1,200	800	--
To P & L	30,200	20,700	19,600	By Cash A/c	--	--	20,000
To Balance c/d				By Goodwill A/c	1,500	1,500	--
	32,700	**22,300**	**20,000**		**32,700**	**22,300**	**20,000**

Balance Sheet as on 01st April, 2017

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount (₹)
Capital A/c		Building	25,000
A 30,200		Stock	12,500
B 20700		Debtors	7,000
C 19,600	70,500	Cash Balance	33,000
Creditors	7,000		
	77,500		**77,500**

Working Notes (कार्यशील टिप्पणियां)

(1) Cash Balance 10,000 + 20,000 + 3,000 = ₹33,000

(2) स अपना हिस्सा अ व ब से बराबर – बराबर प्राप्त करेगा

A का त्याग $= \frac{1}{5} X \frac{1}{2} = \frac{1}{10}$; B का त्याग $= \frac{1}{5} X \frac{1}{2} = \frac{1}{10}$

नया लाभ विभाजन अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – त्याग अनुपात

अ $= \frac{3}{5} - \frac{1}{10} = \frac{5}{10}$; ब $= \frac{2}{5} - \frac{1}{10} = \frac{3}{10}$; नया लाभ विभाजन अनुपात होगा $\frac{5}{10} : \frac{3}{10} : \frac{1}{5} = 5 : 3 : 2$

कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय Worksmen Compensation Reserve (WCR)

इसका निर्माण कर्मचारियों की संभावित क्षतिपूर्ति (जैसे दुर्घटना दावा) के लिए फर्म के लाभों में से किया जाता हैं। इसके लेखांकन व्यवहार की विभिन्न परिस्थितियां निम्न हो सकती हैं।

उदाहरण : A व B एक फर्म में साझेदार है जो 5 : 4 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। वे 1–4–17 को C को लाभों में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं।

Balance sheet As on 31st March, 2017

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Workmen Compensation Reserve	9,000		

निम्नांकित पांच स्थितियों में कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के सम्बन्ध में प्रवेश पर लेखांकन व्यवहार इस प्रकार होंगे –

(i) यदि अन्य कोई सूचना नहीं है

Workmen Compensation Reserve A/c	Dr.	9,000	
To A's Capital A/c			5,000
To B's Capital A/c			4,000

(Being W.C.R. transfer to old Partner's Capital A/c in their old profit sharing ratio)

यदि कर्मचारी क्षतिपूर्ति का दावा ₹ 2,700 हैं।

Workmen Compensation Reserve A/c	Dr.	9,000	
To Liability for worksmen compensation			2,700
To A's Capital A/c			3,500
To B's Capital A/c			2,800

(Being transfer the surplus of WCR to Old Partner's Capital A/c in their old profit sharing ratio)

(ii) यदि कर्मचारी क्षतिपूर्ति का दावा ₹13,500 है।

(a) Workmen Compensation Reserve A/c Dr. 9,000
Revaluation A/c Dr. 4,500
To Liability for worksmen compensation 13,500
(Being liability created & short fall charged to revaluation)

(b) A's Capital A/c Dr. 2,500
B's Capital A/c Dr. 2,000
To Revaluation A/c 4,500
(Being loss on revaluation transfer to Old Partner's Capital A/c)

(iii) यदि कर्मचारी क्षतिपूर्ति का दावा ₹9,000 हो।
Workmen Compensation Reserve A/c Dr. 9,000
To Liability for worksmen compensation A/c 9,000
(Being liability created for workmen compensation)

(iv) यदि चिट्ठे में कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय का शेष न हो। लेकिन अतिरिक्त सूचना में ₹ 3,600 का दावा किया गया हो।

(a) Revaluation A/c Dr. 3,600
To Liability for workmen compensation A/c 3,600
(Being liability created)

(b) A's Capital A/c Dr. 2,000
B's Capital A/c Dr. 1,600
To Revaluation A/c 3600
(Being loss on revaluation transfer to Old Partner's Capital A/c)

निवेश (विनियोग) उतार चढ़ाव संचय Investment Fluctuation Reserve (IFR) :

इस संचय का निर्माण निवेश के बाजार मूल्य की हुई कमी की पूर्ति के समायोजन के लिए किया जाता हैं। इससे संबंधित लेखांकन व्यवहार की विभिन्न परिस्थितियां निम्नानुसार है–

उदाहरण : A व B 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। वे C को 1–4–17 को लाभों में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं।

Balance Sheet As on 31 March, 2017

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Investment Fluctuation Reserve	5,000	Investment	25,000

पांच परिस्थितियों में विनियोग उतार चढ़ाव संचय के सम्बन्ध में प्रवेश पर किये जाने वाली प्रविष्टि/प्रविष्टियां निम्न प्रकार होगी–

(i) यदि अन्य कोई सूचना नहीं है
Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. 5,000
To A's Capital A/c 3,000
To B's Capital A/c 2,000
(Being IFR transfer to old Partner's Capital A/c in their old Ratio)

(ii) यदि विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 25,000 हैं।
(Same solution as given in Case (i))

(iii) यदि विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 22,000 हैं।
Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. 5,000
To Investment A/c 3,000
To A's Capital A/c 1,200
To B's Capital A/c 800
(Being excess IFR transfer the surplus of WCR to Old Partner's Capital A/c)

(iv) यदि विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 30,000 हैं।

(a) Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. 5,000

	To A's Capital A/c			3,000
	To B's Capital A/c			2,000
	(Being IFR transfer to old Partner's Capital A/c in their old Ratio)			
(b)	Investment A/c	Dr.	5,000	
	To Revaluation A/c			5,000
	(Being value of Investment brought upto market value)			
(c)	Revaluation A/c	Dr.	5,000	
	To A's Capital A/c			3,000
	To B's Capital A/c			2,000
	(Being Profit on Revaluation transferred to Old Partner's Capital A/c)			

(v) यदि विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 18,000 हैं।

(a)	Investment Fluctuation Reserve A/c	Dr.	5,000	
	Revaluation A/c	Dr.	2,000	
	To Investment A/c			7,000
	(Being IFR transfer to old Partner's Capital A/c in their old Ratio)			
(b)	A's Capital A/c	Dr.	1,200	
	B's Capital A/c	Dr.	800	
	To Revaluation A/c			2000
	(Being loss on revaluation transfer to Old Partner's Capital A/c)			

उदाहरण 3. रमेश और सुरेश साझेदार है जो कि लाभों को क्रमशः 5 : 3 के अनुपात में बांटते हैं। उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार है (Ramesh and Suresh are partners sharing profits in ratio of 5 : 3 respectively. Their Balance Sheet is as follows :)

Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors	28,000	Cash		8,000
General Reserve	4,000	Debtors	40,000	
Munesh's Loan	30,000	Less Provision	1,600	38,400
Capital:		Stock		56,000
Ramesh	50,000	Investments		8,000
Suresh	40,000	P & L A/c		16,000
		Plant		25,600
	1,52,000			**1,52,000**

मुनेश निम्न शर्तो पर साझेदारी में प्रवेश करता है :

(i) नया लाभ विभाजन अनुपात क्रमशः 3 : 3 : 2 होगा। **(ii)** मुनेश के ऋण को उसकी पूँजी माना जायेगा **(iii)** फर्म की ख्याति की मूल्यांकन ₹ 24,000 किया गया। मुनेश अपना हिस्सा नकद लाता हैं। **(iv)** रमेश और सुरेश ने विनियोग अपने लाभ विभाजन अनुपात में ले लिये। **(v)** रहतिये का मूल्य ₹ 50,000 तक कम कर दिया जाए। **(vi)** संदिग्ध ऋणों का प्रावधान देनदारों पर 5 प्रतिशत की दर से कर दिया जाए। **(vii)** सुरेश ₹ 10,000 नकद लायेगा। **(viii)** अर्जित आय ₹ 800 **(ix)** ख्याति व्यवसाय में रखी जाएगी। उपरोक्त के लिए जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Munesh is admitted into partnership on the following terms : **(i)** The new profit sharing ratio will be 3:3:2 respectively. **(ii)** Munesh's loan should be treated as his capital. **(iii)** Goodwill of the firm is valued at ₹ 24,000 and he brings his share in cash. **(iv)** Investments were to be taken over by Ramesh and Suresh in their profit sharing ratio. **(v)** Stock be reduced upto ₹ 50,000 **(vi)** Provision for Doubtful debts should be @ 5% on debtors. **(vii)** Suresh is to bring ₹ 10,000 **(viii)** Accrued Income ₹ 800 **(ix)** Goodwill retained in the business. Give Journal entries to record the above.

हल : **Dr.** **Journal** **Cr.**

Date	Particulars		L.F.	Amount Dr. (₹)	Amount Cr.(₹)
1-4-17	Munesh's Loan A/c	Dr.		30,000	
	To Munesh's Capital A/c				30,000
	(Being Munesh's Loan A/c is transferred				

	to his capital A/c)			
	Cash A/c Dr. To Goodwill A/c (Being cash brought in for goodwill)		6,000	6,000
	Goodwill A/c Dr. To Ramesh's Capital A/c (Being goodwill credited to Ramesh A/c)		6,000	6,000
	General Reserve A/c Dr. To Ramesh's Capital A/c To Suresh's Capital A/c (Being General Reserve distributed between old partner's in their OPSR)		4,000	2,500 1,500
	Ramesh's Capital A/c Dr. Suresh's Capital A/c Dr. To P & L A/c (Being P & L A/c transferred to Old partner's capital A/c)		10,000 6,000	16,000
	Ramesh's Capital A/c Dr. Suresh 's Capital A/c Dr. To Investments (Being investments take over by Partners)		5000 3000	8000
	Revaluation A/c Dr. To Stock A/c To P.B.D. A/c (Being decreasing value of stock & increased in PBD)		6,400	6,000 400
	Accrued Income A/c Dr. To Revaluation A/c (Being Accrued income transfer to Revaluation A/c)		800	800
	Ramesh's Capital A/c Dr. Suresh's Capital A/c Dr. To Revaluation A/c (Being Loss on revaluation transferred to Old partner's Capital A/c)		3,500 2,100	5,600
	Cash A/c Dr. To Suresh's Capital A/c (Being Cash brought in by Suresh)		10,000	10,000

उदाहरण **4.** P तथा Q साझेदार थे जो कि लाभों को 7 : 5 के अनुपात में लाभ विभाजन करते थे। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न था (P and Q were partners in a firm sharing profits in the ratio of 7 : 5. Their Balance Sheet as on 31.3.2017 was as follows :)

Balance Sheet

Liabilities	**Amount ₹**	**Assets**	**Amount ₹**
Bank Overdraft	70,000	Cash	18,000
Creditors	40,000	Debtors	1,00,000
Provision For Bad Debts	2,000	Bills Receivable	38,000
General Reserve	48,000	Stock	44,000
S's Loan	80,000	Building	2,00,000
Capitals :		Land	60,000
P	1,20,000		

Q	1,00,000		
	4,60,000		**4,60,000**

1 अप्रैल, 2017 को उन्होंने S को निम्न शर्तों पर नये साझेदार के रूप में शामिल किया। **(i)** एस को फर्म के लाभों में 1/4 भाग दिया जायेगा। **(ii)** एस के ऋण खाते को उसका पूँजी खाता मान लिया जायेगा। **(iii)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 96,000 किया गया तथा एस अपने हिस्से की ख्याति नकद लायेगा। **(iv)** देनदारों पर 5 प्रतिशत की दर से अप्राप्य ऋण आयोजन बनाया जायेगा। **(v)** स्टॉक 10 प्रतिशत से अधिमूल्यांकित हैं। **(vi)** भूमि के मूल्य को 10 प्रतिशत से बढ़ाया जाये। **(vii)** भवन के मूल्य में 12.5 प्रतिशत से वृद्धि करें। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारो के पूँजी खाते एवं नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए।

On 1-4-2017 they admitted S as a new partner on the following conditions : **(i)** S will get 1/4th share in the profits of the firm. **(ii)** S's Loan will be converted into his capital. **(iii)** The goodwill of the firm was valued at ₹ 96,000 and S brought his share of goodwill (premium) in cash. **(iv)** Provision for bad debts was made equal to 5% on Debtors. **(v)** Stock was overvalued by 10% **(vi)** Land was to be appreciated by 10% **(vii)** Building was to be appreciated by 12.5%. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts of P, Q & S and the Balance Sheet of the new firm as on 1-4-2017.

हल :

Revaluation A/c

Particulars	Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To P.B.D. A/c	3,000	By Land A/c	6,000
To Stock	4,000	By Building A/c	25,000
To profits transfer to Capital A/c:	24,000		
P 14,000			
Q 10,000			
	31,000		**31,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	P (₹)	Q (₹)	S (₹)	Particulars	P (₹)	Q (₹)	S (₹)
To Balance c/d	1,76,000	1,40,000	80,000	By Balance b/d	1,20,000	1,00,000	-
				By S'S Loan A/c	-	-	80,000
				By General Res.	28,000	20,000	-
				By Revaluation	14,000	10,000	-
				By Goodwill	14,000	10,000	-
	1,76,000	**1,40,000**	**80,000**		**1,76,000**	**1,40,000**	**80,000**

Balance Sheet of the new firm
As on 1 April, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount₹
Bank Overdraft	70,000	Cash	42,000
Creditors	40,000	Debtors	1,00,000
Provision For Bad Debts	5,000	Bills Receivables	38,000
Capital A/c		Stock	40,000
P 1,76,000		Building	2,25,000
Q 1,40,000		Land	66,000
S 80,000	3,96,000		
	5,11,000		**5,11,000**

कार्यशील टिप्पणी: (1) रोकड़ शेष 18,000+24,000=42,000 (2) प्रश्न में पुराना लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात समान होगा।

उदाहरण 5. X तथा Y एक फर्म में साझेदार है और लाभ को 3 : 2 के अनुपात में बाँटते हैं। वे Z को साझेदार के रुप में सम्मिलित करते हैं और नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 तय करते हैं। Z के प्रवेश से पहले उनका स्थिति विवरण इस

प्रकार हैः (X and Y are partners in a firm sharing profits in the ratio 3 : 2 They admit Z as a partner and decide the new profit sharing ration as 5 : 3 : 2 Their Balance Sheet is as under before admission of Z:)

Balance Sheet

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		33,000	Bank		4,000
General Reserve		10,000	Debtors	32,000	
Capital Accounts:			Less:Provision For D.D.	(1,000)	31,000
X	60,000		Stock		32,000
Y	40,000	1,00,000	Furniture		20,000
			Plant & Machinery		56,000
		1,43,000			**1,43,000**

मानी गई अन्य शर्ते थी : **(i)** जेड अपनी पूँजी के रुप में ₹ 40,000 लाएगा। **(ii)** जेड ख्याति का अपना हिस्सा नकद लाने में असमर्थ है, अतः यह निर्णय किया कि ख्याति की गणना लाभ में जेड़ के हिस्से और फर्म में उसके द्वारा लाई गई पूँजी के आधार पर की जाए। **(iii)** प्लांट तथा मशीनरी का मूल्यांकन ₹ 60,000 और स्टॉक का ₹ 35,000 किया गया हैं। परंतु संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान देनदारों के 5 प्रतिशत पर रखा जाए और फर्नीचर में 10 प्रतिशत का ह्रास किया जाए। **(iv)** ₹ 1,400 का बकाया किराया लेखे में नहीं लिया गया था। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते एवं नयी फर्म का स्थिति विवरण बनाइए।

Other terms agreed were: **(i)** Z will bring ₹ 40,000 as his capital. **(ii)** Z is unable to bring his share of goodwill in cash, it is therefore, decided to compute goodwill on the basis of Z's share in profit and capital contributed by him in the firm. **(iii)** Plant and machinery is valued at ₹ 60,000 and stock at ₹35,000 however, provision for doubtful debt be maintained at 5% on debtors and furniture be depreciated by 10%. **(iv)** Rent outstanding ₹ 1,400 remained unrecorded. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and the Balance Sheet of the new firm.

हलः

Dr. Revaluation A/c Cr.

Particulars	Amount (₹)	Particulars	Amount(₹)
To P.B.D	600	By Plant & Machine A/c	4,000
To Outstanding Rent	1,400	By Stock A/c	3,000
To Furniture	2,000		
To Profit Transfer to Capital A/c			
X 1,800			
Y 1,200	3,000		
	7,000		**7,000**

Dr. Partner's Capital A/c Cr.

Particulars	X (₹)	Y (₹)	Z (₹)	Particulars	X (₹)	Y (₹)	Z (₹)
To Balance c/d	72,500	49,900	40,000	By Balance b/d	60,000	40,000	-
				By Cash A/c	-	-	40,000
				By General Reserve	6,000	4,000	-
				By Revaluation A/c	1,800	1,200	-
				By Z'S Current A/c	4,700	4,700	-
	72,500	**49,900**	**40,000**		**72,500**	**49,900**	**40,000**

Balance Sheet of the new firm

Liabilities		Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors		33,000	Bank		4,000
Capital A/c			Cash		40,000
X	72,500		Debtors	32,000	
Y	49,900		Less - Provision	1600	30,400

Z 40,000	1,62,400	Stock	35,000
Out standing Rent	1,400	Furniture	18,000
		Plant & Machine	60,000
		Z'S Current A/c	9,400
	1,96,800		**1,96,800**

कार्यशील टिप्पणी : (1) त्याग अनुपात की गणना :–

त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$X : \frac{3}{5} - \frac{5}{10} = \frac{5}{50} Y : \frac{2}{5} - \frac{3}{10} = \frac{5}{50}$ 5 : 5 Or 1 : 1

(2) (ख्याति की गणना (छिपी हुई ख्याति) : Z की $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए पूँजी ₹40,000

X व Y की समायोजित पूँजी $X : 60,000 + 6,000 + 1,800 = 67,800; Y : 40,000 + 4,000 + 1,200 =$ ₹ 45000

Z की पूँजी= ₹ 40,000; फर्म की ख्याति=200000–67800–45200–40000= ₹ 47,000; Z का हिस्सा $47,000 \times \frac{1}{5} =$ ₹ 9,400

Z ख्याति की राशि नकद लेकर नहीं आ रहा हैं। अतः समायोजन Z के चालू खाते के माध्यम से किया गया हैं।

उदाहरण 6. A तथा B समान साझेदार हैं। 1 जनवरी, 2017 को निम्न स्थिति विवरण तथा शर्तो के आधार पर वह C को साझेदारी में शामिल करते हैः (A and B are partners. On 1st Jan,2017 they decide to admit C into partnership on the basis of the following Balance Sheet.)

Balance Sheet

Liabilities	**Amount₹**	**Assets**	**Amount₹**
Creditors	6,000	Cash at Bank	12,000
Outstanding Expenses	2,000	Debtors	16,000
Employee's Provident Fund	3,000	Stock	22,000
Workmen's Compensation Fund	4,000	Fixed Assets	43,000
Capital A/c A 50,000		Profit & Loss A/c	2,000
B 30,000	80,000		
	95,000		**95,000**

निम्नलिखित बातों पर सहमति होती है : **(i)** नया लाभ विभाजन अनुपात 2 : 1 : 1 होगा तथा C ₹ 20,000 पूँजी के लिये लायेगा। **(ii)** स्थायी सम्पातियों का मूल्य ₹ 12,000 से बढ़ाया जायेगा। **(iii)** ₹ 2,000 अप्राप्य–ऋणों के अपलिखित किये जायेगें। **(iv)** लेनदारों पर कटौती के लिये 2 प्रतिशत की दर से आयोजन बनाया जायेगा। **(v)** अदत्त व्ययों को ₹ 1,800 तक कम करना हैं। **(vi)** कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष के दायित्व का अनुमान ₹ 1,000 हैं। **(vii)** कर्मचारी प्रोविडेन्ट फण्ड को ₹ 500 से बढ़ाया जायेगा। **(viii)** C अपने हिस्से की ख्याति नकद लाने में असमर्थ हैं। ख्याति का मूल्यांकन ₹ 8,000 किया गया। **(ix)** स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 24,180 पर किया गया। साझेदारों के पूँजी खाते तथा नया स्थिति विवरण बनाइये।

The following terms were agreed upon: (i) New profit sharing ratio should be 2 : 1 : 1 respectively and C brought in ₹ 20,000 as capital. (ii) Fixed Assets is to be appreciated by ₹ 12,000. (iii) Bad debts amounting to ₹ 2,000 to be written off. (iv) A Provision of 2% was to be made for discount on creditors. (v) Outstanding expenses be brought down to ₹ 1,800. (vi) The liability on Workman's compensation fund is determined at ₹ 1,000. (vii) Employee's provident fund be raised by ₹ 500. (viii) C is unable to bring goodwill in cash. Goodwill valued at ₹ 8,000. (ix) Stock is valued at ₹24,180. Prepare Partner's Capital Accounts and Balance Sheet of the new firm.

हलः **Dr.** **Revaluation Account** **Cr.**

Particulars	**Amount(₹)**	**Particulars**	**Amount(₹)**
To Debtors A/c	2,000	By Fixed Assets A/c	12,000
To Employee's Provident fund A/c	500	By Reserve for discount on Creditors	120
To Profit transferred to:		By Outstanding Exp.	200
A's Capital A/c 6,000		By Stock	2,180
B's Capital A/c 6,000	12,000		
	14,500		**14,500**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To P & L	1,000	1,000	--	By Balance b/d	50,000	30,000	--
To Balance c/d	56,500	38,500	20,000	By Cash A/c	--	--	20,000
				By C's Current A/c	--	2,000	--
				By WCR	1,500	1,500	--
				By Revaluation	6,000	6,000	--
	57,500	**39,500**	**20,000**		**57,500**	**39,500**	**20,000**

Balance Sheet of the new firm as on 01st January 2017

Liabilities		Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors	6,000		Cash at Bank	12,000
(-) Reserve for Discount	120	5,880	Cash in Hand	20,000
Outstanding Exp.		1,800	Debtors	14,000
workmen Compensation Liabilities		1,000	Stock	24,180
Employee's Provident Fund		3,500	Fixed Assets	55,000
Capital A/c			C's current A/c	2,000
A 56500, B 38500, C 20,000		1,15,000		
		1,27,180		**1,27,180**

कार्यशील टिप्पणी :

(1) त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात–नया लाभ विभाजन अनुपात Sacrificing Ratio = OPSR – NPSR

A $\frac{1}{2}-\frac{2}{4}=Nil$; B $\frac{1}{2}-\frac{1}{4}=\frac{1}{4}$

(2) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय में से सम्बन्धित दायित्व को घटाकर शेष राशि को पुराने साझेदारों में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांटा गया हैं।

(3) Cash Balance: 20,000

उदाहरण 7. P तथा Q साझेदार है और लाभ को 3 : 1 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था (P and Q were partners sharing profits in the ratio 3 : 1. Their Balance Sheet is as follows on 31st March, 2017 was as follows :)

Balance Sheet

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		40,000	Bank		7,000
Bills Payable		15,000	Debtors	30,000	
Capital			Less:Provision	1,000	29,000
P	85,000		Stock		40,000
Q	40,000	1,25,000	Fixed Assets		86,000
			Goodwill		8,000
			Profit & Loss A/c		10,000
		1,80,000			**1,80,000**

उस तिथि को R को साझेदार के रूप में सम्मिलित किया जाता है और नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 हैं। नियत की गई अन्य शर्ते थी : **(i)** देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5 प्रतिशत की दर से और देनदारों पर छूट के लिए 2 प्रतिशत का प्रावधान कीजिए। **(ii)** स्थायी सम्पत्तियों का मूल्य ₹ 80,000 तय किया। **(iii)** लेनदारों में पिछले 4 वर्षो से अजय को देय ₹ 2,500 की राशि शामिल है, जिसके माँगने की आशा नहीं हैं। **(iv)** लेनदारों पर 2 प्रतिशत की दर से छूट का प्रावधान अपेक्षित हैं। **(v)** फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 20,000 किया गया हैं। **(vi)** R पूँजी के रूप में ₹ 30,000 देगा एवं ख्याति नकद लाएगा और P तथा Q की पूँजी का समायोजन R की पूँजी के आधार पर किया जाएगा। पूँजी का समायोजन नकद के आधार पर किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और नई फर्म का स्थिति विवरण बनाइए।

R is admitted as a partner on that date and new profit sharing ratio was agreed as 5:3:2. Other terms agreed were:**(i)** Create provision for doubtful debts on debtors @5% and 2% provision for discount on debtors. **(ii)** Fixed Assets were valued at ₹ 80,000. **(iii)** Creditors includes sum due to Ajay ₹ 2,500 for the last 4 years who is not likely to claim. **(iv)** A provision for discount is required@ 2% on creditors.**(v)** Goodwill of the firm is valued at ₹20,000. **(vi)** R will pay ₹ 30,000 as capital and will bring his share of goodwill in cash and capital of P and Q be adjusted on the basis of R's capital. Adjustments in capital be made on cash basis. Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts and Balance Sheet of new firm.

हल:

Dr. Revaluation A/c Cr.

Particulars	Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To P.B.D. A/c	500	By Creditors A/c	2,500
To P.D.D A/c	570	By Reserve for discount on	
To Fixed Assets A/c	6,000	Creditors A/c	750
		By Loss transfer to caprital A/c	
		P 2,865	
		Q 955	3,820
	7,070		**7,070**

Dr. Partner's Capital A/c Cr.

Particulars	P (₹)	Q (₹)	R (₹)	Particulars	P (₹)	Q (₹)	R (₹)
To P's Capital	-	1,000	-	By Balance b/d	85,000	40,000	-
To P&L	7,500	2,500	-	By Cash A/c	-	-	30,000
To Revaluation	2,865	955	-	By Goodwill A/c	4,000	-	-
To Goodwill	6,000	2,000	-	By Q's Capital	1,000	-	-
To Balance c/d	75,000	45,000	30,000	By Cash A/c			-
				(Balancing figure)	1,365	11,455	-
	91,365	**51,455**	**30,000**		**91,365**	**51,455**	**30,000**

Balance Sheet of the new firm

Liabilities		Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors			Bank		7,000
40,000 – 2,500 – 750		36,750	Cash		46,820
Bills payable		15,000	Debtors	30,000	
Capital A/c			Less P.B.D.	1,500	
X	75,000		Less P.D.D.	570	27,930
Y	45,000		Stock		40,000
Z	30,000	1,50,000	Fixed assets		80,000
		2,01,750			**2,01,750**

कार्यशील टिप्पणी : **(1)** रोकड़ शेष 30,000+4000+1,365+11,455 = ₹46,820;

(2) OPSR – NPSR = SR/GR; $P : \frac{3}{4} - \frac{5}{10} = \frac{5}{20}(SR) Q : \frac{1}{4} - \frac{3}{10} = (-)\frac{1}{20}(GR)$

(3) फर्म की ख्याति में R का हिस्सा : $20{,}000 \times \frac{2}{10} = 4{,}000$ यह P को दिया जायेगा।

$20{,}000 \times \frac{1}{10} = 1{,}000$ Q का खाता Dr. होगा। क्योंकि वह Gain कर रहा हैं।

उदाहरण **8.** A व B साझेदार थे, लाभों को 5 : 3 के अनुपात में बाँटते थे। 31 मार्च, 2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था (A and B were partnership sharing profits in proportion of 5 : 3. Their Balance Sheet on 31st March, 2017 was as follows:)

Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	24,000	Bank	4,000
Bills Payable	10,500	Debtors	25,000
General Reserve	12,000	Stock	45,000
Capitals		Investment	10,500
A 75,000		Machinery	30,000
B 50,000	1,25,000	Building	60,000
Current Accounts:		Goodwill	20,000
A	15,000		
B	8,000		
	1,94,500		**1,94,500**

वे निम्नलिखित शर्तो पर C को सम्मिलित करते है : **(i)** साझेदारों का नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 2 : 1 होगा। C अपनी पूँजी के ₹ 30,000 लाएगा। **(ii)** C फर्म की ख्याति में अपने हिस्से के बराबर राशि नकद देगा ; ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षो के औसत लाभों का दोगुना किया जाएगा जो क्रमशः ₹ 25,000 ,₹ 36,000 और₹ 44,000 थे। **(iii)** सामान्य संचय कोष का 20% संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के रूप में रहेगा। **(iv)** स्टॉक का मूल्य ₹ 5,000 अधिक लगाया गया हैं। **(v)** ख्याति की राशि का 50 प्रतिशत पुराने साझेदारों ने निकाल लिया हैं।(vi) कमीशन के रूप में ₹ 1,000 मिलेंगे, अतः लेखा किया जाए। **(vii)** एक अप्रत्याशित (unforeseen) दायित्व के लिए ₹ 1,500 का प्रावधान किया जाए। **(viii)** निवेश, जिनका बाजार मूल्य स्थिति विवरण की तिथि को ₹ 8,000 हैं। पुनर्मूल्यांकन खाता,पूँजी खाते और संशोधित स्थिति विवरण बनाइए।

They admit C on the following terms: **(i)** New profit sharing ratio of partners will be 4 : 2 : 1. C will bring in ₹ 30,000 as his capital. **(ii)** C is to pay in cash an amount equal to his share in firm's goodwill,valued at twice the average profit of the last three years which were ₹ 25,000, ₹ 36,000 and ₹ 44,000 respectively. **(iii)** 20% of the general reserve is to remain as provision for doubtful debts. **(iv)** Value of stock is found over valued by ₹ 5,000. **(v)** 50% of the amount of goodwill is withdrawn by old partners. **(vi)** That ₹ 1,000 is to be received as commission, hence, to be accounted for. **(vii)** That ₹ 1,500 be provided for an unforeseen liability. **(viii)** Investments, the market value of which at the date of the balance sheet is ₹ 8,000. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts and amended Balance Sheet.

हलः **Dr.** **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars	Amount (₹)	Particulars	Amount (₹)
To Stock A/c	5,000	By Accrued Commission	1,000
To Provision for		By Loss transfer to current A/c	8,000
Unforseen Liability	1,500	A 5,000	
To Investments	2,500	B 3,000	
	9,000		**9,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To Balance c/d	75,000	50,000	30,000	By Balance b/d	75000	50000	-
				By Cash A/c	-	-	30000
	75,000	**50,000**	**30,000**		**75,000**	**50,000**	**30,000**

Dr. **Partner's Current A/c** **Cr.**

Particulars	A (₹)	B (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)
To Goodwill	12,500	7,500	By Balance b/d	15,000	8,000
To Revaluation	5,000	3,000	By Goodwill A/c	3,750	6,250
To Cash	1,875	3,125	By General Reserve	6,000	3,600
To Balance c/d	5,375	4,225			
	24,750	**17,850**		**24,750**	**17,850**

Balance sheet as on.....

Liabilities	Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors	24,000	Cash		35,000
Bills payable	10,500	Bank		4,000
Provision for		Debtors	25,000	
Un forseen Liability	1,500	Less – Provision	2400	22,600
Capital A/c		Stock		40,000
A 75,000		Investments		8,000
B 50,000		Machinery		30,000
C 30,000	1,55,000	Building		60,000
Current A/c		Accrued Commission		1,000
A 5,375				
B 4,225	9,600			
	2,00,600			**2,00,600**

कार्यशील टिप्पणी : **(1)** रोकड़ शेष 30,000+10,000-5,000 = ₹ 35,000 **(2)** सामान्य संचय में से 12,000 x 20% = ₹ 2,400 संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन बनाया गया है व शेष राशि पुराने साझेदारों में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में वितरित की गयी हैं।

General Reserve A/c	Dr.	12,000	
To P.B.D			2,400
To A's Current A/c			6,000
To B's Current A/c			3,600

(3) त्याग अनुपात की गणना : पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$$A: \frac{5}{8}-\frac{4}{7}=\frac{3}{56}\ ; B: \frac{3}{8}-\frac{2}{7}=\frac{5}{56}\ ; \quad 3:5$$

उदाहरण **9.** A तथा B जो कि लाभों को 2 : 1 के अनुपात में बाँटते है का स्थिति विवरण निम्न है (The following is the Balance Sheet of A and B who share profits in the ratio of 2 : 1)

Balance Sheet

Liabilities	Amount₹	Assets	Amount₹
Bank Overdraft	12,000	Sundry Debtors	37,000
Reserve Fund	12,000	Stock	20,000
Investment Fluctuation Fund	3,000	Investment	33,000
Sundry Creditors	20,000	Building	25,000
Capitals		Patents	2,000
A	40,000		
B	30,000		
	1,17,000		**1,17,000**

वह C को साझेदारी में शामिल करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 होगा। निम्न समायोजनों के पश्चात् C आनुपातिक पूँजी की राशि लायेगा। **(i)** C अपने हिस्से की ख्याति ₹ 10,000 नकद लायेगा। **(ii)** एक ₹ 500 का देनदार मर गया उससे कुछ भी वसूल नहीं होगा। **(iii)** फर्म के पास ₹ 2,600 मूल्य का एक पुराना कम्प्यूटर है जिसे लेखा पुस्तकों में नहीं दिखाया हुआ। उसका पुस्तकों में लेखा किया जाएगा। **(iv)** पेटेंट मूल्यहीन हैं।**(v)** लेनदारों पर 2 प्रतिशत कटौती प्राप्त होगी। **(vi)** विनियोगों का मूल्यांकन ₹ 28,000 पर किया गया हैं। पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते एवं नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए।

They admitted C into partnership on this date. New profit sharing ratio is agreed as 3 : 2 : 1. C brings proportionate capital after the following adjustments: **(i)** C brings ₹ 10,000 in cash as his share of Goodwill. **(ii)** One Debtor for ₹ 500 is dead. Nothing will be recovered from him. **(iii)** There is an old Computer valued ₹ 2,600. It does not appear in the books of the firm. It is now to be recorded. **(iv)** Patents are valueless. **(v)** 2% discount is to be received from creditors. **(vi)** Investment valued at ₹ 28,000. Prepare Revaluation A/c, Partner's Capital A/c and the opening Balance Sheet.

हल: **Dr.** **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars	Amount (₹)	Particulars	Amount(₹)
To Debtors	500	By Computer	2,600
To Patent	2,000	By Reserve for discount On creditors	400
To Investment	2,000	By Loss transfer to capital a /c's	1,500
		A 1000	
		B 500	
	4,500		**4,500**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)	Particulars	A (₹)	B (₹)	C (₹)
To Revaluation	1,000	500	-	By Balance b/d	40,000	30,000	-
To Balance c/d	57,000	33,500	18,100	By Cash A/c	-	-	18,100
				By Goodwill A/c	10,000	-	-
				By Reserve Fund	8,000	4,000	-
	58,000	**34,000**	**18,100**		**58,000**	**34,000**	**18,100**

Balance Sheet of the new firm

Liabilities		Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Bank overdraft		12,000	Debtors	36,500
Sundry Creditors	20,000		Stock	20,000
Less – Provision	400	19,600	Investments	28,000
Capital A/c			Building	25,000
A 57000			Cash (18,100 + 10,000)	28,100
B 33500			Computer	2,600
C 18100		1,08,600		
		1,40,200		**1,40,200**

कार्यशील टिप्पणियां : **(1)** त्याग अनुपात की गणना : पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

$A: \frac{2}{3} - \frac{3}{6} = \frac{1}{6}$; $B: \frac{1}{3} - \frac{2}{6} = Nil$; Note:सम्पूर्ण त्याग A करेगा

(2) पूँजी का समायोजन : A व B की कुल समायोजित पूँजी 57,000+33,500 = ₹90,500 C का लाभों में हिस्सा $\frac{1}{6}$; अतः A व B का हिस्सा $1 - \frac{1}{6} = \frac{5}{6}$;C की पूँजी $= 90{,}500 \times \frac{6}{5} \times \frac{1}{6}$ =₹ 18,100

उदाहरण 10. साक्षी, सिन्धु तथा दीपा एक फर्म में साझेदार थे तथा 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 1 अप्रैल,2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :(Sakshi,Sindhu and Deepa were partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 2 : 1. On 1st April, 2017 their Balance Sheet was as follows :)

Balance Sheet

Liabilities		Amount₹	Assets	Amount₹
Capitals			Land & Building	3,64,000
Sakshi	3,58,000		Plant & Machinery	2,95,000
Sindhu	3,00,000		Furniture	2,33,000
Deepa	2,62,000	9,20,000	Bills Receivable	38,000
General Reserve		48,000	Sundry Debtors	90,000
Creditors		1,60,000	Stock	1,11,000
Bills Payable		90,000	Bank	87,000
		12,18,000		**12,18,000**

उपर्युक्त तिथि को निम्न शर्तों पर सानिया को एक नया साझेदार बनाया गया : **(i)** वह अपनी पूँजी के लिए ₹ 1,00,000 लायेगी तथा लाभ में उसका भाग 1/10 होगा। **(ii)** वह ख्याति (प्रीमियम) के अपने भाग के लिए आवश्यक राशि लायेगी। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 3,00,000 किया गया। **(iii)** बट्टे पर भुनाए गए प्राप्य बिलों के लिए ₹18,000 की

एक देयता बनाई जाएगी। **(iv)** स्टॉक तथा फर्नीचर के मूल्य को 20% से घटाया जाएगा। **(v)** भूमि तथा भवन के मूल्य को 10% से बढाया जाएगा। **(vi)** साझेदार सामान्य संचय की आधी राशि निकाल लेते हैं। **(vii)** साझेदारों के पूँजी खातों का समायोजन सानिया की पूँजी के आधार पर उनके लाभ विभाजन अनुपात में चालू खाता खोलकर किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते व नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए। On the above date Saniya was admitted on the following terms: **(i)** She will bring ₹ 1,00,000 for her capital and will get $1/10^{th}$ share in the profits. **(ii)** She will bring necessary cash for her share of goodwill (Premium).The goodwill of the film was valued at ₹ 3,00,000 **(iii)** A liability of ₹18,000 will be created against bills receivables discounted. **(iv)** The value of stock and furniture will be reduced by 20% **(v)** The value of land and building will be increased by 10% **(vi)** Half of the amount of General Reserve is withdrawn by the partners. **(vii)** Capital accounts of the partners will be adjusted on the basis of Saniya's capital in their profit sharing ratio by opening current accounts. Prepare Revaluation Account and Partner's Capital Account and Balance sheet of the new firm.

हल: **Dr.** **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars	Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To Liability For Bills discounted	18,000 46,600	By Land & Building A/c By Loss transfer to Capital A/c	36,400 50,400
To Furniture A/c	22,200	Sakshi 25,200	
To Stock A/c		Sindhu 16,800	
		Deepa 8,400	
	86,800		**86,800**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	Sakshi (₹)	Sindhu (₹)	Deepa (₹)	Saniya (₹)	Particulars	Sakshi (₹)	Sindhu (₹)	Deepa (₹)	Saniya (₹)
To Revaluation	25,200	16,800	8,400	-	By Balance b/d	3,58,000	3,00,000	2,62,000	
To Cash A/c	12,000	8,000	4,000	-	By Cash A/c	-	-	-	1,00,000
To Current A/c	-	1,200	1,12,600	-	By Goodwill A/c	15,000	10,000	5,000	
(Balancing figure)	450000	300000	1,50,000	1,00,000	By General Reserve	24,000	16,000	8,000	
To Balance c/d					By Current A/c (Balanceing figure)	90,200			
	487200	**326000**	**2,75,000**	**1,00,000**		**4,87,200**	**3,26,000**	**2,75,000**	**1,00,000**

Balance Sheet of the new firm as on 1st April 2017

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Capital A/c		Land & Building	4,00,400
Sakshi 4,50,000		Plant & Machine	2,95,000
Sindhu 3,00,000		Furniture	1,86,400
Deepa 1,50,000		Bills Receivable	38,000
Saniya 1,00,000	10,00,000	Sundry Debtors	90,000
Creditors	1,60,000	Stock	88,800
Bills payable	90,000	Bank	87,000
Liability For Bills discounted	18,000	Cash	1,06,000
Current A/c		Sakshi's Current A/c	90,200
Sindhu 1,200			
Deepa 1,12,600	1,13,800		
	13,81,800		**13,81,800**

कार्यशील टिप्पणियां : **(1)** नया लाभ विभाजन अनुपात : शेष लाभ $= 1 - \frac{1}{10} = \frac{9}{10}$

साक्षी $= \frac{9}{10} \times \frac{3}{6} = \frac{27}{60}$ सिंधु $= \frac{9}{10} \times \frac{2}{6} = \frac{18}{60}$ दीपा $= \frac{9}{10} \times \frac{1}{6} = \frac{9}{60}$

नया लाभ विभाजन अनुपात : $\frac{27}{60} : \frac{18}{60} : \frac{9}{60} : \frac{1}{10} = 27:18:9:6$ *or* $9:6:3:2$

(2) सानिया की $\frac{1}{10}$ भाग के लिए पूँजी ₹ 1,00,000: अतः फर्म की कुल पूँजी $\frac{1,00,000 \times 10}{1}$ = ₹ 10,00,000

साक्षी $10,00,000 \times \frac{9}{20} = ₹\ 4,50,000$, सिन्धु $10,00,000 \times \frac{6}{20} = ₹\ 3,00,000$, दीपा $10,00,000 \times \frac{3}{20} = ₹\ 1,50,000$, सानिया = ₹ 1,00,000 ; **(3)** रोकड़ शेष 1,00,000 + 30,000 – 24,000 = ₹ 1,06,000

उदाहरण 11. सुरेन्द्र एंव महेन्द्र 5 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए एक फर्म में साझेदार हैं। 31 दिसम्बर, 2016 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था: (Surendra and Mahendra are partners in a firm sharing profits in the ratio of 5 : 3 Their Balance Sheet on 31st December, 2016 was as follows:)

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		22,000	Cash	9,000
Provision For Doubtful Debts		1,000	Debtors	12,000
Bills Payable		18,000	Stock	25,000
Investment Fluctuation Reserve		2,000	Investment	10,000
General Reserve		16,000	Land & Building	55,000
Capitals			Goodwill	8,000
Surendra	35,000			
Mahendra	25,000	60,000		
		1,19,000		**1,19,000**

1 जनवरी, 2017 को अंकुर को साझेदार बनाया गया। वह पूँजी के रूप में ₹20,000 लाया। नया अनुपात 3 : 3 : 2 होगा। नए साझेदार के प्रवेश पर निम्न निर्णय लिये गये : **(i)** फर्म की ख्याति में अंकुर का हिस्सा ₹ 10,000 तय किया गया। वह ख्याति की राशि नकद लाया। **(ii)** सुरेन्द्र ने सम्पूर्ण विनियोग ₹ 8,000 में ले लिये। **(iii)** देनदारों पर डूबत एंव संदिग्ध ऋण के लिये आयोजन ₹ 2,000 का बनाया जाये। भूमि तथा भवन का मूल्यांकन ₹ 85,000 पर किया जाए। **(iv)** स्टॉक का मूल्यांकन ₹ 20,000 पर किया गया हैं। **(v)** लेनदारों ने ₹ 4,000 के दावे को छोड़ दिया। **(vi)** सभी साझेदारों की पूँजी का समायोजन नये लाभ विभाजन अनुपात में नकद से किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा चिट्ठा बनाइये।

On 1st January, 2017 Ankur was admitted as partner,He brought ₹ 20,000 as capital. New Ratio will be 3 : 3 : 2. On admission new partner, following decisions were taken: **(i)** Ankur's share in firm's goodwill was decided as ₹ 10,000. He brought amount of goodwill in cash. **(ii)** Surendra took all investments in ₹ 8,000 **(iii)** A provision for Bad & Doubtful debts of ₹ 2,000 is to be made on Debtors and Land & Building is to be valued at ₹ 85,000 **(iv)** Stock is valued at ₹ 20,000 **(v)** Creditors have given up claim of ₹ 4,000 **(vi)** Adjustment of all partners' capital is to be done out of cash in new profit sharing ratio. Prepare Revaluation Account and Capital Account & Balance Sheet of the new firm.

हल: **Dr.** **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars		Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To Provision for Bad Debts A/c		1,000	By Land & Building	30,000
To Stock A/c		5,000	By Creditors	4,000
To Profit transferred to:				
Surender's Capital A/c	17,500			
Mahendra's Capital A/c	10,500	28,000		
		34,000		**34,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	Surendra (₹)	Mahendra (₹)	Ankur (₹)	Particulars	Surendra (₹)	Mahendra (₹)	Ankur (₹)
To Investment	8,000	--	--	By Balance b/d	35,000	25,000	--
To Goodwill	5,000	3,000	--	By Cash A/c	--	--	20,000
To Cash A/c	29,500	8,500	--	By Goodwill A/c	10,000	--	--
(Balancing figure)				By General	10,000	6,000	--
To Balance c/d	30,000	30,000	20,000	Reserve	17,500	10,500	--
				By Revaluation A/c			
	72,500	**41,500**	**20,000**		**72,500**	**41,500**	**20,000**

Balance sheet of the new firm as on 01St January, 2017

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors	18,000	Cash	1,000

Bills Payable		18,000	Debtors	12,000
Provision for Bad Debts		2,000	Stock	20,000
Capital A/c			Land & Building	85,000
Surendra	30,000			
Mahendra	30,000			
Ankur	20,000	80,000		
		1,18,000		**1,18,000**

कार्यशील टिप्पणियां :

(1) त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात–नया लाभ विभाजन अनुपात; Surendra $\frac{5}{8}-\frac{3}{8}=\frac{2}{8}$; Mahendra $\frac{3}{8}-\frac{3}{8}=Nil$

(2) पूँजी का समायोजन– अंकुर की पूँजी $\frac{2}{8}$ हिस्से के लिए ₹ 20,000 फर्म की कुल पूँजी $20,000\ x\frac{8}{2}=₹\ 80,000$

अतः सुरेन्द्र की पूँजी $80,000\ x\frac{3}{8}=₹\ 30,000$; महेन्द्र की पूँजी $80,000\ x\frac{3}{8}=₹\ 30,000$; अंकुर की पूँजी ₹ 20,000

(3) रोकड़ शेष : 9,000 + 20,000 + 10,000 - 29,500 - 8,500 = ₹ 1,000

(4) निवेश उतार चढ़ाव खाते में दिया गया शेष विनियोग के मूल्य की कमी को पूरा करने में प्रयोग हुआ हैं।

Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. 2,000

To Investment A/c 2,000

उदाहरण 12. अमित व आशीष 5 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते थे, श्रवण को लाभ में 1/5 हिस्से के लिए साझेदार बनाया। वह आनुपातिक पूँजी लगायेगा। वित्तीय स्थिति इस प्रकार थीः (Amit and Ashish who were sharing profits in the ratio of 5 : 3. They admitted Shravan as a partner with $1/5^{th}$ share in profits. He had to contribute proportionate capital.The financial position was as under :)

Balance Sheet

Liabilities	Amount₹	Assets	Amount₹
Creditors	19,000	Goodwill	10,000
Bills Payable	8,000	Land & Building	25,000
Capital:		Plant & Machinery	35,000
Amit	55,000	Stock	20,000
Ashish	30,000	Debtors	25,000
General Reserve	16,000	Investment	14,000
Provision for Bad debts	1,500	Cash	2,400
Outstanding Salary	2,400	Prepaid Insurance	500
	1,31,900		**1,31,900**

उन्होंने श्रवण को निम्नांकित शर्तों पर प्रवेश देना स्वीकार किया : **(i)** फर्म को ख्याति ₹ 20,000 पर मूल्यांकित की गयी। वह अपना हिस्सा नकद लाएगा। **(ii)** भूमि व भवन ₹ 13,000 से बढ़ेंगे तथा मशीनरी ₹ 30,000 पर मूल्यांकित होगी। **(iii)** डूबत ऋण आयोजन ₹ 500 अधिक पाया गया हैं। **(iv)** ₹ 1,200 का एक दायित्व जो विविध लेनदारों में शामिल है, जिसके उत्पन्न होने की संभावना नहीं हैं। **(v)** एक ग्राहक ने ₹ 500 हानि के लिए मांगे है जो फर्म द्वारा स्वीकार नहीं किया गया हैं। ग्राहक व फर्म के मध्य समझौता हुआ है कि इसके लिए ₹ 100 निर्धारित किये जाए। **(vi)** ₹ 10,000 के विनियोग पुराने साझेदारों ने लाभ विभाजन अनुपात में ले लिए **(vii)** साझेदारों की पूँजी लाभ विभाजन अनुपात में समायोजित रहेगी। इसके लिए चालू खाते खोले जायेंगे। **(viii)** आशीष नकद में ₹ 2,400 आहरण करता हैं। पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते तथा पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

They agreed to admit Shravan on the following terms: **(i)** Goodwill of the firm was to be valued at ₹ 20,000. He will bring his share in cash. **(ii)** Land & Building was to be increased by ₹ 13,000 & Machinery was to be valued at ₹ 30,000 **(iii)** The provision for bad & doubtful debts was found in excess by ₹ 500. **(iv)** A liability for ₹ 1,200 included in sundry creditors was not likely to arise. **(v)** ₹ 500 For damages claimed by a customer had not been accepted by the firm, it was agreed at ₹ 100 by a compromise between the customer and the firm. **(vi)** ₹ 10,000 investments were taken over by old partners in their profit sharing ratio **(vii)** The capitals of the partners were to be adjusted in profit sharing ratio by opening current accounts.

(viii) Ashish is to withdraw ₹ 2,400 in cash.Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts & Balance Sheet of the New Firm.

हलः

Dr. **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars	Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To Machinery A/c	5,000	By Land & Building A/c	13,000
To Provision For Claim	100	By P.B.D A/c	500
To Profit Transfer to Capital A/c		By Creditors A/c	1,200
Amit 6,000			
Ashish 3,600	9,600		
	14,700		**14,700**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	Amit (₹)	Ashish (₹)	Shravan (₹)	Particulars	Amit (₹)	Ashish (₹)	Shravan (₹)
To Goodwill	6,250	3,750	-	By Balance b/d	55,000	30,000	-
To Cash A/c	-	2,400	-	By Cash A/c	-		23,050
To Investment	6,250	3,750	-	By Goodwill A/c	2,500	1,500	-
To Amit's Current A/c	3,375		-	By General Reserve	10,000	6,000	-
To Balance c/d	57,625	34,575	23,050	By Revaluation A/c	6,000	3,600	-
				By Ashish's current A/c	-	3,375	-
	73,500	**44,475**	**23,050**		**73,500**	**44,475**	**23,050**

Balance Sheet of the new firm

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors	17,800	Land & Building	38,000
Bills payable	8,000	Plant & Machine	30,000
Provision For Claim	100	Stock	20,000
Outstanding salary	2400	Debtors 25,000	
Capital A/c		Less – P.B.D 1,000	24,000
Amit 57,625		Investments	4,000
Ashish 34,575		Prepaid Insurance	500
Sharvan 23,050	1,15,250	Cash (2,400+23,050,+ 4,000 – 2,400)	27,050
Amit's Current A/c	3,375	Ashish's Current A/c	3,375
	1,46,925		**1,46,925**

कार्यशील टिप्पणियाँ : **(1)** नया लाभ विभाजन अनुपात : शेष लाभ $= 1 - \frac{1}{5} = \frac{4}{5}$

अमित $= \frac{4}{5} \times \frac{5}{8} = \frac{20}{40}$ आशीष $= \frac{4}{5} \times \frac{3}{8} = \frac{12}{40}$

नया लाभ विभाजन अनुपात : $\frac{20}{40} : \frac{12}{40} : \frac{1}{5} = 20:12:8 = 5:3:2$

(2) नये साझेदार श्रवण की पूँजी की गणनाः– अमित की कुल पूँजी समायोजित पूँजी 73,500 – 12,500 = ₹ 61,000 , आशीष की कुल समायोजित पूँजी 41,100 – 9,900=₹31,200

61,000+31,200=₹ 92,200

$1 - \frac{1}{5} = \frac{4}{5}$ (अमित + आशीष)

श्रवण की कुल पूंजी : $92,200 \times \frac{5}{4} \times \frac{1}{5}$ =₹ 23,050

(3) फर्म की कुल पूँजी $92,200 \times \frac{5}{4}$ =₹ 1,15,250

अमित $1,15,250 \times \frac{5}{10}$ =₹ 57,625 ; आशीष $1,15,250 \times \frac{3}{10}$ =₹ 34,575 ; श्रवण $1,15,250 \times \frac{2}{10}$ =₹ 23,050

अतः तीनों साझेदारों की नये लाभ विभाजन अनुपात में पूँजी क्रमशः ₹57,625, ₹34,575, ₹ 23,050 होगी।

उदाहरण 13. सूरज और चंदा 2 : 1 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था: (Suraj and Chanda are partners sharing profits in the ratio of 2 : 1. Their Balance Sheet as on 31st March, 2017 is as follows)

Balance Sheet as on 31st March, 2017

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		30,000	Cash Balance		20,000
Bank Loan		10,000	Bank Balance		20,000
General Reserve		30,000	Sundry Debtors	60,000	
Capitals			Less:Provision	24,000	36,000
Suraj	1,20,000		Stock		90,000
Chanda	60,000	1,80,000	Machine		29,000
			Furniture		10,000
			Goodwill		36,000
			Pofit &Loss		9,000
		2,50,000			**2,50,000**

1 अप्रैल 2017 को वे तारा को 1/3 हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। वह अपने हिस्से की ख्याति के लिए व्यापार में नकद भुगतान करती है तथा इतनी पर्याप्त पूँजी लाती है जिससे कि उसे नई फर्म की कुल पूँजी का 1/3 भाग दिया जा सके। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन गत तीन वर्षों के औसत लाभ के तीन गुने के आधार पर किया जाता है। इन वर्षो के लाभ या हानि क्रमशः ₹ 30,000 , ₹ 35,000 (हानि) और ₹ 50,000 थे। यह भी निश्चय किया गया कि देनदारों पर आयोजन को ₹ 9,000 तक घटाया जाये और रहतिये का पुनर्मूल्यांकन ₹ 1,20,000 पर किया जाये। मशीन को ₹ 20,000 तक घटाया जाये। बैंक ऋण का भुगतान कर दिया जाये। जर्नल प्रविष्टियां कीजिये और पुनर्मूल्यांकन खाता साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का चिट्ठा बनाइए

On 1st April, 2017 they admit Tara for 1/3rd share. She pays cash in the business for her share of goodwill and brings sufficient capital so that she can be given 1/3rd share of the total capital of the new firm. The goodwill of the firm is to be valued at three times of average profit of the last three years. Profit or loss of these three years were ₹ 30,000, ₹ 35,000 (Loss) and ₹ 50,000. It was also decided that the Provision on debtors be reduced up to ₹ 9,000 and Stock is to revalued at ₹ 1,20,000. The machine is to be reduced upto ₹ 20,000. Bank loan will be paid off. Pass Journal Entries and Prepare Revaluation account,Partner'sCapital accounts and Balance Sheet of the new firm.

हल: **Journal**

Date	Particulars		L.F.	Amount(Dr.) (₹)	Amount (Cr.) (₹)
1-4-17	Cash A/c	Dr.		1,23,000	
	To Tara's Capital A/c				1,08,000
	To Goodwill A/c				15,000
	(Being cash brought in by Tara towards goodwill & capital)				
	General Reserve A/c	Dr.		30,000	
	To Suraj's Capital A/c				20,000
	To Chanda's Capital A/c				10,000
	(Being General Reserve transferred to old Partner's Capital A/c in their old Profit sharing ratio)				
	Suraj's Capital A/c	Dr.		24,000	
	Chanda's Capital A/c	Dr.		12,000	36,000
	To Goodwill A/c				
	(Being existing goodwill A/c written off)				

	Bank Loan A/c	Dr.		10,000	
	To Bank A/c				10,000
	(Being Bank Loan paid off)				
	Suraj's Capital A/c	Dr.		6,000	
	Chanda's Capital A/c	Dr.		3,000	
	To P & L A/c				9,000
	(Being P & L transferred to Old partner's capital A/c)				
	P.B.D. A/c	Dr.		15,000	
	Stock A/c	Dr.		30,000	
	To Revaluation A/c				45,000
	(Being decrease in PBD and increase in value of Stock)				
	Revaluation A/c	Dr.		9,000	
	To Machine A/c	Dr.			9,000
	(Being decrease in value of machine)				
	Revaluation A/c	Dr.		36,000	
	To Suraj's Capital A/c				24,000
	To Chanda's Capital A/c				12,000
	(Being Profit on revaluation transferred to old Partner's Capital A/c in their old profit sharing ratio)				
	Goodwill A/c	Dr.		15,000	
	To Suraj's Capital A/c				10,000
	To Chanda's Capital A/c				5,000
	(Being goodwill credited to old Partner's Capital A/c in their sacrificing ratio)				

Dr. **Revaluation A/c** **Cr.**

Particulars		Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To Machinery		9,000	By P.B.D. A/c	15,000
To Profit transferred to:			By Stock A/c	30,000
Suraj's Capital A/c	24,000			
Chanda's Capital A/c	12,000	36,000		
		45,000		**45,000**

Dr. **Partner's Capital A/c** **Cr.**

Particulars	Suraj (₹)	Chanda (₹)	Tara (₹)	Particulars	Suraj (₹)	Chanda (₹)	Tara (₹)
To Goodwill A/c	24,000	12,000	---	By Balance b/d	1,20,000	60,000	--
To P & L A/c	6,000	3,000	---	By Cash A/c	---	---	1,08,000
To Balance c/d	1,44,000	72,000	1,08,000	By Goodwill A/c	10,000	5,000	--
				By General Reserve	20,000	10,000	--
				By Revaluation A/c	24,000	12,000	
	1,74,000	**87,000**	**1,08,000**		**1,74,000**	**87,000**	**1,08,000**

Balance Sheet of the new firm as on 01 April, 2017

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Creditors	30,000	Cash at Bank	1,43,000

Capital A/c			Bank Balance		10,000
Suraj	1,44,000		Debtors	60,000	
Chanda	72,000		(-) Provision	9,000	51,000
Tara	108,000	3,24,000	Stock		1,20,000
			Machine		20,000
			Furniture		10,000
		3,54,000			**3,54,000**

Working Notes:

(1) नया लाभ विभाजन अनुपात की गणना ; शेष लाभ $1-\frac{1}{3}=\frac{2}{3}$; Suraj $\frac{2}{3}X\frac{2}{3}=\frac{4}{9}$; Chanda $\frac{2}{3}X\frac{1}{3}=\frac{2}{9}$

अतः तीनों का नया लाभ विभाजन अनुपात होगा $\frac{4}{9}:\frac{2}{9}:\frac{1}{3}=4:2:3$

(2) ख्याति की गणना – औसत लाभ $=\frac{30,000-35,000+50,000}{3}=\frac{45,000}{3}=₹\ 15000;$

फर्म की ख्याति = 15000 x 3 = ₹ 45000 ; तारा का ख्याति मे हिस्सा $45,000\ x\frac{1}{3}$ =₹ 15,000

(3) यदि प्रश्न में केवल नये साझेदार के लाभ का भाग दिया गया है तो पुराने साझेदारों का पुराना लाभ विभाजन अनुपात त्याग अनुपात समान होगा। पुराने साझेदारों का पुराना लाभ विभाजन अनुपात ही त्याग अनुपात होगा।

(4) तारा के हिस्से की पूँजी की गणना : सूरज व चन्दा की कुल समायोजित पूँजी1,44,000+72,000=₹ 2,16,000

(5) $1-\frac{1}{3}=\frac{2}{3}$(सूरज व चंदा का हिस्सा) ; तारा का हिस्सा $2,16,000\ x\frac{3}{2}x\frac{1}{3}=$ ₹ 1,08,000

(6) रोकड़ शेष 20,000 + 1,08,000 + 15,000 = ₹ 1,43,000

बैंक शेष 20,000 – 10,000 = ₹ 10,000

वर्तमान साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन

(Change in the profit sharing ratio among the existing partners)

लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन से आशय यह है कि एक साझेदार दूसरे साझेदार से लाभ का अंश क्रय करता हैं। जिस साझेदार के लाभ के भाग में वृद्धि होती है उसे लाभान्वित साझेदार (Gaining Partner) कहते हैं। तथा जिस साझेदार के लाभ के भाग में कमी होती है उसे त्यागकर्ता साझेदार (Sacrificing Partner) कहते हैं। लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन से लाभ प्राप्त करने वाले साझेदार, त्याग करने वाले साझेदार की क्षतिपूर्ति करते हैं।

लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन पर लेखांकन में निम्न विषय विचारणीय है :

1. त्याग अनुपात व फायदे के अनुपात का निर्धारण
2. ख्याति का लेखांकन व्यवहार
3. संचय तथा अवितरित लाभ या हानि के लिये विभाजन का लेखांकन व्यवहार
4. सम्पत्तियों व दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन
5. पूँजी का समायोजन

(1) त्याग अनुपात व फायदे के अनुपात का निर्धारण :

त्याग अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

Sacrificing Ratio (SR) = Old Profit Sharing Ratio (OPSR) – New Profit Sharing Ratio (NPSR)

फायदे (लाभ प्राप्ति) का अनुपात :

फायदे का अनुपात = नया लाभ विभाजन अनुपात – पुराना लाभ विभाजन अनुपात

Gaining Ratio(GR) = New Profit Sharing Ratio (NPSR) – Old Profit Sharing Ratio (OPSR)

(2) ख्याति का लेखांकन व्यवहार

Gaining partner's capital/current A/c Dr.

To Sacrificing partner's capital/current A/c

(Being the adjustment made for goodwill on change in profit sharing ratio)

उदाहरण : A व B लाभ विभाजन 3 : 2 के अनुपात में करते थे। उन्होंने निर्णय किया कि भविष्य में लाभ बराबर बराबर बाँटेंगे। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹30,000 किया गया। ख्याति के व्यवहार के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

B's Capital A/c Dr. 3000

To A's Capital A/c 3000

[Bing the adjustment made for goodwill on change in profit sharing ratio {$30000\ \times\frac{1}{10}=3000$}]

त्याग/फायदे SR/GR के अनुपात की गणना : $OPSR - NPSR$

$A = \frac{3}{5} - \frac{1}{2} = \frac{1}{10}$ त्याग ; $B = \frac{2}{5} - \frac{1}{2} = (-)\frac{1}{10}$ फायदा

विद्यमान ख्याति का लेखांकन व्यवहार – पुस्तकों में प्रदर्शित ख्याति को लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होने पर अपलिखित करना होता हैं।

All partners capital/current A/c Dr.
To Goodwill A/c (In OPSR)
(Being existing goodwill written off in old profit sharing ratio)

उदाहरण : A व B साझेदार हैं। जो लाभ को 5 : 3 के अनुपात में बाँटते हैं। उन्होंने भविष्य में लाभ विभाजन बराबर बराबर बाँटने का निर्णय किया। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 48,000 पर किया गया। पुस्तकों में ख्याति पहले से ₹ 16000 पर दिखाई गई हैं। ख्याति के लिए आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए।

1. A's Capital A/c Dr. 10000
B's Capital A/c Dr. 6000
To Goodwill A/c 16000
(Being existing goodwill written off in old profit sharing ratio)

2. B's Capital A/c Dr. 6000
To A's Capital A'/'c 6000
(Being adjustment made for goodwill on change in profit sharing ratio $48000 \times \frac{1}{8} = 6000$)

OPSR – NPSR = SR/GR; $A = \frac{5}{8} - \frac{1}{2} = \frac{1}{8}$ (SR) ; $B = \frac{3}{8} - \frac{1}{2} = (-)\frac{1}{8}$ (GR)

उदाहरण : X, Y व Z एक फर्म में साझेदार हैं। जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। वे निर्णय करते हैं। कि भविष्य में Z का हिस्सा $\frac{1}{3}$ होगा। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 30000 पर किया गया। इस परिवर्तन को लागू करने के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टि कीजिए।

Z's Capital A/c Dr. 5000
To X's Capital A/c 3000
To Y"s Capital A/c 2000
(Being adjustment made for goodwill on change in profit sharing ratio)

नये अनुपात की गणना : पुराना लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1

Z का हिस्सा $\frac{1}{3}$; $1 - \frac{1}{3} = \frac{2}{3}$ (X व Y का हिस्सा)

$X = \frac{2}{3} \times \frac{3}{5} = \frac{6}{15}$; $Y = \frac{2}{3} \times \frac{2}{5} = \frac{4}{15}$; नया अनुपात $= \frac{6}{15} : \frac{4}{15} : \frac{1}{3} = 6 : 4 : 5$

त्याग/फायदे का अनुपात :$= \frac{3}{6} - \frac{6}{15} = \frac{3}{30}$; $= \frac{2}{6} - \frac{4}{15} = \frac{2}{30}$; $Z = \frac{1}{6} - \frac{5}{15} = (-)\frac{5}{30}$

X की राशि= $30000 \times \frac{3}{30} =$ ₹3000; Yकी राशि= $30000 \times \frac{2}{30} =$ ₹2000; Z की राशि= $30000 \times \frac{5}{30} =$ ₹5000

(3) संचय व अवितरित लाभ/हानि का व्यवहार

यदि साझेदारी के पुनर्गठन के समय फर्म के पास संचय व अवितरित लाभ/हानि हो तो उसे दो तरह से समायोजित किया जा सकता हैं। (i) संचय व लाभ/हानि को समाप्त कर दिया जाए। (ii) संचय व लाभ/हानि को समाप्त (बन्द) न किया जाए।

(i) संचय व लाभ/हानि को समाप्त कर दिया जाए (Reserves & Profits/Loss be cancelled) : संचय व अवितरित लाभ/हानि को वर्तमान साझेदारों के बीच उनके पुराने लाभ विभजन के अनुपात में बाँटा जाता हैं।

(a) संचय व अवितरित लाभों के लिए :

General Reserve A/c Dr.
P & L A/c Dr.
Workmen Compensation Reserve A/cDr. (दायित्व घटाने के बाद बचे आधिक्य से)
Investment Fluctuation Reserve A/c Dr. (विनियोगों के बाजार मूल्य में आई कमी को घटाने के बाद बचे)
To partner's capital/current A/c (In OPSR)
(Being Reserve & undistributed profits transferred to partner's capital A/c in OPSR)

(b) संचित हानियों व आस्थगित आयगत व्ययों के लिए

Partner's capital/current A/c Dr. (In OPSR)
To P & L A/c
To Deferred Revenue Expenditure
(Being undistributed Loss transferred to partner's capital A/c in old Profit sharing Ratio)

(ii) संचय व लाभ/हानि को बन्द न किया जाए :

(a) संचय व संचित लाभों के लिए : Gaining Partner's Capital/Current A/c Dr.
To Sacrificing Partner's Capital/Current A/c
(Being Adjustments for profits on change in profit sharing ratio)

(b) संचित हानियों के लिए : Sacrificing Partner's Capital/Current A/c Dr.
To Gaining Partner's Capital/Current A/c
(Being Adjustment made for Losses on change in profit sharing ratio)

उदाहरण : एक फर्म में A, B व C साझेदार हैं। जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। उन्होंने भविष्य में लाभों को बराबर–बराबर बाँटने का निर्णय किया। इस तिथि को लाभ–हानि खाते में ₹60000 का क्रेडिट शेष व सामान्य संचय में ₹ 30,000 का शेष था। फर्म की पुस्तकों में आवश्यक जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

(a) फर्म ने लाभ–हानि खाते व सामान्य संचय को बन्द करने का निर्णय किया हो :

P & L A/c	Dr.	60000	
General Reserve A/c	Dr.	30000	
To A's Capital A/c			45000
To B's Capital A/c			30000
To C's Capital A/c			15000

(Being undistributed profits & General Reserve transferred to partner's capital A/c in OPSR)

(b) फर्म लाभ–हानि खाते व संचय को बन्द नहीं करना चाहती :

C's Capital A/c	Dr.	15000	
To A's Capital A/c			15000

(Being Adjustment made for P&L A/c & General Reserve on change in profit sharing ratio)

त्याग/फायदे का अनुपात := $\frac{3}{6}-\frac{1}{3}=\frac{1}{6}$; $B=\frac{2}{6}-\frac{1}{3}=0$; $C=\frac{1}{6}-\frac{1}{3}=(-)\frac{1}{6}$

अतः संचय व लाभ–हानि खाते के क्रेडिट शेष के योग ₹ 90000 का $\frac{1}{6}$, A को देय होगा=₹15000

(4) सम्पत्तियों व दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन का लेखा व्यवहार :

(a) यदि साझेदार फर्म के पुनर्गठन पर तैयार किये चिट्ठे में सम्पत्तियों व दायित्वों को संशोधित मूल्य (Revised Value) पर दिखाना तय करते हैं। तो इस दशा में पुनर्मूयांकन खाता बनाकर पुनर्मूल्यांकन पर हुए लाभ–हानि को वर्तमान साझेदारों के पुराने अनुपात में बाँट लिया जायेगा।

(i) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होने पर

Revaluation A/c Dr.
To partner's capital/current A/c (In OPSR)

(ii) पुनर्मूल्यांकन पर हानि होने पर

Partner's capital/current A/c Dr.
To Revaluation A/c

(b) जब सम्पत्तियों/दायित्वों के संशोधित मूल्य पुस्तकों में न लिखने हों या समायोजन साझेदारों के पूँजी खातों के माध्यम से करना हो –

(i) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ होने पर

Gaining partner's capital/current A/c Dr. (in OPSR)
To Sacrificing partner's capital/current A/c

(ii) पुनर्मूल्यांकन पर हानि होने पर

Sacrificing partner's capital/current A/c Dr.
To Gaining partner's capital/current A/c

उदाहरण : A, B व C, 5 : 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। उन्होंने भविष्य में लाभों को 2 : 3 : 5 में बाँटने का निर्णय किया। सम्पत्तियों व दायित्वों के मूल्य में निम्नानुसार परिवर्तन हुए :

	पुस्तक मूल्य (₹ Book Value)	संशोधित मूल्य (₹ Revised Value)
Building	50000	60000
Plant	30000	50000
Creditors	20000	30000

निम्न में से प्रत्येक दशा में प्रविष्टि कीजिए जबकि साझेदार –

(a) संशोधित मूल्यों को चिट्ठे में बताना तय करते हैं। **(b)** संशोधित मूल्यों को चिट्ठे में न बताना तय करते हैं।

पुनर्मूल्यांकन पर लाभ = भवन में वृद्धि ₹10000 + प्लांट में वृद्धि ₹20000 लेनदारों में वृद्धि ₹10000 = ₹20000

(a)	Revaluation A/c	Dr.20000	
	To A's Capital A/c		10000
	To B's Capital A/c		6000
	To C's Capital A/c		4000
	(Being profit on Revaluation transfer to partner's capital A/c in their old Profit sharing ratio)		
(b)	C's capital A/c	Dr. 6000	
	To A's Capital A/c		6000
	(Being Adjustment $20000 \times \frac{3}{10} = 6000$ made for profit on Revaluation)		

त्याग/फायदे का अनुपात :- $\frac{5}{10} - \frac{2}{10} = \frac{3}{10}$; $B = \frac{3}{10} - \frac{3}{10} = 0$; $C = \frac{2}{10} - \frac{5}{10} = (-)\frac{3}{10}$

उदाहरण **14.** लारा, प्रियंका तथा वसु 8 : 5 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए एक फर्म में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था: (Lara,Priyanka and Vashu are partners in a firm sharing profit in the ratio of 8 : 5 : 3 respectively.Their Balance Sheet as on 31st March, 2017 was as follows)

Balance Sheet

Liabilities	Amount₹	Assets	Amount₹
Partner's Capital A/c		Cash at Bank	10,000
Lara	40,000	Investment	15,000
Priyanka	32,000	Stock	40,000
Vashu	28,000	Bill Receivable	8,000
Partner's Loan A/c		Debtors	40,000
Lara	16,000	Furniture	28,000
Priyanka	12,000	Patent	15,000
Provident Fund	18,000	Prepaid Insurance Premium	2,000
General Reserve	16,000	Plant & Machinery	62,000
Creditors	40,000		
Bank Loan	14,000		
Provision For Bad Debts	4,000		
	2,20,000		**2,20,000**

वे 1 अप्रैल,2017 से अपने लाभ विभाजन अनुपात को 5 : 6 : 5 के अनुपात में बदलने के लिए सहमत हुए। इस कार्य के लिए निश्चय किया गया कि : **(i)** फर्म की ख्याति पिछले चार वर्षो के औसत अधिलाभ के तीन गुने के आधार पर मूल्यांकित करनी हैं। पिछले चार वर्षो का औसत लाभ ₹ 40,000 है जबकि विनियोजित पूँजी पर सामान्य लाभ ₹ 24,000 हैं। **(ii)** भविष्य निधि में ₹ 2,000 की बढ़ोतरी करनी हैं। **(iii)** डूबत ऋण प्रावधान ₹ 3,000 तक बनाये रखना हैं। **(iv)** प्रियंका नकद में ₹ 5,000 का आहरण करती हैं।(v) फर्नीचर का मूल्य ₹ 25,000 तक घटाया जाये एवं रहतिये का मूल्यांकन ₹ 30,000 पर किया गया हैं।(vi) मजदूरी के बकाया ₹ 5,000 को पुस्तकों में दिखाया जाय। **(vii)** प्राप्य बिलों पर 5% की दर से डूबत ऋण के लिए प्रावधान किया जाये। **(viii)** एक पुराना ग्राहक सनी से जिसका खाते को अपलिखित कर दिया था, अब उसने अपने समस्त दावों के भुगतान में ₹ 800 देना तय किया हैं। **(ix)** एकस्व का मूल्य वर्तमान में शून्य हैं। सम्पतियों, दायित्वों और संचयों के पुस्तक मूल्यों में परिवर्तन नहीं करना हैं। पूँजी खाते तथा नया चिट्ठा भी बनाइये।

They agreed to change their profit sharing ratio as 5 : 6 : 5 from 1st April,2017. For this purpose it is decided that: (i) Goodwill of the firm has been valued at three times of the average super profits of last four years. Average profits of the last four years are₹ 40,000 while the normal profits that can be earned with the capital employed are ₹ 24,000. (ii)Provident Fund to be raised by ₹ 2,000. (iii)The provision for doubtful

debts was to be maintained upto ₹ 3,000 (iv) Priyanka is to withdrew ₹ 5,000 in cash. (v) The value of furniture is to be decreased upto ₹ 25,000 and stock is to be revalued at as ₹ 30,000 (vi) Outstanding wages ₹ 5,000 are to be shown in books (vii) A provision for bad debts on Bills Receivable be made 5% (viii) Sanni,an old customer whose account was written off as bad has promised to pay ₹ 800 in the settlement of his full claim. (ix) The present value of patent is NIL. The book values of the Assets, Liabilities and Reserves are not be altered. Prepare Capital Accounts and new Balance Sheet.

हल:

Dr. Partner's Capital A/c Cr.

Particulars	Lara (₹)	Priyanka (₹)	Vashu (₹)	Particulars	Lara (₹)	Priyanka (₹)	Vashu (₹)
To Lara	-	1,900	3,800	By Balance b/d	40,000	32000	28,000
To Cash	-	5,000	-	By Priyanka	1,900	-	-
To Balance c/d	45,700	25,100	24,200	By Vasu	3,800	-	-
	45,700	**32,000**	**28,000**		**45,700**	**32,000**	**28,000**

Balance sheet as on 1st April 2017

Liabilities	Amount(₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors	40,000	Cash at Bank (10,000 – 5,000)	5,000
P.B.D	4,000	Investments	15,000
Bank Loan	14,000	Stock	40,000
Provident fund	18,000	Bills Receivable	8,000
General Reserve	16,000	Debtors	40,000
Partner's Loan		Furniture	28,000
Lara	16,000	Patent	15,000
Priyanka	12,000	Prepaid Insurance	2,000
Capital A/c		Plant & Machine	62,000
Lara 45,700			
Priyanka 25,100			
Vashu 24,200	95,000		
	2,15,000		**2,15,000**

कार्यशील टिप्पणियाँ

(1) त्याग/लाभ प्राप्ति अनुपात = पुराना लाभ विभाजन अनुपात – नया लाभ विभाजन अनुपात

लारा $= \frac{8}{16} - \frac{5}{16} = \frac{3}{16}$ प्रियंका $= \frac{5}{16} - \frac{6}{16} = -\frac{1}{16}$ वसू $= \frac{3}{16} - \frac{5}{16} = -\frac{2}{16}$

(2) ख्याति की गणना :

अधिलाभ = औसत लाभ – सामान्य लाभ =40,000 – 24,000= ₹16,000

ख्याति = अधिलाभ ×3 =16,000×3= ₹48,000

(3) पुनर्मूल्यांकन का शुद्व लाभ – हानि

हानि की मदें:	₹
फर्नीचर के मूल्य में कमी	3,000
स्टोक के मूल्य में कमी	10,000
बकाया मजदूरी	5,000
बिलों पर प्रावधान (8,000×5%)	400
एकस्व के मूल्य में कमी	15,000
भविष्य निधि में वृद्वि	2,000
	35,400

लाभ की मदे:	₹
डूबत ऋण के प्रावधान में कमी	1,000
देनदारों में वृद्वि	800
	1,800

35400 – 1800 = ₹33,600 पुर्नमूल्यांकन में शुद्व हानि

समायोजन से शुद्व लाभ = ख्याति व सामान्य संचय की राशि–पुनर्मूल्यांकन की शुद्व हानि =

48,000 + 16,000 – 33,600 = ₹30,400

Priyanka's Capital A/c	Dr.	1,900	
Vashu's Capital A/c	Dr.	3,800	
To Lara Capital A/c			5,700

लारा $= 30,400 \times \frac{3}{16}$ =₹ 5,700 : प्रियंका= $30,400 \times \frac{1}{16}$ =₹ 1,900 :वसू $= 30,400 \times \frac{2}{16}$ =₹ 3,800

उदाहरण 15 : 31–3–2017 को धोनी व धवन का चिट्ठा निम्नवत हैं। Dhoni and Dhavan are partners. Their Balance Sheet as on 31-03-2017 was as follows:

Dr. **Balance Sheet as on 3 March, 2017** **Cr.**

Liabilities	Amount (₹)	Assets	Amount (₹)
Creditors	20,000	Cash at Bank	9,500
Workmen Compensation Reserve	8,000	Debtors 20,000	
Investment fluctuation Reserve	3,000	(-) Provision 500	19,500
Bills Payable	3,000	Stock	6,000
Outstanding expenses	1,000	Investments	10,000
Employee's Provident fund	5,000	Land & Building	30,000
General Reserve	10,000	Plant & Machine	36,000
Capital		Furniture	10,000
Dhoni 40,000		Trade Mark	3,000
Dhavan 50,000	90,000	Patent	5,000
		Goodwill	5,000
		P & L (Dr.)	4,000
		Advertisement Expenses	2,000
	1,40,000		**1,40,000**

1–4–2017 को विराट को प्रवेश देते है व उनका नया लाभ विभाजन अनुपात बराबर–बराबर होगा। (i) विराट पूँजी के लिए ₹ 60,000 व ख्याति (प्रीमियम) के लिए ₹ 8,000 लेकर आता हैं। ख्याति की आधी राशि साझेदार निकाल लेते हैं। (ii) उपार्जित आय ₹ 500 जो पुस्तकों में नहीं दिखायी गयी है, उसे दिखाया जायेगा। (iii) विनियोगों का बाजार मूल्य ₹ 9,000 हैं। (iv) एक देनदार जिसमें ₹ 500 बकाया थे, डूबत ऋण के रूप में अपलिखित कर दिये। उसने पूर्ण भुगतान ₹ 400 दिये। (v) भूमि–भवन के मूल्य में 25% से वृद्धि करें। (vi) प्लॉट–मशीन 10% से कम मूल्यांकित हुई हैं। (vii) उपस्कर (फर्नीचर) 10% से ह्रासित किया जाये। (viii) व्यापारिक चिन्ह का मूल्यांकन ₹ 2,500 पर किया गया हैं। (ix) एकस्व का मूल्य ₹ 3,000 तक कम करना हैं। (x) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरुद्ध ₹ 3,000 का दायित्व निश्चित किया गया हैं। (xi) पूर्वदत्त बीमा व्यय ₹ 1,000। (xii) मरम्मत का बकाया बिल ₹ 1,000 (xiii) ₹ 4,000 पर मूल्यांकित एक पुराना कम्प्यूटर हैं। जो पुस्तकों में प्रदर्शित नहीं हैं। इसका अब लेखा किया जाता हैं। (xiv) देनदारों पर संदिग्ध ऋणों के लिए 5% आयोजन व देनदारों पर बट्टे के लिए आयोजन 2% बनाये। (xv) लेनदारों पर बट्टे के लिए आयोजन 2% (xvi) स्कंध 20% से अधिमूल्यांकित हैं। (xvii) विराट की पूँजी के आधार पर साझेदारों के पूँजी खाते समायोजित करने हैं। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए।

They decided to admitVirat on April 1st 2017. New Profit Sharing Ratio will be equal: (i) Virat shall bring ₹ 60,000 as his Capital and ₹ 8,000 share of premium. & half of the goodwill is withdrawn by the partner (ii) That unaccounted accrued income of ₹ 500 be provided for. (iii) The market value of investments was ₹9,000. (iv) A debtor whose dues of ₹ 500 was written off as bad debts, paid ₹400 in full settlement. (v) Land & Building Appreciate by 25%. (vi) Plant & Machinery undervalued by 10%. (vii) Furniture is depreciated by 10%. (viii) Trademark valued at ₹2,500. (ix) Patent reduced to ₹ 3,000. (x) Liability against Workmen Compensation Reserve is ₹ 3,000 (xi) Prepaid Insurance ₹1,000. (xii) Outstanding Bills for Repair ₹1,000. (xiii) There is an old computer valued at ₹4,000. It does not appear in the books. It is now to be recorded. (xiv) Create Provision for Bad Debt 5% & Provision For Discount on Debtors 2%. (xv) Create Reserve for discount on creditors @ 5%. (xvi) Stock is overvalued by 20%. (xvii) Capital of the partners shall be adjusted on the basis of Virat's Capital. Prepare Revaluation A/c, Partners' Capital A/c's and the Balance Sheet of the new firm.

हलः

Dr. Revaluation A/c Cr.

Particulars		Amount(₹)	Particulars	Amount(₹)
To Furniture A/c		1000	By Accrued Income	500
To Trade mark A/c		500	By Bad debts Recovered	400
To Patent A/c		2000	By Land & Building A/c	7500
To Outstanding Repairs Bill		1000	By Plant & Machine A/c	4000
To P.B.D. A/c		500	By Prepaid Insurance A/c	1000
To P.D.D A/c		380	By Computer A/c	4000
To Stock A/C		1000	By Reserve for discount on creditors A/c	1000
To Profit Transfer to				
Dhoni's Capital	6010			
Dhavan's Capital	6010	12020		
		18400		**18400**

Dr. Partner's Capital A/c Cr.

Particulars	Dhoni (₹)	Dhavan (₹)	Virat (₹)	Particulars	Dhoni (₹)	Dhavan (₹)	Virat (₹)
To Cash	2000	2000	-	By Balance b/d	40000	50000	-
To Goodwill	2500	2500	-	By Cash A/c	-	-	60000
To P&L	2000	2000	-	By Goodwill A/c	4000	4000	-
To Adv. Exp.	1000	1000	-	By Worksmen Componsation ReserveA/c	2500	2500	-
To Cash A/c (Balancing figure)		1010	-	By Investment Fluctuation Reserve A/c	1000	1000	-
To Balance c/d	60000	60000	60000	By General Reserve	5000	5000	-
				By Revaluation A/c	6010	6010	-
				By Cash A/c (Balancing figure)	8990	-	-
	67500	**68510**	**60000**		**67500**	**68510**	**60000**

Balance sheet as on 1st April, 2017

Liabilities		Amount(₹)	Assets		Amount(₹)
Creditors	20000		Cash at Bank		9500
Less Provision	1000	19000	Cash in hand		72380
Liability for workmencompensation		3000	Debtors	20000	
Bills payable		3000	Less P.B.D.	1000	
Outstanding expenses		1000	Less P.D.D.	380	18620
Outstanding Repair bills		1000	Stock		5000
Employee's Provident Fund		5000	Investments		9000
Capital A/c			Land & Building		37500
Dhoni	60000		Plant & Machine		40000
Dhavan	60000		Furniture		9000
Virat	60000	180000	Trade Mark		2500
			Patent		3000
			Prepaid Insurance		1000
			Accrued Income		500
			Computer		4000
		212000			**212000**

कार्यशील टिप्पणियां

1. यदि प्रश्न में केवल नये साझेदार के लाभ का हिस्सा दिया गया है तो पुराने साझेदारों का पुराना अनुपात व त्याग अनुपात समान होगा
2. कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय की राशि में से सम्बन्धित दायित्व को घटाकर शेष राशि पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांटी गयी है ।
3. निवेश उतार चढाव संचय के शेष में से विनियोग के बाजार मूल्य में हुयी कमी को घटाकर शेष राशि को पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांटा गया है ।
4. लाभ हानि खाते के डेबिट शेष, विज्ञापन व्ययों व ख्याति की राशि को पुराने लाभ विभाजन अनुपात में अपलिखित किया है।
5. Provision For Bad debts 20000 x 5% = ₹ 1000 ;
   Provision for Discount on Debtors 20000-1000 = 19000 ; 19000 x 2% = ₹ 380
6. Stock $\frac{6000X20}{120}$ = ₹1000
7. Plant & Machine 36000 x $\frac{10}{90}$ = ₹ 4000
8. फर्म की कुल पूँजी विराट की पूँजी के आधार पर $\frac{60000 X 1}{3}$ =₹1,80,000 अतः प्रत्येक साझेदार की पूँजी नये अनुपात में ₹60,000 होगी
9. Cash in hand : 60000+8000 – 4000+400+8990-1010 = ₹72,380

सारांश (Summary)

साझेदारी का पुनर्गठन : साझेदारों के सम्बन्धों में होने वाले किसी भी परिवर्तन से साझेदारी फर्म का पुनर्गठन होता हैं। जैसे साझेदारों के मध्य लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन, नये साझेदार का प्रवेश, किसी साझेदार के अवकाश ग्रहण या मृत्यु आदि।

नये साझेदार का प्रवेश : नये साझेदार के प्रवेश से अभिप्राय है, फर्म के साझेदारों की संख्या में वृद्धि होना। नये साझेदार को सम्पत्तियों में हिस्सा व लाभों में हिस्सा प्राप्त होता हैं।

नया लाभ विभाजन अनुपात : नये साझेदार सहित सभी साझेदारों में फर्म के लाभों का जिस अनुपात में बंटवारा होता उसे नया लाभ विभाजन अनुपात कहते हैं।

त्याग का अनुपात : पुराने साझेदार जिस अनुपात में अपने लाभ के हिस्से को नये साझेदार को देते है उसे त्याग अनुपात कहते हैं। त्याग अनुपात= पुराना लाभ विभाजन अनुपात –नया लाभ विभाजन अनुपात

ख्याति : व्यवसाय की प्रतिष्ठा का मौद्रिक मूल्यांकन ख्याति कहलाता हैं।

ख्याति के मूल्यांकन की विधियां 1. औसत लाभ विधि 2. अधि लाभ विधि 3. पूँजीकरण विधि आदि

भारतीय लेखांकन मानक 10/24/38 के अनुसार ख्याति को पुस्तकों में तब ही लिखा जाता है जब इसको क्रय करने हेतु मुद्रा में अथवा मुद्रा के समकक्ष कोई प्रतिफल दिया गया हैं।

सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनर्निधारण : नये साझेदार के प्रवेश पर सम्पत्तियों का पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों का पुनर्निधारण किया जाता है इस हेतु पुनर्मूल्यांकन खाता बनया जाता है और पुनर्मूल्यांकन का लाभ पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बाँटा जाता हैं। यदि पुनर्मूल्यांकन करते समय सम्पत्तियों दायित्वों के मूल्य को परिवर्तित नहीं करना हो तो स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता बनाया जाता हैं।

यदि फर्म के चिट्ठे में कोई अवितरित लाभ हानि या संचय दे रखे है तो उसे पुराने साझेदारों में पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बांट देना चाहिये।

पूंजी खातों में समायोजन– प्रायः नये साझेदार के प्रवेश करने पर फर्म की कुल पूँजी का समायोजन किया जाता है इस के लियेः

1. पुराने साझेदारों के पूँजी शेषों को नये साझेदार की पूँजी के आधार पर समायोजित किया जाता है या फिर।
2. पुराने साझेदारों के पूँजी शेषों के आधार पर नये साझेदार की पूँजीकी राशि निर्धारित की जाती हैं।

शब्दावली (Glossary)

साझेदारी का पुनर्गठन	Reconstitution of Partnership	जब साझेदारी फर्म की विद्यमानता को प्रभावित किए बिना साझेदारों के सम्बन्धों में परिवर्तन हो जाए तो इसे साझेदारी का पुनर्गठन कहा जाता हैं।
साझेदार का प्रवेश	Admission of A Partner	साझेदारी के व्यवसाय में नये सदस्य का स्वामी के रूप में प्रवेश साझेदार का प्रवेश कहलाता हैं।
नया लाभ विभाजन अनुपात	New Profit Sharing Ratio	नये साझेदार सहित सभी साझेदार जिस अनुपात में फर्म के भावी लाभों को आपस में बांटते है, उसे नया लाभ विभाजन अनुपात कहते हैं।
त्याग का अनुपात	Sacrificing Ratio	नये साझेदार के प्रवेश पर पुराने साझेदारों के लाभ के भाग में जिस अनुपात में कमी होती है, उसे त्याग का अनुपात कहते हैं।

ख्याति	Goodwill	व्यवसाय की प्रतिष्ठा का मौद्रिक मूल्यांकन ख्याति कहलाता हैं।
क्रय की गई ख्याति	Purchased Goodwill	ऐसी ख्याति जिसे क्रय करने के लिए फर्म मूल्य देती हैं।
स्वयं सृजित ख्याति	Self-Generated Goodwill	यह ऐसी ख्याति है जो फर्म द्वारा अपने व्यापार तथा सेवाओं से उत्पन्न होती हैं। प्रतिफल नहीं दिया जाता हैं।
औसत लाभ	Average Profit	पिछले कुछ वर्षों के लाभों का औसत
अधि लाभ	Super Profit	सामान्य लाभ पर वास्तविक लाभ का आधिक्य
पूँजीकरण विधि	Capitalisation Method	व्यवसाय द्वारा अर्जित लाभों का पूँजीकरण कर के ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जात हैं।
पुनर्मूल्यांकन खाता	RevaluationAccount	यह खाता सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन व दायित्वों के पुनर्निधारण के प्रभाव को दिखाता हैं।
संचय	Reserve	अवितरित या संचित लाभ
कर्मचारी क्षति पूर्ति संचय	Workmen Compensation Reserve	वह संचय जो कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति हेतु प्रयोग किया जायेगा।
निवेश उतार–चढ़ाव संचय	Investments Fluctuation Reserve	यह संचय निवेश के मूल्य में होने वाले उतार चढाव के समायोजन के लिए लाभो से सृजित किया जाता हैं।

अभ्यासार्थ प्रश्न (Questions for Exercise)

बहुचयनात्मक प्रश्न (Multiple Choice Questions)

1. अधिलाभ है

अ. सामान्य लाभ – औसत लाभ ब. औसत लाभ – सामान्य लाभ

स सामान्य लाभ + औसत लाभ द. इनमें से कोई नहीं

Super Profit is :

a. normal Profit- Average Profit b. Average Profit- Normal Profit

c. Normal Profit +Average Profit d. none of these

2. अ व ब बराबर के साझेदार है जिनकी पूँजी क्रमशः ₹16000 व ₹12000 है, स 1/4 हिस्से के लिए प्रवेश करता है व ₹15000 पूँजी के लाता हैं। तो फर्म की ख्याति का मूल्य होगा।

अ. ₹60000 ब. ₹112000 स. ₹17000 द. ₹43000

A and b are equal partners with the capital of ₹ 16000 and ₹ 12000. C a new partner comes in for ¼ share and brings capital ₹ 15000. Find the value of the firm's Goodwill?

a. ₹60,000 b. ₹11200 c. ₹17000 d. ₹ 43000

3. कुल सम्पत्तियां ₹70,000, दायित्व ₹10,000, औसत लाभ ₹8000 सामान्य प्रत्याय दर 10 प्रतिशत अधिलाभ की राशि होगी।

अ. ₹1000 ब. ₹2000 स. ₹3000 द. ₹4000

Total Assets and Liabilities of the firm are ₹ 70000 and ₹10000. Average Profit is ₹8000. NRR 10%. Calculate Super profit?

a. ₹1000 b. ₹2000 c. ₹3000 d. ₹4000

4. लाभों में हिस्सा बंटाने के लिए नया साझेदार ..... लाता हैं।

अ) पूँजी ब) ऋण स) ख्याति द) इनमें से कोई नहीं

For getting share in profits, a new partners brings:

a. Capital b. Loan c. Goodwill d. None of these

5. फर्म की सम्पत्तियों में हिस्सा पाने के लिए नया साझेदार ..... चुकाता हैं।

अ) पूँजी ब) ऋण स) ख्याति द) अनुदान

For getting share in Assets of firm, a new partner brings:

a. Capital b. Loan c. Goodwill d. Subsidy

6. पुनर्मूल्यांकन खाते की प्रकृति

(अ) व्यक्तिगत खाता (ब) नाममात्र का खाता (स) वास्तविक खाता (द) इनमें से कोई नहीं

Nature of revaluation account is:

a. Personal account b. Nominal account c. Real Account d. None of these

7. नये साझेदार के प्रवेश पर जब सम्पत्तियों व दायित्वों का मूल्य बदलना चाहते है, तो बनाये जाने वाला खाता होता हैं।

अ. पुनमूर्ल्याकन खाता ब. वसूली खाता

स. स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता द. इनमें से कोई नहीं

When the partners decide to change the value of Assets and Liabilities, then which a/c prepared is:

a. Revaluation a/c b. Realisation A/c

c. Memorandum revaluation d. None of these.

8. सभी अवितरित हानियों को पुराने साझेदारों के पूँजी खातों में किस अनुपात में हस्तांतरित किया जाता है –

अ. नये लाभ विभाजन अनुपात में ब. फायदे के अनुपात में

स. पुराने लाभ विभाजन अनुपात द. त्याग अनुपात में

All undistributed losses are transferred to capital account of the old partners in the ratio of:

a. New Profit Sharing Ratio b. Gaining ratio

c. old Profit Sharing Ratio d. Sacrificing ratio

9. ख्याति का स्वभाव होता हैं।

अ. बिल्ली के स्वभाव वाली ब. कुत्ते के स्वभाव वाली

स. चूहे के स्वभाव वाली द. उपर्युक्त सभी

Nature of goodwill is:

a. Cat Goodwill b. Dog Goodwill c. Rat Goodwill d. All of them

10. A व Bएक फर्म में 2 : 1 के अनुपात में साझेदार हैं। वे C को 1/3 हिस्से के लिए प्रवेश देते है तो उनका त्याग अनुपात होगा।

अ. 2 : 3 ब. 1 : 2 स. 2 : 1 द. 1 : 1

A and B are partners sharing profit in ratio of 2:1. They admit C for 1/3 share in profits, then sacrificing ratio of A and B is:

a. 2:3 b. 1:2 c. 2:1 d. 1:1

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न (Very Short Answer type Questions)

1. फर्म में नये साझेदार द्वारा ख्याति की रकम नकद लाने पर पुराने साझेदारों में किस अनुपात में बांटी जाती है?
In which ratio amount of goodwill is divided among the old partners when new partner brings cash for goodwill?

2. अधि–लाभ और औसत लाभ में एक अन्तर लिखें।
Write one difference between Super Profit and Average Profit.

3. साझेदारी फर्म के पुनर्गठन से क्या अभिप्राय है?
What is meant by reconstitution of Partnership?

4. पुनर्मूल्यांकन खाते की प्रकृति क्या है?
What is the nature of Revaluation Account?

5. एक फर्म में A व B साझेदार है जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। C लाभों में 20% हिस्से के लिए प्रवेश करता है तो नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात क्या होगा?
A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2. C is admitted for 20% share in profits of the firm. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio. **Ans:** NPSR 12 : 8 : 5 SR 3 : 2

6. A, B व C एक फर्म में साझेदार है जो 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।D लाभ में $\frac{1}{5}$हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।
A,B & C are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 5:3:2. D is admitted for 1/5th share in profits of the firm.Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio.
Ans: NPSR 10:6:4:5 SR 5:3:2

7. A, B व C एक फर्म में साझेदार है, जिनका लाभ विभाजन अनुपात $\frac{3}{6}:\frac{2}{6}:\frac{1}{6}$ हैं। D लाभ में $\frac{1}{6}$ हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।
A, B & C are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3/6 : 2/6 : 1/6 . D is admitted for 1/6th share in profits of the firm. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio.

Ans: NPSR 15 : 10 : 5 : 6 SR 3 : 2 : 1

8. A व B एक फर्म में साझेदार हैं। C को लाभ में $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits of the firm. C is admitted for 1/4th share in profits of the firm. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing ratio.

Ans: NPSR 3 : 3 : 2 SR 1 : 1

9. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।C को लाभों में $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C के प्रवेश के बाद D को लाभों में 10% हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं।D के प्रवेश के बाद नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो?

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 2 : 1. C is admitted for 1/4th share in profits of the firm. After admission of C, D is admitted for 10% share in profits of the firm. Find New Profit Sharing Ratio after admission of D.

Ans: NPSR 18 : 9 : 9:4

10. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। C लाभों में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। C को A व B से बराबर भाग प्राप्त होता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2. C is admitted for 1/5th share in profits of the firm which he acquired in equal proportions from both A & B. Calculate New Profit Sharing Ratio And Sacrificing Ratio.

Ans: NPSR 5 : 3 : 2 SR 1 : 1

11. A, B व C एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। D लाभ में $\frac{1}{6}$ भाग के लिए प्रवेश करता हैं। वह अपना हिस्सा A, B व C से बराबर–बराबर प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

A, B & C are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2 : 1 . D is admitted for 1/6th share in profits of the firm which he acquired in equal proportions from A,B & C. Calculate New Profit Sharing Ratio. **Ans:** NPSR 8 : 5 : 2 : 3

12. A व B 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। C लाभ में $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए प्रवेश करता हैं। C अपना हिस्सा A व B से 2 : 1 के अनुपात में प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2. C is admitted for 1/4th share in profits of the firm which he acquired from A & B in the ratio of 2:1. Calculate New Profit Sharing Ratio. **Ans :** NPSR 26 : 19 : 15

13. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं। वे C को लाभ में $\frac{1}{5}$हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C अपना पूरा हिस्सा B से प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2. C is admitted for 1/5th share in profits of the firm which he acquired entirely from B. Calculate New Profit Sharing Ratio.

Ans: NPSR 3 : 1 : 1

14. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 7 : 5 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।C को लाभ में $\frac{1}{6}$हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C$\frac{1}{24}$ हिस्सा A से व $\frac{1}{8}$ हिस्सा B से प्राप्त करता हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 7 : 5. C is admitted for 1/6th share in profits of the firm. C acquires 1/24 from A and 1/8 from B. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio. **Ans:** NPSR 13 : 7 : 4 SR 1 : 3

15. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।C को प्रवेश देते हैं। अपने हिस्से का $\frac{2}{3}$व B अपने हिस्से का $\frac{1}{3}$ C के पक्ष में समर्पण करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 1. A new partner C is admitted A surrenders 2/3 of his share & B surrenders 1/3 of his share in favour of C. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio. **Ans:** NPSR 3 : 2 : 7 SR 6 : 1

16. A व B एक फर्म में साझेदार है जो 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।C को प्रवेश देते हैं।अपने हिस्से में से $\frac{1}{3}$भाग व B अपने हिस्से का $\frac{1}{3}$ C के पक्ष में त्याग करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 2 : 1. A new partner C is admitted. A surrenders 1/3 from his share & B surrenders 1/3 of his share in favour of C. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio. **Ans:** NPSR 3 : 2 : 4 SR 3 : 1

17. A, B व C एक फर्म में साझेदार है जो 5 : 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।D को लाभों में $\frac{2}{10}$हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C का हिस्सा पूर्ववत रहेगा। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

A, B & C are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 5 : 3 : 2 . D is admitted for 2/10 share in profits of the firm. C will retain his original share. Calculate New Profit Sharing Ratio.
Ans: NPSR 15 : 9 : 8 : 8

18. A व B एक फर्म में साझेदार हैं। वे C व D को लाभ में क्रमशः $\frac{1}{5}$ व $\frac{1}{6}$ हिस्सा देकर प्रवेश देते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करो।

A and B are partners in a firm, sharing profits. They admitted C & D for 1/5th and 1/6th shares in profits respectively. Calculate New Profit Sharing Ratio. **Ans:** NPSR 19 : 19 : 12 : 10

19. A, B व C एक फर्म में साझेदार है जो 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हैं।D को प्रवेश देते है, D अपने हिस्से का $\frac{1}{4}$ भाग Cसे प्राप्त करता है A अपने हिस्से का $\frac{3}{10}$ भाग व B अपने हिस्से का $\frac{1}{10}$ भाग D के पक्ष में त्याग करते हैं। नया लाभ विभाजन अनुपात व त्याग अनुपात ज्ञात करो।

A, B & C are partners in a firm, sharing profits in the ratio of 3 : 2 : 1 . D is admitted as a new partner. D acquires ¼ of his share from C and A surrenders 3/10 of his share and B surrenders 1/10 of his share. Calculate New Profit Sharing Ratio & Sacrificing Ratio.
Ans: NPSR 63:54:19:44 SR 27 : 6 : 11

लघूत्तरात्मक प्रश्न (Short Answer type Questions)

1. एक नये प्रवेशित साझेदार द्वारा प्राप्त अधिकारों का उल्लेख कीजिए।
State the rights acquired by a newly admitted partner.

2. लाभ–हानि समायोजन खाता या पुनर्मुल्यांकन खाता क्यों बनाया जाता है?
Why Profit and Loss Adjustment account or Revaluation Account is prepared?

3. ख्याति के मूल्य की गणना गत पांच वर्षों के औसत लाभ के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर की जाती हैं। लाभ इस प्रकार से है–₹30,000, ₹25,000, ₹40,000, ₹35,000, ₹20,000 फर्म की ख्याति की गणना कीजिए ।
Goodwill of the firm is valued at three year's purchase of average profits of last five years. The firm earned the following profits during last five years : ₹30,000, ₹ 25,000, ₹ 40,000, ₹ 35,000, ₹ 20,000.
Calculate the value of goodwill of the firm. Ans: ₹90,000

4. एक फर्म की ख्याति गत चार वर्षों के औसत लाभ के दो वर्षीय क्रय के आधार पर की जाती हैं।

वर्ष	2013	2014	2015	2016
लाभ / हानि	₹10,000	₹16,000	₹(6,000)हानि	₹12,000

फर्म की ख्याति की गणना कीजिए ।
Goodwill of the firm is valued at two year's purchase of average profits of last four years. The firm earned the following profits during last four years : 2013 - ₹10,000, 2014 ₹ 16,000, 2015 - ₹ 6,000 (Loss), 2016 – ₹ 12,000. Calculate the value of goodwill of the firm. **Ans:** ₹16,000

5. एक फर्म के पिछले 4 वर्षों के लाभ–हानि निम्न थे।

2013	₹ 20,000	(सट्टे के लाभ ₹ 4,000 शामिल)
2014	₹–(2,000)	(असामान्य हानि चार्ज की गयी ₹16,000)
2015	₹ 17,000	(अंतिम स्टॉक का मूल्यांकन ₹2,000 से अधिक किया गया)

2016 ₹ 19,000 (मशीन विक्रय के लाभ ₹2,000 शामिल)

औसत लाभों के तीन गुने के आधार पर ख्याति की गणना करें।

Profits of the firm for last Four years-

2013 – ₹20,000 (including ₹ 4,000 speculative profits)

2014 – Loss ₹ 2,000 (after charging an abnormal loss of ₹ 16,000)

2015 - ₹17,000 (closing stock overvalued by ₹ 2,000).

2016 – ₹19,000 (including profit on sale of machine ₹. 2,000)

Goodwill of the firm is valued Three times of average profits of last Four years. **Ans:** ₹48,000

6. एक फर्म के गत पांच वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं।

वर्ष	2012	2013	2014	2015	2016
लाभ(₹)	10,000	12,000	15,000	19,000	29,000
भार	1	2	3	4	5

ख्याति का मूल्य भारित औसत लाभ के 3 वर्षों के क्रय के आधार पर कीजिये।

Profits of the firm for last five years:

Year	2012	2013	2014	2015	2016
Profits(in ₹)	10,000	12,000	15,000	19,000	29,000
Weight	1	2	3	4	5

Calculate value of goodwill on the basis of three years purchase of weighted average profits.

Ans: ₹60,000

7. एक फर्म की पूँजी ₹2,00,000 है व औसत लाभ ₹30,000 सामान्य प्रत्याय दर 10%हैं। ख्याति का मूल्य अधिलाभों के तीन वर्षों के क्रय के आधार पर ज्ञात कीजिये।

Capital of the firm is ₹ 2,00,000. Normal Rate of Return is 10% and average profit of the firm is ₹ 30,000. Goodwill is to be valued at three years purchase of super profits. **Ans:** ₹30,000

8. एक फर्म की पूँजी ₹1,80,000 है व औसत लाभ ₹ 24,000 हैं। सामान्य प्रत्याय दर 12% मानते हुए पूँजीकरण विधि से ख्याति का मूल्य ज्ञात कीजिये।

Capital of the firm is ₹ 1,80,000. Normal Rate of Return is 12% and average profit of the firm is ₹24,000. Calculate value of goodwill by capitalisation method. **Ans:** ₹ 20,000

9. A व B एक फर्म में साझेदार हैं। फर्म की विनियोजित पूँजी ₹ 5,00,000 है और सामान्य प्रत्याय की दर 10% वार्षिक हैं। प्रत्येक साझेदार का वार्षिक वेतन ₹8,000 हैं। औसत लाभ ₹80,000 हैं। अधिलाभों के पूँजीकरण के आधार पर ख्याति की गणना करो।

A & B are partners in a firm. Capital employed of the firm is ₹ 5,00,000. Normal Rate of Return is 10% and average profit of the firm is ₹ 80,000. Salary of each partner is ₹ 8,000 pa. Calculate value of goodwill according to capitalisation of super profit method. **Ans:** ₹1,40,000

10. X व Y की समायोजित पूँजी क्रमशः₹30,000 व ₹ 25,000 हैं। Z के लाभों में $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए ₹ 25,000 पूँजी लाता हैं। ख्याति की गणना कीजिये।

Adjusted capital of X and Y is ₹ 30,000 and ₹ 25,000 respectively. Z bring in ₹ 25,000 as capital for ¼ share of profits in the firm. Calculate value of goodwill. Ans: ₹ 20,000

11. 31–12–16 को समाप्त होने वाले वर्ष के चिट्ठे में A व B की पूँजी क्रमशः ₹ 40,000 व ₹ 30,000 है तथा सामान्य संचय में ₹ 20,000 का शेष हैं। C को लाभों में $\frac{1}{3}$ हिस्से के लिए 1–1–17 प्रवेश करता है और पूँजी ₹ 50,000 लेकर आता हैं। ख्याति की गणना कीजिये।

Balance of Capital A/cs of A & B were ₹ 40,000 & ₹ 30,000 respectively. For the year ended 31 – 12 – 2016. Balance of General Reserve Stood at ₹ 20,000. C is admitted on 1 – 01 -2017 for 1/3rd share in profits. C brings in ₹ 50,000 for his share of capital. Calculate value of goodwill.

Ans: ₹ 10,000

12. किसी फर्म के अधिलाभ ₹ 10,000 हैं। यदि 5 वर्ष के लिए 10% ब्याज दर पर एक रुपये की वार्षिकी का वर्तमान मूल्य 3.791 है तो ख्याति का मूल्य होगा।

Super Profit of a firm is ₹ 10,000. The present value of an annuity of ₹ 1 for five years at 10% per annum may taken at 3.791. Find the value of goodwill of the firm. **Ans:** ₹ 37,910

13. किसी व्यवसाय का क्रय प्रतिफल ₹ 3,50,000 तय हुआ। इस व्यवसाय की सम्पत्तियां ₹4,00,000 व दायित्व ₹80,000 है तो ख्याति का मूल्य होगा।

Purchase consideration of a business is determined at ₹ 3,50,000. Assets were ₹ 4,00,000 & Liabilities were worth ₹ 80,000. Find the value of goodwill of the firm. **Ans:** ₹ 30,000

14. A व B एक फर्म में 2 : 1 के अनुपात में लाभों को बाँटते हुए साझेदार है । वे C को लाभों का $\frac{1}{6}$ हिस्सा देकर प्रवेश देते हैं।C ₹40,000 पूँजी व ₹15,000 ख्याति के लिए नकद लेकर आता हैं व B ख्याति की राशि निकाल लेते हैं। C के प्रवेश की तिथि को पुस्तकों में ख्याति खाता ₹ 30,000 पर प्रकट होता हैं। आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए।

A and B are partners in a firm sharing profits in the ratio of 2: 1. They admitted C as a new partner. C brought in ₹ 40,000 for his share of capital and ₹ 15,000 as Goodwill for 1/6th share in profits of the firm. Goodwill withdrawn by A & B from the firm. On C's admission goodwill appeared in the books of the firm at ₹ 30,000. Record necessary Journal entries.

15. A व B एक साझेदारी फर्म में 3 : 2 में लाभ विभाजन करते हैं। वे C को लाभों का $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C अपना पूरा हिस्सा A से प्राप्त करता हैं।C₹ 50,000 पूँजी व ₹ 10,000 ख्याति के लिए नकद लेकर आता हैं। C के प्रवेश की तिथि को पुस्तकों में ख्याति खाता ₹ 25,000 पर बताया गया हैं। आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए।

A and B are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 2. They admitted C as a new partner for 1/5th share in profits of the firm. C acquires his entire share from A. C brought in ₹ 50,000 as his capital and ₹ 10,000 as goodwill. On C's admission goodwill appeared in the books of the firm at ₹. 25,000. Record necessary Journal entries.

16. A व B 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार है वे C को लाभों का $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति ₹25,000 पर मूल्यांकित की जाती हैं। C ने अपनी पूँजी व ख्याति के लिए निम्न सम्पत्तियों का योगदान दिया। देनदार ₹ 10000 स्टॉक ₹15,000 उपर्युक्त को प्रभावी करने के लिए आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए।

A and B are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 2. They admitted C as a new partner for 1/5th share in profits of the firm. On the date of C's admission goodwill was valued at ₹ 25,000. C contributed the following assets to his capital and his share of goodwill. Debtors ₹ 10,000 & Stock ₹ 15,000. Record necessary Journal entries.

17. A, B व C एक फर्म में 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। वे D को लाभों में $\frac{1}{7}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। D पूँजी के लिए ₹ 1,00,000 व ₹ 45,000 ख्याति के लिए लेकर आता हैं। आवश्यक प्रविष्टियां दीजिए।

A, B and C are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 : 2 : 1. They admitted D as a new partner for 1/7th share in profits of the firm. D brought in ₹ 1,00,000 as his capital and ₹ 45,000 as goodwill. Record necessary Journal entries.

18. L, M तथा N एक फर्म में साझेदार है और लाभ को 2:2:1 के अनुपात में बाँटते है । वे निर्णय लेते है कि भविष्य में N को लाभों में 1/4 हिस्सा मिलेगा । फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 80,000 किया गया था। पुस्तकों में ख्याति ₹ 20000 दिखाई गई हैं। अपेक्षित जर्नल में प्रविष्टियां कीजिए ।

L, M and N are partners in a firm sharing profits in the ratio of 2:2:1. They decided that N will get 1/4th share in future profit. Goodwill of the firm was valued ₹ 80000. Goodwill already appeared in the books ₹ 20000. Pass necessary journal entries.

Ans: ₹20000 की ख्याति 2 : 2 : 1 के अनुपात में अपलिखित होगी; 2. L¼ (SR) ,M 1/40 (SR), N 2/40 (GR)

19. एक्स, वाई, तथा जेड साझेदार थे और लाभ को 5 : 3 : 2 के अनुपात में बाँटते थे । उन्होंने निर्णय लिया कि 1–04–2017 से लाभों का बँटवारा 2 : 3 : 5 के अनुपात में करेंगे । वे निम्नलिखित के प्रभाव को उनके पुस्तक मूल्य को बदले बिना दिखाना चाहते है ।

1. लाभ तथा हानि खाता ₹ 24000. 2 विज्ञापन उचन्ती खाता ₹ 12000 अपेक्षित समायोजन प्रविष्टि कीजिए।

X, Y and Z were parttners sharing profits in the ratio of 5:3:2. They decided to share future profits in the ratio of 2:3:5 with effect from 1-04-2017. They decide to record the effect of the following without affecting their book value.

1- Profit and Loss A/c ₹ 24000, **2.** Adevertisement Suspense A/c ₹ 12000. Pass the necessary adjustment entry.

Ans: Z(Dr.) ₹ 3600, X (Cr.) ₹ 3600

निबन्धात्मक प्रश्न (Essay type Questions)

1. नये साझेदार के प्रवेश से क्या समझते है? ख्याति की गणना की विभिन्न विधियों को उदाहरण सहित समझाइये।
What is meant by admission of a partner? Explain and illustrate the different methods of calculation of goodwill.

2. पुनर्मूल्यांकन खाता क्या है? यह क्यों बनाया जाता है? एक नये साझेदार के प्रवेश के समय सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों के पुनः निर्धारण से सम्बन्धित जर्नल प्रविष्टियां दीजिये।
What is Revaluation account? Why is it prepared? What entries are passed for revaluation of Assets & Re-Assesment of Liabilities on admission of a new Partner?

3. एक नये साझेदार के प्रवेश के समय कौनसी समस्याएं आती है? उनके समाधान हेतु कौन–कौन से समायोजन किये जाते है? वर्णन कीजिए।
What problems occure at the time of admission of a new partner, for which what adjustments are made? Explain.

4. स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता क्या है? यह पुनः पुनर्मूल्यांकन खाते से किस प्रकार भिन्न है?
What is Memorandum Revaluation Account? How does it differ from Revaluation Account?

5. किसी साझेदार के प्रवेश के समय भारतीय AS- 26/ Indian AS-38 के अनुसार ख्याति का लेखांकन संव्यवहार बताये?
State the treatment of goodwill at the time of admission of a new partner as per accounting Indian AS-26/ Indian AS-38.

बहुचयनात्मक प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न सं.	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
उत्तर	B	C	B	C	A	B	A	C	D	C

आंकिक प्रश्न (Numerical Questions)

1. A व B एक फर्म में 3 : 1 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार है । वे C को लाभों का $\frac{1}{4}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C के प्रवेश की तिथि को फर्म की ख्याति ₹ 40,000 पर मूल्यांकित की गयी। निम्न परिस्थितियों में ख्याति के लेखांकन हेतु प्रविष्टियां दीजिये।

(a) C अपने हिस्से की ख्याति निजी तौर पर A व B को देता हैं। **(b)** C अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर आता हैं। **(c)** C अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर आता हैं व B अपने हिस्से की $\frac{1}{2}$ ख्याति व्यवसाय से निकाल लेते हैं। **(d)** C अपने हिस्से की ख्याति में से ₹ 6,000 नकद लेकर आता हैं। **(e)** C अपने हिस्से की ख्याति नकद लेकर नहीं आता हैं।

A & B are partners sharing profits in the ratio of 3 : 1. They admit C for 1/4th share in profits of the firm. Goodwill of the firm is valued at ₹40,000 on the date of admission of C. Pass Journal Entries in the following cases:

(a) C pays for his share of Goowill privately to A & B. **(b)** C brings his share of goodwill in cash. **(c)** C brings his share of goodwill in cash. A & B withdraws half of the goodwill. **(d)** C brings ₹6,000 in cash out of his share of goodwill. **(e)** C is unable to bring his share of goodwill in cash.

2. अ और ब एक व्यवसाय के लाभों को 5 : 3 में बाँटते हैं। वे स को लाभ में 1/4 हिस्से के लिए शामिल करते हैं।, जो कि अ तथा ब द्वारा बराबर दिया जायेगा। स के प्रवेश के समय फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार था :

A and B shares the profits of a business in the ratio of 5: 3. They admitted C into the firm for 1/4th share in profits which is to be contributed equally by A and B. On the date of admission of C the Balance Sheet of the firm was as follows:

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
A's Capital	50,000	Goodwill	10,000
B's Capital	30,000	Machinery	35,000
General Reserve	16,000	Furniture	15,000
Creditors	14,000	Stock	10,000
Employee's Provident Fund	10,000	Debtors	10,000
		Bank	40,000
	1,20,000		**1,20,000**

स के प्रवेश की शर्तें निम्न थी :– (1) स अपने हिस्से की पूँजी तथा ख्याति के लिये ₹30,000लाएगा एवं पुराने साझेदारों द्वारा आधी ख्याति फर्म से निकाल ली जाएगी। (2) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभ ₹8,000के तीन वर्षों के क्रय के बराबर किया गया हैं। (3) मशीन, फर्नीचर एवं स्टॉक का पुनर्मूल्यांकन क्रमशः ₹30,000, ₹12,000एवं ₹8,000पर किया गया हैं। (4) एक ग्राहक जिसका खाता डूबत ऋण मान लिया गया था वह ₹1,200देने के लिए सहमत हो जाता हैं। उपरोक्त के आधार पर पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का चिट्ठा बनाइए। यदि यह तय किया गया कि सम्पत्तियों व दायित्वों को पुराने मूल्यों पर ही दिखाया जाये तो स्मरणार्थ पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाते व चिट्ठा बनाइये।

Terms of C's admission were as follows: (i) C will bring ₹30,000 for his share of capital and goodwill. Half of the goodwill shall be withdrawn by the old partners. (ii) Goodwill of the firm has been valued at 3 years' purchase of the super profit ₹8,000. (iii) Machinery, furniture and stock are revalued at ₹30,000, ₹12,000 &₹8,000 respectively. (iv) An old customer whose account was written off as bad debts has promised to pay ₹1,200. From the above prepare Revaluation account, Partners' Capital accounts and Balance Sheet of the new firm. If it has been agreed that Assets and Liabilities are to be shown at old values. Prepare Memorandum Revaluation A/c, Partner's capital A/c and Balance Sheet.

Ans. (i) Loss on revaluation ₹8,800; A's capital ₹49,750; B's capital ₹30,450; C's capital ₹24,000; B/S ₹1, 28,200; (ii) B/S ₹1, 37,000; Capital A/c : A ₹54,250; B ₹32,550; ₹26,200.

3. एक्स व वाई 2:1के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। 31मार्च, 2017 को उनकी फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार है :

X and Y are partners sharing profit in the ratio of 2: 1. Their Balance Sheet as on 31st March, 2017 is as under:

Balance Sheet (as on 31st March 2017)

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		30,000	Bank Balance		17,200
Outstanding Salary		1,000	Debtors	16,000	
Workmen Compensation Reserve		6,000	Less:Provision	1,200	14,800
General Reserve		9,000	Stock		43,000
Capital:			Plant & Machinery		42,000
X	60,000		Building		36,000
Y	50,000	1,10,000	Goodwill		3,000
		1,56,000			**1,56,000**

1 अप्रैल, 2017 को उन्होंने जेड को ¼ हिस्से के लिए फर्म में प्रवेश दिया जिसे वह एक्स से प्राप्त करेगा। उस समय निम्न निर्णय लिये :

(i) जेड पूँजी के रूप में ₹36,000 नकद तथा ₹14,000 मूल्य के राम लि0 के अंश लाता हैं। (ii) फर्म की ख्याति का वर्तमान मूल्य ₹12,000 हैं। जेड अपने हिस्से की ख्याति नकद लाता हैं। (iii) देनदारों पर डूबत ऋण आयोजन 10% तक बढाया जाये तथा अब अदत्त वेतन की आवश्यकता नहीं हैं। (iv) संयन्त्र व मशीनरी 5% से अधिमूल्यांकित किया गया हैं तथा रहतिया ₹2,400 से बढाया जाये। (v) भवन का मूल्य 10% से कम मूल्यांकित हैं। (vi) ₹4,000 के लेनदार अपलिखित करने हैं। (vii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरुद्ध ₹9,000 का दायित्व निश्चित हो गया हैं।

जेड के प्रवेश पर लाभ हानि समायोजन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते एवं चिट्ठा बनाइए।

They admitted Z in the firm from 1st April, 2017 for 1/4th share, which he will receive from X. Following decisions were taken on that time:(i) Z brings ₹36,000 in cash and share of Ram Ltd. Worth ₹14,000 as his

capital. (ii) The present value of firm's goodwill is ₹12,000. Z brings his share of goodwill in cash. (iii) Provision for Bad Debts on debtors be increased to 10% and outstanding salary is not required now. (iv) Plant and Machinery overvalued by 5% and stock to be increased by ₹2,400. (v) Building undervalued by 10%.(vi) Sundry Creditors were written back by ₹4,000. (vii) Liability against Workmen Compensation determined at ₹9,000. Prepare Profit & Loss Adjustment Account,Partners' Capital Accounts and Balance Sheet on the admission of Z.

Ans : (Profit on Revaluation ₹6,000; X's capital ₹71,000; Y's capital ₹54,000; Z's capital ₹50,000; B/S ₹2,10,000.)

4. एल, एम, तथा एन एक फर्म के साझेदार थे तथा 3: 2: 1 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 31-3-2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

L, M and N were partners in a firm sharing profits in the ratio of 3: 2: 1. Their Balance Sheet on 31.3.2017 was as follows:

Balance Sheet of L, M and N As on 31 March, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		1,68,000	Bank	28,000
General Reserve		42,000	Debtors	40,000
Capitals:			Stock	2,20,000
L	1,20,000		Investments	60,000
M	80,000		Furniture	20,000
N	40,000	2,40,000	Machinery	70,000
			Profit & Loss	12,000
		4,50,000		**4,50,000**

उपरोक्त तिथि को ओ को एक नया साझेदार बनाया गया तथा यह निर्णय लिया कि :

(i) एल, एम, एन तथा ओ का नया लाभ अनुपात 2: 2 : 1 : 1होगा। (ii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹1,80,000 किया गया तथा ओ अपने भाग की ख्याति (प्रीमियम) नकद लाया। (iii) निवेशों का बाजार मूल्य ₹36,000 था। (iv) मशीनरी को ₹58,000 तक घटाया जायेगा। (v) ₹6,000 का एक लेनदार दावा नहीं करेगा अतः उसे अपलिखित किया जायेगा। (vi) फर्म में लाभ के 1/6 भाग के लिए ओ आनुपातिक पूँजी लायेगा। (vii) देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन तथा 2% की दर से देनदारों पर बट्टे के लिए आयोजन किया जाये। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए ।

On the above date O was admitted as a new partner and it was decided that:

(i) The new profit sharing ratio between L, M, N and O will be 2: 2: 1: 1. (ii) Goodwill of the firm was valued at ₹1,80,000 and O brought his share of goodwill (premium) in cash. (iii) The market value of investments was ₹36,000. (iv) Machinery will be reduced to ₹58,000. (v) A creditor of ₹6,000 was not likely to claim the amount and hence was to be written off. (vi) O will bring proportionate capital so as to give him 1/6th share in the profits of the firm. (vii) Provision for doubtful debts to be maintained @ 5% and Provision for discount on debtors be made @ 2%. Prepare Revaluation Account, Partner's Capital Accounts & Balance Sheet of the New Firm.

Ans. Loss on Revaluation ₹32,760; B/S ₹4,82,688; Capital A/c L₹1,48,620; M ₹79,080; N ₹39,540; O ₹53,448.

5. ए व बी 5 : 3 में लाभ बाँटते हैं। उन्होंने सी को लाभ में ¼ भाग के लिए फर्म में प्रवेश दिया जो कि ए व बी द्वारा बराबर–बराबर देय होगा। सी के प्रवेश से तुरन्त पूर्व फर्म का चिट्ठा निम्नांकित है :

A and B shares the profits in the ratio of 5: 3. They admit C into firm for a 1/4th share in the profits to be contributed equally by A and B. Before admission of C, Balance Sheet of the firm is as follows:

Balance Sheet

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
A's Capital	40,000	Machinery	30,000
B's Capital	30,000	Furniture	20,000
Workmen Compensation Reserve	4,000	Stock	15,000

Provision For Doubtful Debts	1,000	Debtors	15,000
Creditors	2,000	Bank	7,000
Provident fund	10,000		
	87,000		**87,000**

सी के प्रवेश पर निम्नांकित शर्तें है :

(i) सी ₹30,000 पूँजी व ख्याति के हिस्से के लिए लायेगा।(ii)फर्म की ख्याति पिछले चार वर्षों के औसत अधिलाभ के तीन गुने के आधार पर मूल्यांकित करनी हैं। पिछले चार वर्षों का औसत लाभ ₹20,000 है जबकि विनियोजित पूँजी पर सामान्य लाभ ₹12,000 हैं। (iii) फर्नीचर का मूल्य ₹6,000 से बढाना है, जबकि स्टॉक का मूल्य ₹2,000 से कम करना हैं। भविष्य निधि में ₹1,000 बढ़ोतरी करनी हैं। (iv) सभी देनदार अच्छे हैं। (v) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरुद्ध ₹2,000 का दायित्व निश्चित किया गया हैं।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते एवं नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए।

Terms of C's admission were as follows: (i) C will bring ₹30,000 as his share of Capital and Goodwill. (ii) Goodwill of the firm has been valued at 3 times of the average super-profits of last four years. Average profits of the last four years are ₹20,000, while the normal profits that can be earned with the capital employed are ₹12,000. (iii) Furniture to be appreciated by ₹ 6,000 and the value of stock is to be reduced by ₹2,000. Provident fund be raised by ₹1,000. (iv) All debtors are good. (v) Liability against Workmen Compensation Reserve is determined at ₹2,000.

Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and the Balance Sheet of the new firm.

Ans. Profit on Revaluation ₹4,000; Capital A/c : A ₹47,500; B ₹34,500 & C ₹24,000. B/S ₹1,21,000.

6. अ तथा ब का 31 मार्च, 2017 का चिट्ठा निम्न है जो लाभ–हानि को 3 : 1 में विभाजित करते है :

The following is the Balance Sheet of A and B, who are sharing profit in the proportion of 3: 1 on 31st March, 2017:

Balance Sheet As on 31st March, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	39,700	Cash at Bank	22,600
Provision For Bad Debts	300	Bills Receivable	3,000
General Reserve	4,000	Debtors	16,000
Capital:		Stock	20,000
A ₹ 30,000		Office Furniture	1,000
B ₹ 16,000	46,000	Land & Building	25,000
		Advertisement Expenses	2,400
	90,000		**90,000**

1 अप्रैल, 2017 को वे निम्न शर्तों, पर स को साझेदारी में शामिल करने को सहमत हो जाते हैं:

(i) स लाभों में 1/5 भाग के लिए ₹14,000 पूँजी व ख्याति के लाएगा। (ii) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹20,000 किया गया। (iii) स्टॉक तथा फर्नीचर का मूल्य 10% से कम किया जाये तथा देनदारों पर 5% की दर से संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान बनाया जायेगा। (iv) भूमि और भवन का मूल्य 20% से बढाया जायेगा। (v) साझेदारों के पूँजी खाते को नये साझेदार की पूँजी के अनुपात में समायोजित किया जायेगा तथा किसी आधिक्य या कमी को उनके चालू खाते में हस्तान्तरित किया जायेगा।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का चिट्ठा बनाइए।

They agreed to take C in partnership on 1st April, 2017 on the following terms: (i) C will pay ₹14,000 as his capital and goodwill for 1/5th share in the future profits. (ii) That the goodwill of the firm be valued at ₹20,000. (iii) The stock and furniture will be reduced by 10% and the provision for doubtful debts will be created @ 5% on debtors. (iv) Value of Land & building be appreciated by 20%. (v) That the capital accounts of the partners will be readjusted on the basis of new partners' capital and any excess or deficiency transferred to their current accounts. Prepare Revaluation account, Partner's Capital accounts and Balance Sheet of the new firm.

Ans. Profit on Revaluation ₹2,400; Capital A/c ; A ₹30,000; B ₹10,000 & C ₹10,000; B/S ₹1,04,500.

7. अ और ब लाभ 3 : 2 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था :

A and B distributes profit in 3 : 2 ratio. On 31st March, 2017 their Balance Sheet is as follows:

Balance Sheet as on 31st March, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Bills Payable	60,000	Cash and bank balance	25,000
Reserve Fund	15,000	Debtors 30,000	
Workmen Compensation Reserve	10,000	Less: Provision 2,000	28,000
Capital: A	90,000	Stock	32,000
B	40,000	Goodwill	10,000
		Building	1,20,000
	2,15,000		**2,15,000**

1 अप्रैल, 2017 को निम्न शर्तों के आधार पर स को साझेदारी में शामिल किया :

(i) साझेदारों का नया अनुपात 2 : 2 : 1 होगा। (ii) स ₹40,000 अपनी पूँजी के चुकाता हैं। (iii) स्टॉक को ₹2,000 से कम किया जाये, संदिग्ध ऋणों के लिए आयोजन ₹3,000 तक रखा जाये। (iv) फर्म की ख्याति में स का हिस्सा ₹5,000 पर मूल्यांकित किया जाये। स ख्याति की नकद राशि लाता हैं। (v) पूर्वदत्त बीमा व्यय ₹1,000. (vi) बकाया बिजली के बिल ₹500. (vii) भवन ₹10,000 से कम मूल्यांकित हैं। (viii) सभी साझेदारों की पूँजी उनके लाभ विभाजन अनुपात में होगी। नकद से समायोजन किया जाये। नयी फर्म में पूँजी खाते एवं चिट्ठा तैयार कीजिये ।

On 1st April, 2017 C was admitted in partnership on the following conditions: (i) New ratio of partners will be 2: 2: 1. (ii) C pays ₹40,000 as his capital. (iii) Stock be decreased by ₹2,000. Provision for Doubtful debts is to be maintained up to ₹3,000. (iv) C's share in the Goodwill of the firm be valued at ₹5,000. C brings cash for Goodwill. (v) Prepaid Insurance ₹1,000. (vi) Outstanding Electricity Bills ₹500. (vii) Building undervalued by ₹10,000. (viii) The capitals of all partners will be in their profit sharing ratio. Adjustment is to be done by cash. Prepare CapitalAccounts and Balance Sheet of the new firm.

Ans. Profit on Revaluation ₹7,500; Capital A/c A ₹80,000; B ₹40,000 & C ₹40,000. B/S ₹2,60,500; Cash & Bank Balance ₹72,500.

8. एम एवं एन एक फर्म में समान अनुपात में साझेदार हैं। 31 मार्च, 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है :

M and N are partners in the firm in equal profit sharing ratio. On 31st March, 2017 their Balance Sheet was as follows:

Balance Sheet (As on 31st March, 2017)

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
General Reserve		8,000	Cash in hand	1,500
Investment Fluctuation Reserve		2,000	Investment	30,000
Bank Overdraft		40,000	Debtors	57,000
Creditors		36,000	Furniture	4,000
Capital:			Stock	10,500
M	30,000		Building	30,000
N	20,000	50,000	Patent	3,000
		1,36,000		**1,36,000**

उन्होंने ओ को निम्न शर्तों पर साझेदार बनाया : (i) देनदारों पर 10 % वार्षिक दर से डूबत ऋण आयोजन बनाया जाये। (ii) फर्नीचर का मूल्य 25% से कम किया जाये। (iii) विनियोंगो का मूल्य ₹5,000 से बढ़ाया जाये। (iv) ओ ₹25,000 पूँजी लायेगा तथा उसे लाभों में 1/3 हिस्सा दिया जायेगा और ₹5,000 ख्याति के लाएगा। (v) एक लेनदार ₹1,700 का है जो मृत हैं। भविष्य में इस खाते पर कोई दायित्त्व उत्पन्न नहीं होगा। (vi) एकस्व मूल्यहीन हैं। (vii) भवन का मूल्य 25% से बढ़ाया जाए। स्टॉक का मूल्य ₹9,000 तक कम करना हैं। पुराने साझेदारों की पूँजी उसी के आधार पर समायोजित की जाएगी। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा चिट्ठा बनाइये।

They admit O in the partnership on the following terms: (i) Create provision for Doubtful Debts by 10% on Debtors. (ii) Furniture will be depreciated by 25%. (iii) Increase the value of Investment by ₹5,000. (iv) O shall bring ₹25,000 as his capital and his share in profit & loss will be 1/3rd and he will bring ₹5,000 as his share of goodwill. (v) A creditor for ₹1,700 is dead. No liability shall arise in future on this account. (vi) Patents are valueless. (vii) Building will be appreciated by 25%. Stockis reduced to ₹9,000. The capitals of old partners are also to be adjusted accordingly. Prepare Revaluation A/c, Partners' Capital A/c and Balance Sheet.

Ans. Profit on Revaluation ₹3,000; Capital A/c : M ₹25,000; N ₹25,000 & O ₹25,000
B/S ₹1,49,300; Cash Balance ₹13,500.

9. अटल तथा मदन एक फर्म के साझेदार थे तथा 5 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 31-3-2017 को उन्होंने लाभ के 1/5 वें भाग के लिए मेहरा को एक नया साझेदार बनाया। नया लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 : 2 था। मेहरा के प्रवेश के समय फर्म का स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :

Atal and Madan were partners in a firm sharing profits in the ratio of 5: 3. On 31.3.2017 they admitted Mehra as a new partner for 1/5th share in the profits. The new profit sharing ratio was 5: 3: 2. On Mehra's admission the Balance Sheet of the firm was as follows:

Balance Sheet As on 31st March, 2017

Liabilities		Amout ₹	Assets	Amount ₹
Capitals			Land and Building	1,50,000
Atal:	1,50,000		Machinery	40,000
Madan:	90,000	2,40,000	Patents	5,000
Provision for bad debts		1,200	Stock	27,000
Creditors		20,000	Debtors	47,000
Workmen Compensation Fund		32,000	Cash	4,200
			Profit and Loss Account	20,000
		2,93,200		**2,93,200**

मेहरा के प्रवेश के समय यह निर्णय लिया गया कि :

(i) मेहरा अपनी पूँजी के लिए ₹40,000 तथा ख्याति (प्रीमियम) के अपने भाग के लिए ₹16,000 लाएगा, जिसका आधा भाग अटल तथा मदन ने निकाल लिया। (ii) डूबत तथा संदिग्ध ऋणों के लिए $2\frac{1}{2}\%$ का प्रावधान करना हैं। (iii) विविध लेनदारों में ₹2,500 की एक मद हैं जिसका भुगतान नहीं करना हैं। (iv) बिजली के अदत्त बिल के लिए ₹3,000 का प्रावधान करना हैं। (v) फर्म के विरुद्ध ₹325 के एक क्षतिपूर्ति दावे के मंजूर होने की सम्भावना हैं। उसके लिए प्रावधान करना हैं।

उपरोक्त समायोज़नों के पश्चात अटल तथा मदन की पूँजी को मेहरा की पूँजी के आधार पर समायोजित करना हैं। स्थिति अनुसार अटल तथा मदन द्वारा रोकड़ लाई जाएगी अथवा उनको भुगतान की जाएगी। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिये।

On Mehra's admission it was agreed that:

(i) Mehra will bring ₹40,000 as his capital and ₹16,000 for his share of goodwill (premium), half of which was withdrawn by Atal and Madan. (ii) A provision of $2\frac{1}{2}\%$ for bad and doubtful debts was to be created. (iii) Included in the sundry creditors was an item of ₹2,500 which was not to be paid. (iv) A provision was to be made for an outstanding bill for electricity ₹3,000. (v) A claim of ₹325 for damages against the firm was likely to be admitted. Provision for the same was to be made.

After the above adjustments, the capitals of Atal and Madan were to be adjusted on the basis of Mehra's capital. Actual cash was to be brought in or to be paid off to Atal and Madan as the case may be. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts of the partners and the Balance Sheet of the new firm.

Ans. : Loss on Revaluation ₹800; B/S ₹2,69,000; Capital A/c : Atal ₹1,00,000; Madan ₹60,000; Mehra's₹40,000.

10. शिखर तथा रोहित एक फर्म में साझेदार थे तथा 7 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 1 अप्रैल, 2017 को उन्होंने कवि को फर्म के लाभों में ¼ भाग के लिए एक नए साझेदार के रूप में प्रविष्ट कराया। कवि ₹4,30,000 अपनी पूँजी के लिए तथा ₹25,000 अपने ख्याति प्रीमियम के भाग के लिए लाया। 1 अप्रैल, 2017 को शिखर तथा रोहित का स्थिति विवरण निम्नानुसार था :

Shikhar and Rohit were partners in a firm sharing profits in the ratio of 7: 3. On 1st April, 2017 they admitted Kavi as a new partner for 1/4 share in profits of the firm. Kavi brought ₹4,30,000 as his capital and ₹25,000 for his share of goodwill premium. The Balance Sheet of Shikhar and Rohit as on 1st April, 2017 was as follows:

Balance Sheet of Shikhar and Rohit As on 1st April, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Capitals:			Land and Building	3,50,000
Shikhar	8,00,000		Machinery	4,50,000

Rohit	3,50,000	11,50,000	Debtors	2,20,000	
General Reserve		1,00,000	Less: provision	20,000	2,00,000
Workmen's Compensation Fund		1,00,000	Stock		3,50,000
Creditors		1,50,000	Cash		1,50,000
		15,00,000			**15,00,000**

यह निर्णय लिया गया कि : (i) भूमि तथा भवन का मूल्य 20% से बढाया जाएगा। (ii) मशीनरी का मूल्य 10% से कम किया जाएगा। (iii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति निधि की देयता ₹50,000 निश्चित की गई। (iv) शिखर तथा रोहित की पूँजी कवि द्वारा लाई गई पूँजी के आधार पर समायोजित की जाएगी और इसके लिए आवश्यकतानुसार रोकड़ लाया जाएगा तथा इसका भुगतान किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारी के पूँजी खाते तथा नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

It was agreed that : (i) The value of Land and Building will be appreciated by 20%. (ii) The value of Machinery will be depreciated by 10%. (iii) The liabilities of Workmen's Compensation Fund was determined at ₹50,000. (iv) Capitals of Shikhar and Rohit will be adjusted on the basis of Kavi's capital and actual cash to be brought in or to be paid off as the case may be. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and the Balance Sheet of the new firm.

Ans. Profit on Revaluation ₹25,000. Capital A/c : Shikhar ₹ 9,03,000; Rohit ₹ 3,87,000; Kavi ₹ 4,30,000; B/S ₹ 19,20,000; Cash Balance ₹ 5,45,000.

11. A तथा B एक फ़र्म में साझेदार हैं और लाभ को 3 : 2 के अनुपात में बाँटते हैं। वे 1 अप्रेल 2017 को C को लाभ में 1/5 हिस्से के लिए साझेदारी में सम्मिलित करते हैं। उस दिन का उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था :

A and B aren partners in the firm sharing profit in the ratio of 3 : 2. On 1st April 2017. They admit C in new firm for 1/5 share in profit. Their balance sheet was as follows:

Balance Sheet As on 31st March, 2017

Liabilities		Amount₹	Assets	Amount ₹
Capital Accounts:			Goodwill	5,000
A	60,000		Plant & Machinery	65,000
B	50,000	1,10,000	Furniture	15,000
General Reserve		10,000	Investments	20,000
Sundry Creditors		50,000	Stock	20,000
			Sundry Debtors	30,000
			Cash in hand	15,000
		1,70,000		**1,70,000**

C को निम्नलिखित शर्तों पर सम्मिलित किया गया था : (i) C ₹40,000 पूँजी के और ₹15,000 ख्याति के लाएगा। (ii) साझेदार भविष्य में लाभों को 5 : 3 : 2 के अनुपात में बाँटेंगे। (iii) निवेशों के मूल्य में 20% की वृद्धि की जाएगी और फ़र्नीचर में 10% का ह्रास किया जाएगा। (iv) एक ग्राहक, जिसे फ़र्म को ₹2,000 देने थे, दिवालिया हो गया और उससे कुछ नहीं मिल पाएगा। (v) लेनदारों के ₹2,000 कम किए जाएँगे। (vi) मरम्मत के ₹1,000 के बकाया बिल के लिए प्रावधान किया जाएगा। (vii) निवेश पर उपार्जित (accrued) ब्याज ₹ 2,000 था। (viii) साझेदारों की पूँजी उनके लाभ विभाजन अनुपात में होगी। इसके लिए समायोजन नकदी से किया जाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारो के पूँजी खाते एवं नयी फर्म का चिट्ठा तैयार कीजिए ।

C was admitted on the following terms: (i) C is to bring capital ₹40,000 and goodwill ₹15,000 (ii) Partners agreed to share the future profits in the ratio of 5 : 2 : 3 (iii) Investments will be appreciated by 20% and furniture depreciated by 10% (iv) One customer who owed the firm ₹2,000 becomes insolvent and nothing could be realised from him. (v) Creditors will be written off ₹2,000. (vi) Outstanding bills for repairs ₹1,000 will be provided for. (vii) Interest accrued on investment ₹2,000. (viii) Capitals of the partner's shall be in proportion to their profits sharing ratio. For this, adjustment be made through cash. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts and the Balance Sheet of new firm.

Ans. : Profit on Revaluation ₹3,500. Capital A/c : A ₹1,00,000; B ₹60,000; C ₹40,000.

12. इशु और विशु 3 : 2 के अनुपात में लाभ बाँटते हुए साझेदार हैं। 31 मार्च 2017 को उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था :

Ishu and Vishu are partners sharing profits in the ratio of 3 : 2. Their Balance Sheet as on 31st March 2017 was as follows:

t

Balance Sheet as on 31[s] March, 2017

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		66,000	Cash at Bank		87,000
General Reserve		10,000	Debtors	42,000	
Investment Fluctuation Fund		4,000	Less: Prov. For D.D.	7,000	35,000
Capital :			Investment (Market Price 19,000)		21,000
Ishu	1,19,000		Buildings		98,000
Vishu	1,12,000	2,31,000	Plant & Machinery		70,000
		3,11,000			**3,11,000**

नीशू को इस दिन 1/6 भाग पर निम्न शर्तों पर सम्मिलित किया : (i) नीशू ₹56,000 अपने हिस्से की पूँजी लाएगी। (ii) फर्म की ख्याति ₹84,000 आंकी गई और नीशू अपना ख्याति का हिस्सा नकद लाएगा। (iii) प्लांट व मशीन को 20% बढ़ा दिया जाए। (iv) देनदार सभी उत्तम हैं। (v) ₹9,800 का दायित्व जो लेनदारों में शामिल है, उसे नहीं देना पड़ेगा। (vi) नीशू की पूँजी के आधार पर इशु और विशु की पूँजी का समायोजन करें तथा कमी या अधिकता को नकद से पूरा करें। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व फर्म का समायोजन के बाद स्थिति विवरण बनाएं–

Nishu was admitted on that date for 1/6th share on the following terms: (i) Nishu will bring ₹56,000 as his share of capital. (ii) Goodwill of the firm is valued at ₹84,000 and Nishu will bring his share of goodwill in cash. (iii) Plant and Machinery be appreciated by 20%. (iv) All debtors are good. (v) There is a liability of ₹9,800 included in Sundry creditors that is not likely to arise. (vi) Capital of lshu and Vishu will be adjusted on the basis of Nishu's capital and any excess or deficiency will be made by withdrawing or bringing in cash byconcerned partner. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and the Balance Sheet of the firm after the above adjustments.

Ans. Profit on Revaluation ₹30,800.

Capital A/c : Ishu ₹1,68,000; Vishu ₹1,12,000; Nishu ₹56,000; B/S ₹3,92,200.

13. A तथा B साझेदार हैं। लाभ को 3 :2 के अनुपात में बाँटते हैं। 31 दिसंबर 2016 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था:

A and B, who are partners in a firm sharingprofits in the ratio of 3 : 2 on 31st December, 2016. The Balance Sheet was as follows:

Balance Sheet As on 31[st] December, 2016

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Capital Accounts:			Plant & Machinery		10,000
A	10,000		Land & Building		8,000
B	8,000	18,000	Debtors	12,000	
General Reserve		15,000	Less: Prov. For D.D.	(1,000)	11,000
Workmen's Compensation Fund		5,000	Stock		12,000
Creditors		12,000	Cash		9,000
		50,000			**50,000**

उन्होंने C को लाभ में 1/5 हिस्से के लिए निम्नलिखित शर्तों पर साझेदारी में सम्मिलित करने का निर्णय लिया :

(i) संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान को ₹2,000 से बढ़ा दिया जाए। (ii) स्टॉक के मूल्य को ₹4,000 से बढ़ा दिया जाए और भूमि तथा भवन के मूल्य को ₹18,000 तक बढ़ा दिया जाए। (iii) कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष से दायित्व ₹2,000 निर्धारित किया गया हैं। (iv) C ख्याति का अपना हिस्सा ₹10,000 नकद लाया। (v) उपरोक्त पुनर्मूल्यांकन तथा समायोजन कर लेने के बाद,C अपनी पूँजी के लिए A व B की सयुंक्त पूँजी के 20% के बराबर राशि लाएगा। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते और C के प्रवेश के बाद फ़र्म का स्थिति विवरण बनाइए।

They agreed to admit C into partnership for 1/5th share of profits on the following terms: (i) Provision for doubtful debts be increased by ₹2,000. (ii) The value of stock be increased by ₹4,000 and Land & Building be increased to ₹18,000. (iii) The liability against workmen's compensation fund is determined at ₹2,000. (iv) C brought in as his share of goodwill ₹10,000 in cash. (v) C Would bring cash as would make his capital equal to 20% of combined capital of A & B, after the above revaluation and adjustments are carried out. Prepare Revaluation Account, Partners' Capital Accounts and the Balance Sheet of the firm after C's admission.

Ans. : Profit on Revaluation ₹12,000.

Capital A/c : A ₹34,000; B ₹24,000; C ₹11,600. B/S ₹83,600; Cash Balance ₹30,600.

14. P तथा Q एक फ़र्म में साझेदार हैं। लाभ को 3 : 1 के अनुपात में बाँटते हैं। उनका स्थिति विवरण इस प्रकार हैं:
P and Q are partners in a firm sharing profits in the ratio of 3 :1. Their Balance Sheet was as follows:

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		11,000	Cash		4,000
Workmen's Compensation Fund		4,000	Debtors	16,000	
Investment Fluctuation Fund		1,000	Less: Prov. For D.D.	(500)	15,500
General Reserve		2,000	Stock		18,500
Capital A/c:			Investment		6,000
P	16,000		Goodwill		4,000
Q	14,000	30,000			
		48,000			48,000

R को निम्नलिखित शर्तों पर लाभ में 1/5 हिस्से के लिए सम्मिलित किया जाता है : (i) निवेशों का बाजार मूल्य ₹4,200 माना गया हैं। (ii) उपार्जित ब्याज की राशि ₹200 हैं। (iii) संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान ₹200 अधिक हैं। (iv) कर्मचारी क्षतिपूर्ति के एक दावे के लिए ₹1,000 का प्रावधान किया जाए। (v) R ख्याति के हिस्से के रूप में ₹10,000 लाएगा। (vi) फ़र्म की कुल पूँजी ₹50,000 निर्धारित की गई, जो साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में समायोजित की जानी हैं। R अपनी पूँजी नकद में लाता है, परंतु अन्य साझेदारों की पूँजी का समायोजन चालू खाते खोलकर किया जाए। पुनर्मूल्यांकन खाता, पूँजी खाते और नयी फर्म का स्थिति विवरण बनाइये।

R is admitted on 1/5th share in profit on the following terms: (i) Market value of investment is taken as ₹4,200 (ii) Accrued Interest amounts to ₹200. (iii) Provision for doubtful debt was in excess to ₹200. (iv) A claim of Workmen's Compensation for ₹1,000 be provided. (v) R is to bring ₹10,000 as goodwill share. (vi) Total capital of the firm was agreed as ₹50,000 to be adjusted in their profit sharing ratio. R brings his capital in cash but capital of other partners be adjusted byopening current accounts. Prepare Revaluation Account, Capital Accounts and the Balance Sheet of new firm.

Ans. Loss on Revaluation ₹ 400.
Capital A/c : P ₹ 30,000; Q ₹10,000 & R ₹ 10,000; B/ S ₹68,650. Cash Balance ₹24,000.

15. A, B तथा C साझेदार हैं और लाभ को 2:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। 31-3-2017 को उनका स्थिति विवरण इस प्रकार था :

A, B and C are partners sharing profits in the ratio 2 : 2 : 1. Their balance sheet on 31-3-2017 was as follows:

Liabilities		Amount₹	Assets		Amount₹
Creditors		30,000	Bank		30,000
General Reserve		68,000	Debtors	40,000	
Profit & Loss A/c		30,000	Less: Provision	2,000	38,000
Capital A/cs			Stock		50,000
A	40,000		Furniture		30,000
B	40,000		Plant		80,000
C	30,000	1,10,000	Deferred Revenue Expenditure		10,000
		2,38,000			**2,38,000**

साझेदारों ने 1-4-2017 से लाभ को 1 : 1 : 1 के अनुपात में बाँटने का निर्णय लिया। उन्होंने यह भी तय किया कि : (i) स्टॉक का मूल्य 20% बढ़ा दिया जाए। (ii) संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान ₹1,000से बढ़ा दिया जाए। (iii) फ़र्नीचर तथा प्लांट में 10% का ह्रास किया जाए। (iv) बकाया किराया ₹2,000 हैं। (v) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹51,000 किया गया हैं। साझेदारों ने निर्णय लिया कि सम्पत्तियों, दायित्वों और संचयों के मूल्य में कोई परिवर्तन न किया जाए। उन्होंने ख्याति को पुस्तकों में न दिखाने का भी निर्णय लिया। इन परिवर्तनों को लागू करने के लिए एकल प्रविष्टि कीजिए।

The partners agreed to share profits in the ratio 1 : 1 : 1 from 1-4-2017. They further agreed that: (i) Stock be valued at 20% more. (ii) Doubtful debt provision be increased by ₹1,000. (iii) Depreciate furniture and plant by 10%. (iv) Rent outstanding is ₹2,000. (v) Goodwill of the firm is valued at ₹51,000. Partners decided not to alter the values of assets, liabilities and reserves. They also decided not to show goodwill in the books.Pass a single entry to give the effect to above changes.

Ans. समायोजन से शुद्ध लाभ ₹1,35,000

C's Capital A/c	Dr.	18000	
To A's Capital			9000
To B's Capital			9000

16. सुरेश, रमेश तथा महेश लाभों को क्रमशः 3:2:1 के अनुपात में बाँटते हैं। 1 अप्रैल,2017 को उनका चिट्ठा निम्नलिखित था:
Suresh, Ramesh and Mahesh share profits in the ratio of 3: 2: 1 respectively. Their Balance Sheet as on 1st April, 2017 was as-

Balance Sheet As on 1st April, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		1,60,000	Cash	1,40,000
General Reserve		1,08,000	Sundry Assets	4,80,000
Capital A/c			Profit & Loss A/c	36,000
Suresh	1,80,000			
Ramesh	1,20,000			
Mahesh	88,000	3,88,000		
		6,56,000		**6,56,000**

इस तिथि को उन्होंने तय किया कि सुरेश, रमेश तथा महेश भविष्य में लाभों को 2 : 2 : 1 अनुपात में बाटेंगे। उस तिथि को फर्म की ख्याति का मूल्य ₹72,000 किया गया। फर्म की पुस्तकों में साझेदारों के पूँजी खाते बनाइये तथा फर्म का चिट्ठा बनाइये।
On that date they decided that Suresh, Ramesh and Mahesh will share profits in future in the ratio of 2: 2: 1 respectively. The goodwill of the firm was valued at ₹72,000 on that date. Prepare Partner's Capital Accounts and Balance Sheet of the firm.

Ans.: Capital A/c Suresh ₹2,23,200; Ramesh ₹1,39,200; Mahesh ₹97,600; B/S ₹6,20,000.
Suresh $\frac{3}{30}$ (SR); Ramesh $(-)\frac{2}{30}$ (G/R); Mahesh$(-)\frac{1}{30}$ (GR).

17. नरदीप, हरदीप तथा गगनदीप एक फर्म के साझेदार थे तथा 2 : 1 : 3 के अनुपात में लाभ बाँटते थे। 31-03-2017 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार से था :
Nardeep, Hardeep and Gagandeep were partners in a firm sharing profits in 2: 1: 3 ratio. Their Balance sheet as on 31.3.2017 was as follows:

Liabilities		Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors		1,00,000	Land	1,00,000
Bills Payable		40,000	Building	1,00,000
General Reserve		60,000	Plant	2,00,000
Capital:			Stock	80,000
Nardeep	2,00,000		Debtors	60,000
Hardeep	1,00,000		Bank	10,000
Gagandeep	50,000	3,50,000		
		5,50,000		**5,50,000**

1-4-2017 से नरदीप, हरदीप तथा गगनदीप ने भविष्य में लाभ बराबर–बराबर बाँटने का निर्णय लिया इसके लिए यह समझौता हुआ कि : (क) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹3,00,000 किया जाये। (ख) भूमि का पुनर्मूल्यांकन ₹1,60,000 पर किया जाये तथा भवन पर 6% मूल्य ह्रास लगाया जाये। (ग) ₹12,000 के लेनदार दावा नहीं करेंगे अतः इन्हें अपलिखित कर दिया जाना चाहिए। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते तथा पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार कीजिए।
From 1.4.2017, Nardeep, Hardeep and Gagandeep decided to share the future profits equally. For this purpose it was decided that : (a) Goodwill of the firm be valued at ₹3,00,000. (b) Land be revalued at ₹1,60,000 and building be depreciated by 6%. (c) Creditors of ₹12,000 were not likely to be claimed and hence be written off. Prepare, Revaluation Account, Partners Capital Accounts and the Balance Sheet of the reconstituted firm.

Ans. Profit on Revaluation ₹66,000. Capital A/c : Nardeep ₹2,42,000; Hardeep ₹71,000; Gagandeep ₹1,63,000; B/S ₹6,04,000; Hardeep $(-)\frac{1}{6}$ (GR); Gagandeep $\frac{1}{6}$ (SR).

18. A व B एक फर्म में 3 : 2 के अनुपात में लाभ विभाजन करते हुए साझेदार हैं। 31.03.17 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार था।

A & B are partners sharing profit in the ratio of 3 : 2 in a firm. On 31.3.2017 their Balance Sheet was as follows:

Balance sheet As on 31 March, 2017

Liabilities		Amount (₹)	Assets	Amount(₹)
Creditors		40,000	Cash at Bank	40,000
Provision for Bad-debts		2,000	Debtors	50,000
Employee's Provident fund		8,000	Stock	30,000
Bank Loan		40,000	Investments	10,000
P & L A/c		20,000	Building	1,00,000
General Reserve		10,000	Machinery	40,000
Capital			Furniture	4,000
A	1,00,000		Patent	6,000
B	80,000	1,80,000	Goodwill	15,000
			Deferred Revenue Expenditure	5,000
		3,00,000		**3,00,000**

वे C को लाभों में $\frac{1}{5}$ हिस्से के लिए प्रवेश देते हैं। C अपना पूरा हिस्सा A से प्राप्त करता हैं। C अपने लाभ के $\frac{1}{5}$ भाग के लिए आनुपातिक पूँजी लायेगा। (i) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन पिछले 3 वर्षों के औसत लाभों ₹ 10,000 के दो वर्षों के क्रय के बराबर किया गया। C ख्याति की राशि नकद लाता हैं। (ii) ऐसी सम्पत्ति जिसका पुस्तकों में लेखा नहीं हुआ ₹ 10,000 (iii) विनियोगों का मूल्यांकन ₹ 12,000 पर किया गया व इसी मूल्य पर A ने ले लिए। (iv) सामान्य संचय की आधी राशि साझेदारों ने निकाल ली। (v) भवन के मूल्य में 10% से वृद्धि हो गयी। (vi) मशीन का मूल्य 10% अधिक करना हैं। (vii) फर्नीचर का मूल्य 10% कम करना हैं। (viii) अदत्त वेतन ₹2,000. (ix) एकस्व का मूल्य ₹ 3,000 से कम करें। (x) कर्मचारी क्षतिपूर्ति संचय के विरूद्ध ₹2,000 का दायित्व निश्चित किया गया। (xi) पूर्वदत्त बीमा ₹1,000. (xii) बैंक ऋण का भुगतान कर दिया गया हैं। (xiii) लेनदारों में शामिल ₹ 4,000 के दायित्व का भुगतान नहीं करना हैं। (xiv) डूबत ऋण ₹ 3,000. (xv) स्कंध को ₹26,000 तक कम करें। पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूँजी खाते व नयी फर्म का चिट्ठा बनाइये।

They decided to admit C for 1/5th share. He takes his share entirely from A. He had to contribute the proportionate capital. (i) Goodwill of the firm is valued at 2 years purchase of average profit of last 3 years. Which was ₹10,000. C brings his share of goodwill in cash. (ii) Unrecorded Assets ₹10,000 (iii) Investment valued at ₹12,000 & taken by A. (iv) ½ of General Reserve withdrawn by the partners. (v) Land & Building appreciate by 10%. (xi) Plant & Machinery valued at 20% more. (vii) Furniture valued at 10% Less. (viii) Outstanding Salary ₹2,000. (ix) Patent reduced by ₹3,000. (x) Liability of Workmen compensation is ₹2,000. (xi) Prepaid Insurance ₹1,000. (xii) Bank Loan would be paid off. (xiii) A Liability of ₹4,000 included in creditors was not likely to arise. (xiv) Bad debts ₹3,000. (xv) Stock is reduced to ₹26,000. Prepare Revaluation A/c, Partner's Capital A/cs and the Balance Sheet of the new firm.

Ans: Profit on Revaluation ₹18,600; Capital A/c : A. ₹1,06,160; B. ₹89,400 C. ₹48,900; B/S ₹2,92,500; Cash Balance ₹47,900